

संज्ञा

किसी वस्तु, प्राणी, स्थान, भाषा, अवस्था, गुण या दशा के नाम को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा शब्द का प्रयोग किसी वस्तु के लिए नहीं, अपितु वस्तु के नाम के लिए होता है।

जैसे -

हिमालय, राम, हनुमानगढ़, पुस्तक, बीमार, गरीबी, गाय आदि।

संज्ञा के मुख्य रूप से तीन भेद होते हैं-

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. जातिवाचक संज्ञा
3. भाववाचक संज्ञा

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा

किसी व्यक्ति विशेष के नाम, स्थान विशेष के नाम और किसी वस्तु विशेष के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जिन शब्दों का प्रयोग किसी एक के लिए हो उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे - मोहन(व्यक्ति विशेष), गंगानगर(स्थान विशेष), सरसदुध(वस्तु विशेष), बीकानेर, भारत।

तथ्य

जो इस संसार में केवल एक हो उसके लिए प्रयुक्त नाम व्यक्ति वाचक संज्ञा होगा।

जैसे - पृथ्वी, आकाश, सूर्य।

कुछ जातिवाचक संज्ञाएं प्रसंग के अनुसार व्यक्ति वाचक संज्ञा मानी जाती हैं।

जैसे - बोंस ने कहा था तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा।

यहां बोंस जातिवाचक संज्ञा है लेकिन यहां पर बोंस का अर्थ सुभाष चन्द्र बोंस से लिया गया है इसलिए यह व्यक्ति वाचक संज्ञा है।

यंत्र के नाम निर्माता कंपनी के साथ आये तो व्यक्तिवाचक संज्ञा माने जाते हैं।

जैसे - बजाज पंखा।

जिस वस्तु, व्यक्ति या स्थान विशेष का नाम उसके जन्म के पश्चात रखा जाता है वह व्यक्तिवाचक होता है

जैसे - जब किसी बच्चे का जन्म होता है तो उसका उस समय कोई नाम नहीं होता है जन्म के पश्चात उसका नाम राम, रहिम, मोहन रखा जाता है जो कि व्यक्ति वाचक है।

उदाहरण

वह आदमी गुजरात से आया रेखांकित में संज्ञा है-

1. व्यक्ति वाचक
2. जाति वाचक
3. स्थान वाचक
4. भाववाचक

उत्तर व्यक्ति वाचक

क्योंकि गुजरात का नाम गुजरात के बनने के बाद रखा गया था।

2. जातिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा से किसी प्राणी, वस्तु अथवा स्थान के वर्ग या उसकी जाति का ज्ञान हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जिन शब्दों का प्रयोग समूह के लिए किया जाता है उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे - गधा, पहाड़, दुध, कुर्सी, मेज, गाय, गुलाब, गेंदा।

तथ्य

कुछ व्यक्ति वाचक संज्ञाएं जो प्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक नाम हैं। प्रसंग के अनुसार जाति वाचक संज्ञा माने जाते हैं।

जैसे - भारत में आज भी श्रवण कुमार पैदा होते हैं।

जिस वस्तु, व्यक्ति या स्थान का नाम उसके जन्म से पहले यानि जन्मजात हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे जब कोई बच्चा पैदा होता है तो उसे बच्चा ही कहते हैं यह नाम उसका जन्मजात होता है जो हर एक बच्चे के लिए जन्मजात होता है इसलिए बच्चा एक जाति वाचक संज्ञा है।

उदाहरण

फुलों में गुलाब श्रेष्ठ होता है रेखांकित में संज्ञा है -

1. जातिवाचक
2. व्यक्तिवाचक
3. भाववाचक
4. स्थान वाचक

उत्तर SHOW ANSWER

क्योंकि गुलाब एक फुलों कि जाति है।

उदाहरण

आजकल हर शहर में रावण पैदा हो रहे हैं में रावण में संज्ञा है -

1. व्यक्तिवाचक
2. जातिवाचक
3. गुणवाचक
4. भाववाचक

उत्तर जातिवाचक

क्योंकि यहां रावण का प्रयोग किसी विशेष व्यक्ति के लिए न होकर बुरे व्यक्तियों के समुह के लिए हुआ है।

3. भाववाचक संज्ञा

किसी भाव, गुण, दशा अथवा अवस्था के नाम को भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे - अमीरी, बुढ़ापा, दुख, अच्छा, प्रसन्नता, क्रोध, सौन्दर्य।

तथ्य

भाववाचक संज्ञा किसी भी वस्तु, व्यक्ति या स्थान का एक गुण नहीं है बल्कि एक अधिक गुणों का समावेश है।

जैसे गरीबी के लिए हम यह नहीं कह सकते की उसके पास गाड़ी नहीं है तो वो गरीब है या उसके पास मकान नहीं तो वो गरीब है जब कई सारे गुण मिल जाते हैं तो भाव वाचक संज्ञा बनती है जैसे गरीबी के लिए उसके पास मकान न हो, खाने के लिए पैसे न हो पहनने के लिए कपड़े न हो आदि। हम किसी भी एक गुण को देख कर उसकी गरीबी या अमीरी या बुढ़ापे का अन्दाजा नहीं लगा सकते अतः भाववाचक संज्ञा से जिसका बोध हो उन्हें महसूस किया जा सकता है देखा नहीं जा सकता।

भाव वाचक संज्ञाएं सभी प्रकार के शब्दों में प्रत्यय जोड़ कर बन जाती हैं।

1. व्यक्ति वाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा
राम + त्व - रामत्व
2. जातिवाचक संज्ञा से भाव वाचक संज्ञा
बुढ़ा + आपा - बुढ़ापा
3. सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा
अपना + पन - अपनापन
मम + ता - ममता
अपना + त्व - अपनत्व

4. क्रिया से बनी भाववाचक संज्ञा

घबराना - घबराहट

5. विशेषण से बनी भाववाचक संज्ञा

मिठा + आस - मिठास

सुन्दर + ता - सुन्दरता

उदाहरण

सुखी में संज्ञा है -

1. जातिवाचक 2. व्यक्तिवाचक 3. भाववाचक

4. संबंधवाचक

उत्तर-जातिवाचक

क्योंकि हम किसी व्यक्ति को देख कर यह कह सकते हैं कि यह सुखी है और सुखी व्यक्तियों का समुह होता है अतः यह एक जातिवाचक संज्ञा है।

तथ्य

कुछ विद्वान इन भेदों के अलावा दो भेद और मानते हैं - समुदायवाचक व द्रव्यवाचक। परन्तु ये दोनों ही जातिवाचक संज्ञा के अन्तर्गत आते हैं।

समुदायवाचक/समुह वाचक - जनता, भीड़, सभा, गोस्टी, सेना, कक्षा, पंचायत।

द्रव्यवाचक - पानी, दुध, चांदी, सोना, गेहूं, मिट्टी, बजरी।

गणनीय संज्ञा व अगणनीय संज्ञा

गणनीय संज्ञा - ऐसी वस्तुएं जिनकी गणना की जा सके को गणनीय संज्ञा कहते हैं।

जैसे - पुस्तक, लड़का, कमरा।

अगणनीय संज्ञा - ऐसी वस्तुएं जिनकी गणना नहीं की जा सके उन्हें अगणनीय संज्ञा कहते हैं।

जैसे - पानी, दुध, सोना, प्रेम।

सर्वनाम

संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

सर्वनाम के मुख्यतः छः भेद हैं -

1. पुरुष वाचक सर्वनाम - 3 भेद

1. (i) अन्य पुरुष वाचक - वह, यह, आप

2. (ii) मध्य पुरुष वाचक - तुम, आप

3. (iii) उत्तम पुरुष वाचक - मैं

2. निश्चय वाचक सर्वनाम - वह, यह

3. संबंध वाचक सर्वनाम - जो

4. प्रश्न वाचक सर्वनाम - कौन

5. अनिश्चय वाचक सर्वनाम - कोई, किसी, कुछ

6. निज वाचक सर्वनाम - स्वयं, अपना, अपने, खुद, अपनी, आप।

आप शब्द का मध्यम पुरुष व अन्य पुरुष में अन्तर

आप शब्द का प्रयोग जिससे बात कर रहे हैं उसके लिए हो तो मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम माना जाता है। तथा आप शब्द का प्रयोग जो सामने या इस दुनिया में भी नहीं है उसके वर्णन के लिए किया जाये तो अन्य पुरुष वाचक सर्वनाम माना जायेगा।

जैसे - आप गांव से कब आये - मध्यमपुरुष भगत सिंह सच्चे योद्धा थे, आप ने देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी चढ़ गये - अन्य पुरुष

वह, यह शब्दों का अन्य पुरुष वाचक व निश्चय वाचक में अन्तर

यह, वह शब्दों का प्रयोग जिसके लिए हो वह शब्द वाक्य में आ जाये तो निश्चय वाचक सर्वनाम तथा यह, वह जिसके लिए हो वह वाक्य में नहीं आये तो अन्य पुरुष वाचक सर्वनाम होगा।

1. वह गाय ही चराता है - अन्य पुरुष वाचक
2. शायद वह गाय चर रही है - निश्चयवाचक
उस, इस, उन, इन के तुरन्त बाद कारक चिन्ह हो तो इन्हें अन्य पुरुष मानें तथा तुरन्त बाद कारक चिन्ह न हो तो इन्हें निश्चय वाचक सर्वनाम मानें।

1. इसको चारा खिलाओ - अन्य पुरुषवाचक
2. इस गाय को चारा खिलाओ - निश्चयवाचक

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
जिन सर्वनामों का प्रयोग बोलने वाले, सुननेवाले या अन्य किसी व्यक्ति के स्थान पर किया जाता है, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।

पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं -

(i) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम: वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला व्यक्ति अपने लिए करता है।

जैसे - मैं, हम, मेरा, हमारा।

(ii) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम: वे सर्वनाम शब्द, जो सुनने वाले के लिए प्रयुक्त किये जाते हैं।

जैसे - तू, तुझे, तेरा, आप, आपको।

(iii) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम: वे सर्वनाम, जिनका प्रयोग बोलने तथा सुनने वाले व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रयुक्त करते हैं।

जैसे - वह, उन्हें, उसे।

2. निश्चयवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम, जो किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध कराते हैं, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे-यह, वह, ये।

उस बालक ने थप्पड़ मारा।

उस शब्द बालक का बोध करवा रहा है अतः उस शब्द निश्चयवाचक सर्वनाम है।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम शब्द, जिनसे किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध नहीं होता बल्कि अनिश्चय की स्थिति बनी रहती है, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे- कुछ, किसी, कोई।

कुछ लोग जा रहे हैं।

कुछ शब्द अनिश्चयवाचक सर्वनाम हैं।

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम, जो प्रश्न का बोध कराते हैं या वाक्य को प्रश्नवाचक बना देते हैं, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे- कौन, क्या, किसने।

किसने झगड़ा किया ?

किसने शब्द प्रश्नवाचक सर्वनाम हैं।

5. सम्बन्धवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम, जो दो पृथक्-पृथक् बातों के स्पष्ट सम्बन्ध को व्यक्त करते हैं, उन्हें सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे-जैसा-वैसा, जिसकी-उसकी, जितना-उतना।

जैसा कर्म करोगे वैसा फल मिलेगा।

6. निजवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम, जिन्हें बोलनेवाला कर्त्ता स्वयं अपने लिए प्रयुक्त करता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे - अपनी, अपना, स्वयं, ।

मैं मेरे कपड़े खुद धोता हूँ।

सर्वनाम के विकारी रूप

सर्वनाम शब्दों में लिंग के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता। सर्वनाम शब्दों में वचन तथा कारक के कारण परिवर्तन होता है। सर्वनाम शब्दों का सम्बोधन कारक नहीं होता।

सर्वनाम - वह (अ.पु./नि.वा.)

| कारक | एक वचन | बहुवचन |
|------------|-------------------|----------------------------|
| कर्त्ता | वह, उसने | वे, उन्होंने |
| कर्म | उसे, उसको | उन्हें, उनको |
| करण | उससे, उसके द्वारा | उनसे, उनके द्वारा |
| सम्प्रादान | उसके लिए | उनके लिए |
| अपादान | उससे | उनसे(अलग होने के भाव में) |
| संबंध | उसका, उसके उसकी | उनका, उनके, उनकी |

| | | |
|--------|--------------|--------------|
| अधिकरण | उसमें, उस पर | उनमें, उन पर |
|--------|--------------|--------------|

सर्वनाम - यह (अ.पु./नि.वा.)

वह का यह ये का वे उ की जगह इ कर देंगे

| कारक | एक वचन | बहुवचन |
|------------|-------------------|----------------------------|
| कर्त्ता | यह, इसने | ये, इन्होंने |
| कर्म | इसे, इसको | इन्हें, इनको |
| करण | इससे, इसके द्वारा | इनसे, उनके द्वारा |
| सम्प्रादान | इसके लिए | इनके लिए |
| अपादान | इससे | इनसे(अलग होने के भाव में) |
| संबंध | इसका, इसके इसकी | इनका, इनके, इनकी |
| अधिकरण | इसमें, इस पर | इनमें, इन पर |

सर्वनाम - जो (संबंधवाचक)

जो एक वचन व बहुवचन दोनों होगा तथा इ की जगह जि करना है

| कारक | एक वचन | बहुवचन |
|------------|---------------------|-----------------------------|
| कर्त्ता | जो | जो |
| कर्म | जिसे, जिसको | जिन्हें, जिनको |
| करण | जिससे, जिसके द्वारा | जिनसे, जिनके द्वारा |
| सम्प्रादान | जिसके लिए | जिनके लिए |
| अपादान | जिससे | जिनसे(अलग होने के भाव में) |
| संबंध | जिसका, जिसके इसकी | जिनका, जिनके, जिनकी |

| | | |
|--------|----------------|---------------|
| अधिकरण | जिसमें, जिस पर | जिनमें, इन पर |
|--------|----------------|---------------|

सर्वनाम - कौन (प्रश्नवाचक)

कौन का एकवचन व बहुवचन कौन होगा तथा जि की जगह कि कर देंगे

| कारक | एक वचन | बहुवचन |
|-----------|---------------------|-----------------------------|
| कर्ता | कौन | कौन |
| कर्म | किसे, किसको | किन्हें, किनको |
| करण | किससे, किसके द्वारा | किनसे, किनके द्वारा |
| सम्प्रदान | किसके लिए | किनके लिए |
| अपादान | किससे | किनसे(अलग होने के भाव में) |
| संबंध | किसका, किसके, किसकी | किनका, किनके, किनकी |
| अधिकरण | किसमें, किस पर | किनमें, किन पर |

सर्वनाम - तुम(मध्यम पुरुष)

| कारक | एक वचन | बहुवचन |
|-----------|--------------------|-----------------------------|
| कर्ता | तू तूने | तुम, तुमने |
| कर्म | तुझे, तुझको | तुम्हें, तुमको |
| करण | तुझसे, तेरे द्वारा | तुमसे, तुम्हारे द्वारा |
| सम्प्रदान | तेरे लिए | तुम्हारे लिए |
| अपादान | तुझसे | तुमसे(अलग होने के भाव में) |
| संबंध | तेरा, तेरे, | तुम्हारा, तुम्हारे, |

| | | |
|--------|----------------|----------------|
| | तेरी | तुम्हारी |
| अधिकरण | तुझमें, तुझ पर | तुममें, तुम पर |

सर्वनाम - मैं(उत्तम पुरुष)

| कारक | एक वचन | बहुवचन |
|-----------|--------------------|----------------------------|
| कर्ता | मैं, मैंने | हम, हमने |
| कर्म | मुझे, मुझको | हमें, हमको |
| करण | मुझसे, मेरे द्वारा | हमसे, हमारे द्वारा |
| सम्प्रदान | मेरे लिए | हमारे लिए |
| अपादान | मुझसे | हमसे(अलग होने के भाव में) |
| संबंध | मेरा, मेरे, मेरी | हमारा, हमारे, हमारी |
| अधिकरण | मुझमें, मुझ पर | हममें, हम पर |

सर्वनाम - आप(मध्यम पुरुष)

आदर सुचक शब्द केवल बहुवचन होते हैं

| कारक | एक वचन | बहुवचन |
|-----------|--------|-----------------------|
| कर्ता | - | आप, आपने |
| कर्म | - | आपको |
| करण | - | आपसे, आपके द्वारा |
| सम्प्रदान | - | आपके लिए |
| अपादान | - | आपसे(अलग होने के भाव) |

| | | |
|--------|---|------------------|
| संबंध | - | आपका, आपके, आपकी |
| अधिकरण | - | आपमें, आप पर |

उदाहरण

निम्न में से पूर्णतः बहुवचन सर्वनाम है -

1. तेरे 2. जो 3. आप 4. कौन

उत्तर आप

आदर सूचक शब्दों का प्रयोग हमेशा बहुवचन में किया जाता है क्योंकि जिसका हम आदर करते हैं वह एक होते हुए भी बहुत ज्यादा होता है।

उदाहरण

निम्न में से किस विकल्प में सम्बन्ध वाचक सर्वनाम का प्रयोग हुआ है -

1. इसमें 2. उसका 3. जिन्हें 4. हमको

उत्तर जिन्हें

सम्बन्ध वाचक सर्वनाम वह होगा जो ज से शुरू होगा।

उसका - सम्बन्ध कारक है अन्य पुरुष वाचक।

उदाहरण

किसी विकल्प में सभी पुरुष वाचक सर्वनाम है।

1. वह, उस, तुम, मैं
2. आप, तुम, मैं, वह
3. इस, उस, इसका, उसका
4. जो, जिसने, जिन्हें, जिसको

उत्तर 2

उदाहरण

वह गाय 10 किलो दुध देती है। रेखांकित में सर्वनाम है -

1. अन्यपुरुष वाचक

2. निश्चय वाचक

3. संबंध वाचक

4. मध्यपुरुष वाचक

उत्तर निश्चय वाचक

वह शब्द जिसके लिए प्रयोग हो वह दिख रहा हो तो निश्चय वाचक।

उदाहरण

वह गाय चराता है -

1. अन्यपुरुष वाचक

2. निश्चय वाचक

3. संबंध वाचक

4. मध्यपुरुष वाचक

उत्तर अन्यपुरुष वाचक

यहां वह का प्रयोग गाय के लिए नहीं हुआ है।

उदाहरण

निम्न में से कर्म कारक बहुवचन सर्वनाम है -

1. इससे 2. उसको 3. इन्हें 4. उनका

उत्तर इन्हें

कि/इ/उ/नि के बाद स हो तो हमेशा एक वचन
इ/उ/कि/जि के बाद न तो हमेशा बहुवचन

क्रिया

वे शब्द, जिनके द्वारा किसी कार्य का करना या होना पाया जाता है, उन्हें क्रिया पद कहते हैं।

जैसे - खाना, पिना, हँसना, बोलना।

प्रकार

कर्म के आधार पर

कर्म के आधार पर क्रिया के मुख्यतः दो भेद हैं

1. अकर्मक क्रिया
2. सकर्मक क्रिया

अकर्मक क्रिया

वे क्रिया जिनको करने के लिए कर्म की आवश्यकता नहीं होती अकर्मक क्रिया कहलाती है।

जैसे - पक्षी उड़ता है।, बच्चा रोता है।, राधा नाचती है।, हवा चलती है।

सकर्मक क्रिया

वे क्रिया जिनको करने के लिए कर्म की आवश्यकता होती है सकर्मक क्रिया कहलाती है।

जैसे - लड़का पढ़ता है।, मोहन खाना बना रहा है।, बच्चे टि.वी. देख रहे हैं।

तथ्य

जिन वाक्यों में क्रिया करने के लिए कर्म की आवश्यकता होती है। जैसे खाना बनाने के लिए खाने की आवश्यकता है। पढ़ने के लिए किताब की आवश्यकता है।

जिन वाक्यों में क्या, किसको आदि से प्रश्न करने पर संतोष जनक उत्तर मिल जाये वे क्रियाएँ सकर्मक होती हैं, तथा उत्तर उस क्रिया का कर्म होता है।

एक कर्मक क्रिया

जब वाक्य में क्रिया के साथ एक कर्म प्रयुक्त हो तो उसे एक कर्मक क्रिया कहते हैं।

जैसे - महेश ने फल खरीदे।

द्विकर्मक क्रिया

कभी कभी वाक्य में दो कर्म होते हैं एक गौण कर्म व दूसरा मुख्य कर्म।

गौण कर्म - यह क्रिया से दूर होता है प्राणि वाचक होता है। तथा विभक्ति सहित होता है।

मुख्य कर्म - यह क्रिया के पास होता है, अप्राणी वाचक होता है, विभक्ति रहित होता है।

जैसे - शीना ने रिना को पुस्तक दी।

यहां रिना गौण कर्म है तथा पुस्तक मुख्य कर्म है।

प्रयोग तथा संरचना के आधार पर

इसके आधार पर भी क्रिया के निम्न भेद होते हैं-

सामान्य क्रिया

जब किसी वाक्य में एक ही क्रिया का प्रयोग हुआ हो, उसे सामान्य क्रिया कहते हैं।

जैसे - लड़का पढ़ता है।

पूर्वकालिक क्रिया

जब किसी वाक्य में दो क्रियाएँ प्रयुक्त हुई हों तथा उनमें से एक क्रिया दूसरी क्रिया से पहले सम्पन्न हुई हो तो पहले सम्पन्न होने वाली क्रिया पूर्व कालिक क्रिया कहलाती है।

जैसे - मैं खाना पका कर पढ़ने लगा। यहाँ पढ़ने से पूर्व खाना पकाने का कार्य हो गया अतः पकाना क्रिया पूर्वकालिक क्रिया कहलाएगी।

प्रेरणार्थक क्रिया

वे क्रियाएँ, जिन्हें कन्ता स्वयं न करके दूसरों को क्रिया करने के लिए प्रेरित करता है, उन क्रियाओं को प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं।

जैसे - दुष्यन्त हेमन्त से पत्र लिखवाता है।
कविता सविता से पत्र पढ़वाती है।

सजातीय क्रिया

वे क्रियाएँ, जहाँ कर्म तथा क्रिया दोनों एक ही धातु से बनकर साथ प्रयुक्त होती हैं।

जैसे- हमने खाना खाया।

काल(काल के अनुसार)

क्रिया के होने का समय काल कहलाता है।

काल के मुख्यतः तिन भेद होते हैं।

1. भूत काल
2. वर्तमान काल
3. भविष्यत् काल

1. भूत काल

बीते समय का बोध कराने वाली क्रियाएँ

भूतकालिक क्रियाएँ कहलाती हैं।

भूतकाल के मुख्यतः छः भेद हैं।

(क) सामान्य भूत काल

(ख) आसन्न भूत काल

(ग) पूर्ण भूत काल

(घ) संदिग्ध भूतकाल

(ङ) अपूर्ण भूतकाल

(च) हेतु-हेतुमद् भूतकाल

(क) सामान्य भूत काल

जब बीते समय का बोध कराने वाली क्रिया का केवल एक शब्द आये तो वहाँ सामान्य भूत काल होता है।

जैसे - गया, पढ़ा, लिखी, देखे।

उदाहरण

मैंने राजस्थान ज्ञान वेब साइट देखी।

(ख) आसन्न भूतकाल

सामान्य भूतकाल की क्रिया के अन्त में है, हैं, हो, हूँ आये तो आसन्न भूतकाल होगा।

जैसे - गया है, लिखी है, देखे हैं, गया हूँ।

उदाहरण

मैंने राजस्थान पर कहानी लिखी है।

(ग) पूर्ण भूतकाल

सामान्य भूतकाल की क्रिया के अन्त में था, थे, थी, आ जाये तो पूर्ण भूतकाल होगा।

जैसे - गया था, पढ़ी थी, लिखे थे।

उदाहरण

हमने बचपन में खेल खेले थे।

(घ) संदिग्ध भूतकाल

सामान्य भूतकाल के क्रिया के अन्त में होगा, होंगे, होगी आये तो संदिग्ध भूतकाल होता है।

जैसे - गया होगा, पढ़ी होगी, लिखे होंगे।

उदाहरण

तुमने किताब पढ़ी होगी।

(ङ) अपूर्ण भूतकाल

क्रिया के अन्त में रहा था, रही थी, रहे थे आये तो अपूर्ण भूतकाल होता है।

जैसे - जा रहा था, खा रही थी, हंस रहे थे।

उदाहरण

जब मैं वहाँ से गुजरा तो बच्चे खेल रहे थे।

(च) हेतु-हेतुमद् भूतकाल

बीते समय कि एक क्रिया का होना जब बीते समय की दूसरी क्रिया पर आश्रित हो तो वहाँ हेतु-हेतुमद् भूतकाल होता है।

उदाहरण

बरसात होती तो फसलें पक जाती।

वाक्य में फसलें पकना बरसात होने पर
आश्रित थी अतः न बरसात हुई और न ही
फसलें पकी।

एक महीना और पढ़ता तो चयन हो जाता।

2. वर्तमान काल

पांच भेद

(क) सामान्य वर्तमान काल

क्रिया के अन्त में ता है, ती है, ते हैं आये तो
सामान्य वर्तमान काल होगा।

जैसे - पढ़ता है, लिखती है, जाते हैं।

उदाहरण

मोहन पांचवी कक्षा में पढ़ता है।

(ख) अपूर्ण वर्तमान काल

क्रिया के अन्त में रहा है, रही है, रहे हैं आये।

जैसे - पढ़ रहा है, लिख रही है, जा रहे हैं।

उदाहरण

वह गाना लिख रहा है।

(ग) संदिग्ध वर्तमान काल

वर्तमान काल की क्रिया के अन्त में होगा,
होंगे, होगी आए तो संदिग्ध वर्तमान काल
होता है।

जैसे - पढ़ रहा होगा, लिख रही होगी, देख रहे
होंगे।

उदाहरण

राम किताब लिख रहा होगा।

(घ) संभाव्य वर्तमान काल

वर्तमान काल की क्रिया से पहले शायद,
संभवतः, लगता है, हो सकता है आदि

संभावनावाची शब्द आ जाये तो संभाव्य
वर्तमान काल होता है।

उदाहरण

लगता है कोई हमारी बातें सुन रहा है।, शायद
कोई बाहर खड़ा है।

(ङ) आज्ञार्थ वर्तमान काल

आज्ञार्थक क्रियाओं का प्रयोग मुख्यतः

आज्ञार्थ वर्तमान काल में हि होता है।

जैसे - पढ़, पढ़ो, पढ़े, पढ़ें, पढ़ुं।

उदाहरण

तू लिख।, तुम हंसो।, वह गांव जाए।, वे यहां
खेले।, मैं गांव से कब आऊँ ?

3. भविष्यत काल

आने वाले समय का बोध कराने वाली क्रियाएँ
भविष्यत् कालिक क्रियाएँ कहलाती हैं।

मुख्यतः तीन भेद

(क) सामान्य भविष्यत् काल

(ख) आज्ञार्थ भविष्यत् काल

(ग) संभाव्य भविष्यत् काल

(क) सामान्य भविष्यत् काल

जब क्रिया के अन्त में एगा, एगी, एंगे आये तो
सामान्य भविष्यत काल होता है।

जैसे - वह पढ़ेगा, गीता लिखेगी, वे सुनेंगे।

उदाहरण

कल वह राजस्थान के बारे में पढ़ेगा।

(ख) आज्ञार्थ भविष्यत् काल

क्रिया के अन्त में इएगा आये तो आज्ञार्थ
भविष्यत् काल होगा।

जैसे - पढ़िएगा।

उदाहरण

इस बात पर विचार करियेगा।

(ग) संभाव्य भविष्यत काल

क्रिया के अन्त में ए, एं, ओ, ऊं आये तथा क्रिया से पूर्व संभावनावाची शब्द शायद, संभवत, लगता है, हो सकता है आ जाये तो संभाव्य भविष्यत काल होगा।

उदाहरण

संभवत कल पिताजी आये। हो सकता है मोहन बाजार जाये।, शायद में गांव जाऊँ।

(*) हेतु-हेतुमद् भविष्यत काल

जब भविष्यत् काल की एक क्रिया का होना भविष्यत् काल की दूसरी क्रिया पर आश्रित हो तो हेतु-हेतुमद् भविष्यत् काल होता है।

उदाहरण

जो परिश्रम करेगा वह सफल होगा।, जैसा कार्य करेंगे वैसा फल मिलेगा।

तथ्य

हेतु-हेतुमद् भविष्यत काल को कुछ हि जानकार मानते है लेकिन मुख्यतः भविष्यत काल के केवल तीन भेद होते हैं।

उदाहरण

1. राम ने पत्र पढ़ लिया होगा - संदिग्ध भूतकाल
2. राम पत्र पढ़ रहा होगा - संदिग्ध वर्तमान
3. राम गांव से शहर आया है - आसन्न भूतकाल

विशेषण

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट करने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

जैसे - वह मोर सुन्दर है।, यह आम मिठा है।

इनमें सुन्दर और मिठा विशेषण है।

उदाहरण

वह मोर सुन्दर नाचा। वाक्य में विशेषण पद है -

(क) वह

(ख) मोर

(ग) सुन्दर

(घ) नाचा

उत्तर - वह

क्योंकि वह शब्द मोर की विशेषता बता रहा है

कि वह मोर सुन्दर नाचा। सुन्दर विशेषण

नहीं हैं क्योंकि यह नाचा क्रिया की विशेषता

बता रहा है न कि संज्ञा या सर्वनाम की।

इसलिए यह क्रिया विशेषण है।

विशेषण के मुख्यत पांच भेद होते हैं।

1. गुणवाचक विशेषण

2. परिमाण वाचक विशेषण

1. निश्चय परिमाण वाचक

2. अनिश्चय परिमाण वाचक

3. संख्यावाचक विशेषण

(क) अनिश्चित संख्यावाचक

(ख) निश्चित संख्यावाचक

1. गणनावाचक

2. क्रम वाचक

3. आवृत्ति वाचक

4. समुह वाचक

4. संकेत वाचक विशेषण

5. व्यक्ति वाचक विशेषण

* विभाव वाचक विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण

संज्ञा या सर्वनाम का गुण, गुणवाचक विशेषण कहलाता है। जैसे-

अच्छा,मीठा,काला,पीला,मोटा,पतला,सुन्दर,बुरा।

वह लड़का अच्छा है।

2. परिमाण वाचक विशेषण

संज्ञा या सर्वनाम का माप तौल।

(क) निश्चित परिमाण - लीटर, मीटर, किलोग्राम, टन, तौला।

जैसे- एक लीटर दुध।

(ख) अनिश्चित परिमाण -थोड़ा, ज्यादा, बहुत, कम, अधिक, सारा।

जैसे- थोड़ी सी चिनी।

3. संख्या वाचक विशेषण

संज्ञा या सर्वनाम की संख्या।

(क) अनिश्चित संख्या - कम,ज्यादा,थोड़ा, बहुत, अधिक, सारे।

कुछ घर कच्चे हैं।

(ख) निश्चित संख्या -

(i) गणना वाचक - एक, दो तीन।

तीन लोग बातें कर रहे थे।

(ii) क्रम वाचक - पहला,दुसरा,तीसरा।

दुसरा लड़का अच्छा है।

(iii) आवृत्ति वाचक - दुगना, तिगुना, इकहरा, दोहरा।

घी दुगना है।

(iv)समुह वाचक - दोनों, पांचों, सातों।

4. संकेत वाचक विशेषण

संज्ञा व सर्वनाम की ओर संकेत करने वाले शब्द संकेत वाचक विशेषण कहलाते हैं।

सर्वनाम शब्दों का प्रयोग जब किसी संज्ञा के लिए या किसी अन्य सर्वनाम के लिए किया जाये तो उन्हें संकेत वाचक विशेषण कहते हैं।

सर्वनाम शब्दों से विशेषण बनने के कारण संकेतवाचक विशेषण को सार्वनामिक विशेषण भी कहा जाता है।

5. व्यक्ति वाचक विशेषण

व्यक्ति वाचक संज्ञा शब्दों को जब प्रत्यय आदि जोड़कर विशेषण के रूप में प्रयुक्त किया जाता है तो उन्हें व्यक्तिवाचक विशेषण कहा जाता है।

व्यक्ति वाचक विशेषण मुख्यतः किसी शहर प्रान्त या देश के नाम से बनते हैं जैसे जयपुरी पगड़ी, जोधपुरी मिर्च, जापानी मशीन।

*. विभाव वाचक

कुछ विद्वान विशेषण का एक ओर भेद बतलाते हैं।

जैसे - प्रत्येक, हर एक।

उदाहरण -प्रत्येक बालक।

प्रविशेषण

विशेषण शब्दों की विशेषता प्रकट करने वाले शब्द प्रविशेषण कहलाते हैं।

जैसे - मैंने बहुत सुन्दर पक्षी देखा।

मैं सुन्दर विशेषण है जो पक्षी की विशेषता प्रकट कर रहा है तथा बहुत प्रविशेषण है जो विशेषण शब्द सुन्दर की विशेषता प्रकट कर रहा है।

उदाहरण

वह गहरी लाल साड़ी पहनती है।

में लाल विशेषण है। तथा गहरी प्रविशेषण है।

रामु बहुत सुन्दर नाचा।

में सुन्दर विशेषण नहीं है क्रियाविशेषण है जो नाचा क्रिया कि विशेषता बता रहा है तथा बहुत प्रविशेषण नहीं है, प्रक्रियाविशेषण है।

विशेषण की अवस्थाएं - तीन

1. मूलावस्था - सुन्दर(सुन्दर)

2. उत्तरावस्था - सुन्दरतर(उससे सुन्दर, यह तुलनात्मक अवस्था है।)

3. उत्तमावस्था - सुन्दरत्तम(सबसे सुन्दर)

उदाहरण

मोहन बहुत ज्यादा काला है वाक्य में कौनसी अवस्था है। -

मूलावस्था

क्योंकि यहां मोहन की तुलना किसी और से नहीं कि गई है और न ही मोहन को सबसे काला बताया गया है।

प्रयोग के अनुसार विशेषण के दो भेद होते हैं।

1. उद्देश्य विशेषण - विशेष्य से पहले वाला विशेषण को उद्देश्य विशेषण कहा जाता है।

2. विधेय विशेषण - विशेष्य से बाद वाले विशेषण को विधेय विशेषण कहा जाता है।

तथ्य

विशेषण(उद्देश्य) - विशेष्य - विशेषण(विधेय)

उदाहरण - वह बालक सुन्दर है।

में वह उद्देश्य है जो बालक कि ओर संकेत कर रहा है अतः यह संकेत वाचक विशेषण है तथा सुन्दर विधेय है जो बालक का गुण बता रहा है।

उदाहरण

उद्देश्य विशेषण का प्रयोग किस विकल्प में है।

(क) गीता सुन्दर नाचती है।

(ख) गीता सुन्दर नाचना चाहती है।

(ग) गीता सुन्दर है।

(घ) गीता सुन्दर पक्षी लाती है।

उत्तर घ

पहले वाक्य में सुन्दर नाचती क्रिया के लिए आया है, दूसरे वाक्य में सुन्दर नाचना क्रिया के लिए आया है। अतः ये दोनों ही विशेषण नहीं है क्रिया विशेषण है। तीसरे वाक्य में सुन्दर विशेष्य गीता से बाद में आया है अतः यह विधेय है। चौथे वाक्य में सुन्दर पक्षी के लिए आया है और विशेष्य पक्षी से पहले आया है अतः यह उद्देश्य है।

अव्यय(अविकारी शब्द)

वे शब्द जिनमें लिंग वचन कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता उन्हें अव्यय या अविकारी शब्द कहते हैं

जैसे - कैसे, कहां, कितना।

उदाहरण

निम्न में से अविकारी शब्द है-

1. कौन 2. कब 2. किसने 4. यह

उत्तर कब

क्योंकि कौन प्र.व.सर्वनाम व एक वचन कर्ता है जिस पर लिंग, कारक व वचन बदलने पर परिवर्तन होता है कब एक अव्यय है जिस पर लिंग, वचन या कारक के बदलने पर कोई

प्रभाव नहीं होगा इसी प्रकार किसने
प्र.व.सर्वनाम एक वचन कर्ता है और यह
अ.प.सर्वनाम एक वचन कर्ता है।
अव्यय के मुख्य रूप से चार भेद होते हैं -

1. क्रिया विशेषण
2. संबंध बोधक
3. समुच्चय बोधक
4. विस्मयादि बोधक

अन्य भेदों में निपात व अव्ययीभाव समास के
उदाहरण हैं।

1. क्रिया विशेषण

क्रिया शब्दों कि विशेषता प्रकट करने वाले
शब्द क्रिया विशेषण कहलाते हैं क्रिया विशेषण
के मुख्यतः चार भेद होते हैं।

1. रीति वाचक क्रि.वि - कैसे
2. स्थान वाचक क्रि.वि. - कहां
3. काल वाचक क्रि.वि. - कब
4. परिमाण वाचक क्रि.वि. - कितना

रीति वाचक क्रि.वि.

क्रिया से पूर्व प्रश्नवाचक अव्यय कैसे का
प्रयोग करने पर जो क्रिया विशेषण उत्तर में
आये उसे रिति वाचक क्रिया विशेषण माना
जाता है।

जैसे - सुन्दर, अच्छा, मीठा, धीरे-धीरे, तेज।
उदाहरण - हमारे सामने शेर अचानक आ गया
यहां कैसे से प्रश्न करने पर शेर हमारे सामने
कैसे आ गया। इसका उत्तर अचानक जो कि
आ गया क्रिया की विशेषता बतलाता है अतः
अचानक अव्यय है।

स्थान वाचक क्रि.वि.

क्रिया से पूर्व प्रश्नवाचक अव्यय कहां का
प्रयोग करने पर उत्तर में जो क्रिया विशेषण
शब्द आए उसे स्थान वाचक क्रिया विशेषण
माना जाता है।

जैसे - यहां, वहां, सामने, ऊपर, निचे, दाएं, बाएं।

उदाहरण - आज मैं वहां जाऊंगा।

यहां कहां से प्रश्न करने पर आज तुम कहां
जाओगे। इसका उत्तर वहां जो कि जाऊंगा
क्रिया की विशेषता बतलाता है अतः वहां
अव्यय है।

काल वाचक क्रि.वि.

क्रिया से पहले प्रश्नवाचक अव्यय कब का
प्रयोग करने पर उत्तर में जो शब्द आये वह
काल वाचक क्रिया विशेषण होता है।

जैसे - कल, परसों, आज, सुबह, शाम, पहले बाद
में।

उदाहरण - मोहन कल हनुमानगढ़ आयेगा।

यहां कब से प्रश्न करने पर मोहन कब
हनुमानगढ़ जायेगा। इसका उत्तर कल जो कि
जायेगा क्रिया की विशेषता है। अतः कल
अव्यय है।

परिमाण वाचक क्रि.वि.

क्रिया से पूर्व प्रश्न वाचक अव्यय कितना का
प्रयोग करने पर जो शब्द उत्तर में आये उसे
परिमाण वाचक क्रिया विशेषण माना जाता है।

जैसे - कम, ज्यादा, अधिक, बहुत, थोड़ा।

उदाहरण - राम ने भोजन थोड़ा खाया है।

यहां कितना से प्रश्न करने पर राम ने कितना
भोजन खाया। इसका उत्तर थोड़ा जो कि

खाया क्रिया कि विशेषता है। अतः थोड़ा अव्यय है।

तथ्य

बहुत से शब्द ऐसे हैं जिनका प्रयोग विशेषण तथा क्रिया विशेषण दोनों के लिए हो जाता है जैसे - कम, ज्यादा, अधिक, बहुत, थोड़ा, आधा पुरा, सुन्दर, अच्छा मिठा।

इन शब्दों का प्रयोग संज्ञा या सर्वनाम के लिए हो तो इन्हें विशेषण माना जायेगा, तथा इनका प्रयोग क्रिया के लिए हो तो इन्हें क्रिया विशेषण माना जायेगा।

उदाहरण

मोर सुन्दर नाचा। मोर सुन्दर है।

पहले वाक्य में सुन्दर क्रिया विशेषण है जो कि नाचा क्रिया कि विशेषता बता रहा है, जबकि दूसरे वाक्य में सुन्दर विशेषण है जो कि मोर कि विशेषता बता रहा है।

जैसे वह आम कम(क्रि.वि.) खाता है। वह कम(वि.) आम खाता है।

जिस प्रकार विशेषण शब्दों की विशेषता प्रविशेषण कहलाती है उसी प्रकार क्रिया विशेषण शब्दों कि विशेषता प्रक्रियाविशेषण कहलाती है।

उदाहरण

उदाहरण मोर बहुत सुन्दर है। मोर बहुत सुन्दर नाचा।

यहां पहले वाक्य में बहुत, सुन्दर विशेषण कि विशेषता बता रहा है। अतः यह प्रविशेषण है। दूसरे वाक्य में बहुत, सुन्दर क्रियाविशेषण कि

विशेषता बता रहा है। अतः यह प्रक्रियाविशेषण है।

2. संबंध बोधक अव्यय

वे अव्यय शब्द जिनका प्रयोग वाक्य में वाक्य में प्रयुक्त क्रिया या अन्य शब्दों के साथ जोड़ने के लिए किया जाता है। उन्हें संबंध बोधक कहते हैं।

बहुत से शब्दों का प्रयोग क्रिया वि. तथा संबंध बोधक दोनों में होता है। जैसे यहां, वहां, ऊपर, निचे, सामने, पहले, दायें, बाएं, बाद, कम, ज्यादा, अधिक बहुत आदि। इन शब्दों से पहले कारक चिन्ह का, के, कि, रा, रे, री, ना, ने, नी, से आ जाये तो इन्हें संबंध बोधक अव्यय माना जायेगा। तथा इनसे पहले ये कारक चिन्ह न आये तो इन्हें क्रि.वि. माना जायेगा।

जैसे - राम बाद में जायेगा।

यहां बाद क्रिया विशेषण है।

राम भोजन के बाद जायेगा।

यहां बाद संबंध बता रहा है।

3. समुच्चय बोधक अव्यय

दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ने या उनमें अलगाव(अलग होना) दिखाने वाले अव्यय समुच्चय बोधक अव्यय कहलाते हैं।

ये मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं -

1. संयोजक

2. विभाजक

1. संयोजक - दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ने वाले अव्यय संयोजक कहलाते हैं।

जैसे - कि, और, एवं, तथा, व, इसलिए।

उदाहरण

निम्न में से भिन्न प्रकृति का समुच्चय बोधक है-

1. कि 2. क्योंकि 3. ताकि 4. परन्तु

उत्तर कि

इनमें 'कि' भिन्न है क्योंकि कि संयोजक है तथा बाकि तीनों विभाजक समुच्चय बोधक हैं।

2. विभाजक - दो शब्दों या दो वाक्यों में अलगाव दिखाने वाले अव्यय विभाजक कहलाते हैं।

जैसे- या, अथवा, अन्यथा, परन्तु, अपितु, जबकि, किन्तु।

4. विस्मयादि बोधक अव्यय

इसमें भाव का बोध होना जरूरी है

जैसे - भय, डर, घृणा, शोक, हर्ष, खेद, कष्ट आदि भावों की अभिव्यक्ति करने वाले शब्द विस्मयादि बोधक अव्यय कहलाते हैं।

उदाहरण

निम्न में से इच्छा वाचक विस्मयादिबोधक अव्यय है-

1. उफ! 2. वाह! 3. हाय! 4. क्या!

उत्तर हाय!

इनमें 'हाय!' इच्छा वाचक है। और इस इच्छा वाचक अव्यय का प्रयोग सामान्यतः

महिलाओं द्वारा ही किया जाता है उदाहरण के लिए 'हाय!' यह पर्स कितना अच्छा है।

यहां पर हाय! से उनकी भावना उस पर्स को पाने कि इच्छा दर्शाती है।

5. निपास

किसी सामान्य कथन को बल देकर प्रस्तुत करने के लिए निपात का प्रयोग किया जाता है।

जैसे - ही, भी तो, तक आदि।

उदाहरण

तुम तो कल जयपुर जाने वाले थे।

यहां पर 'तो' का प्रयोग वाक्य पर बल देने के लिए कहा गया है।

भाषा

भाषा वह साधन है जिसके माध्यम से हम अपने विचारों को व्यक्त करते हैं। भाषा शब्द संस्कृत के भाष् से व्युत्पन्न है। भाष् धातु से अर्थ ध्वनित होता है-प्रकट करना।

तथ्य

ध्वनि भाषा - शरीर की सबसे छोटी इकाई है, ध्वनि भाषा की लघुत्तम और वाक्य भाषा की पूर्ण इकाई है।

व्याकरण- जो विद्या भाषा का विश्लेषण करती है व्याकरण कहलाती है।

वर्ण विचार

1. वर्ण

2. शब्द

3. वाक्य

हिन्दी में 44 वर्ण हैं जिन्हें दो भागों में बांटा जा सकता है- स्वर और व्यंजन

1. स्वर(11)

2. व्यंजन(33)

1. स्वर

ऐसी ध्वनियां जिनका उच्चारण करने में
अन्य किसी ध्वनि की सहायता की
आवश्यकता नहीं होती, उन्हें स्वर कहते हैं।
स्वर ग्यारह होते हैं-

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, ऋ
दो भागों में बांटा गया है

1. ह्रस्व(4)

2. दीर्घ(7)

ह्रस्व स्वर - जिन स्वरों के उच्चारण में
उपेक्षाकृत कम समय लगता है -

जैसे- अ, इ, उ, ऋ

दीर्घ स्वर - जिन स्वरों को बोलने में अधिक
समय लगता है-

जैसे- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ

2. व्यंजन

जो ध्वनियां स्वरों की सहायता से बोली जाती
हैं उन्हें व्यंजन कहते हैं।

व्यंजन 33 होते हैं-

इन्हें 5 वर्गों तथा स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म
व्यंजनों में बांटा जा सकता है।

स्पर्श- 25

क वर्ग - क ख ग घ ङ

च वर्ग - च छ ज झ ञ

ट वर्ग - ट ठ ड ढ ण

त वर्ग - त थ द ध न

प वर्ग - प फ ब भ म

अन्तस्थ- 4

य र ल व

ऊष्म- 4

श् ष् स् ह्

संयुक्ताक्षर - इसके अतिरिक्त हिन्दी में तीन
संयुक्त व्यंजन भी होते हैं-

क्ष - क् + ष्

त्र - त् + र्

ज्ञ - ज् + ज्ञ

हिन्दी वर्ण माला में 11 स्वर और 33 व्यंजन
अर्थात् कुल 44 वर्ण हैं तथा तीन संयुक्ताक्षर
हैं।

वर्णों के उच्चारण स्थान

भाषा को शुद्ध रूप से बोलने और समझने के
लिए वर्णों के उच्चारण स्थानों को जानना
आवश्यक है -

| वर्ण | उच्चारण स्थान | वर्ण ध्वनि का नाम |
|---------------------------|------------------|----------------------|
| 1. अ, आ, क वर्ग | कंठ कोमल तालु | कंठ्य और विसर्ग |
| 2. इ, ई, च वर्ग, य, श | तालु | तालव्य |
| 3. ऋ, ट वर्ग, र, ष | मूर्द्धा | मूर्द्धन्य |
| 4. लृ, त वर्ग, ल, स | दन्त | दन्त्य |
| 5. उ, ऊ, प वर्ग ओष्ठ | | ओष्ठ्य |
| 6. अं, ङ, ज, ण, नृ, म् | नासिका | नासिक्य |
| 7. ए ऐ | कंठ तालु | कंठ - तालव्य |
| 8. ओ, औ | कंठ ओष्ठ | कंठोष्ठ्य |

9. व दन्त ओष्ठ दन्तोष्ठ्य

10. ह स्वर यन्त्र अलिजिहवा

अनुनासिक ध्वनियों के उच्चारण में वर्ण विशेष का उच्चारण स्थान के साथ-साथ नासिका का भी योग रहता है।

अतः अनुनासिक वर्णों का उच्चारण स्थान उस वर्ण का उच्चारण स्थान और नासिका होगा।

कंठ और नासिका दोनों का उपयोग होता है तो उच्चारण स्थान कंठ नासिका होता है

जैसे- अं

उच्चारण की दृष्टि से व्यंजनों का आठ भागों में बांटा जा सकता है।

1. स्पर्शी:

जिन व्यंजनों के उच्चारण में फेफड़ों से छोड़ी जाने वाली हवा वाग्यंत्र के किसी अवयव का स्पर्श करती है और फिर बाहर निकलती है।

निम्नलिखित व्यंजन स्पर्शी हैं:

क ख ग घ ; ट ठ ड ढ

त थ द ध ; प फ ब भ

2. संघर्षी:

जिन व्यंजनों के उच्चारण में दो उच्चारण अवयव इतनी निकटता पर आ जाते हैं कि बीच का मार्ग छोटा हो जाता है तब वायु उनसे घर्षण करती हुई निकलती है। ऐसे संघर्षी व्यंजन हैं-श, ष, स, ह, ख, ज, फ

3. स्पर्श संघर्षी:

जिन व्यंजनों के उच्चारण में स्पर्श का समय अपेक्षाकृत अधिक होता है और उच्चारण के

बाद वाला भाग संघर्षी हो जाता है, वे स्पर्श संघर्षी कहलाते हैं - च, छ, ज, झ।

4. नासिक्य:

जिनके उच्चारण में हवा का प्रमुख अंश नाक से निकलता है इ, ञ, ण, न, म।

5. पाशर््विक:

जिनके उच्चारण में जिहवा का अगला भाग मसूड़े को छूता है और वायु पाश्व आस-पास से निकल जाती है, वे पाशर््विक हैं- जैसे - ल् ।

6. प्रकम्पित:

जिन व्यंजनों के उच्चारण में जिहवा को दो तीन बार कंपन करना पड़ता है, वे प्रकम्पित कहलाते हैं। जैसे-र

7. उत्क्षिप्त:

जिनके उच्चारण में जिहवा की नोक झटके से नीचे गिरती है तो वह उत्क्षिप्त (फेंका हुआ) ध्वनि कहलाती है। इ, ढ उत्क्षिप्त ध्वनियाँ हैं।

8. संघर्ष हीन:

जिन ध्वनियों के उच्चारण में हवा बिना किसी संघर्ष के बाहर निकल जाती है वे संघर्षहीन ध्वनियाँ कहलाती हैं। जैसे-य, व। इनके उच्चारण में स्वरों से मिलता जुलता प्रयत्न करना पड़ता है, इसलिए इन्हें अर्धस्वर भी कहते हैं।

स्थिति और कम्पन्न के आधार पर वर्णों को दो भागों में बांटा जा सकता है

1. घोष

2. अघोष

घोष

घोष का अर्थ है- गूंज

जिन वर्णों का उच्चारण करते समय गूंज होती है उन्हें घोष वर्ण कहते हैं। व्यंजन वर्णों के तीसरे चैथे और पांचवें व्यंजन (ग, घ, ङ, ज, झ, ञ, ड, ढ, ण, द, ध, न, ब, भ, म) तथा य, र, ल, व, ह घोष हैं। इसके अतिरिक्त सभी स्वर भी घोष वर्ण होते हैं।

इनकी संख्या 30 है।

अघोष

इन वर्णों के उच्चारण में प्राणवायु में कम्पन्न नहीं होती उन्हें अघोष वर्ण कहते हैं। व्यंजन वर्णों के पहले और दुसरे व्यंजन (क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ) तथा श्, ष्, स् आदि सभी वर्ण अघोष हैं इनकी संख्या तेरह है।

श्वास वायु के आधार पर वर्णों के दो भेद हैं-

1. अल्पप्राण
2. महाप्राण

अल्पप्राण

जिन व्यंजनों के उच्चारण में सांस की मात्रा कम लगानी पड़ती है, उन्हें अल्पप्राण कहते हैं। वर्णों का पहला, तीसरा, और पांचवां वर्ण (क ग ङ च ज ञ ट ड ण त द न प ब म) तथा य र ल व औ सभी स्वर अल्प प्राण हैं।

महाप्राण

जिन वर्णों के उच्चारण में सांस की मात्रा अधिक लगानी पड़ती है उन्हें महाप्राण व्यंजन कहते हैं। प्रत्येक वर्ण का दुसरा और चैथा वर्ण (ख, घ, छ, झ, ठ, ढ, थ, ध, फ, भ) तथा श, ष, स, ह महाप्राण हैं।

अनुनासिक

अनुनासिक ध्वनियों के उच्चारण में नाक का सहयोग रहता है।

जैसे - अं, आं, ईं, ऊं ।

तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी शब्द

उत्पत्ति (स्त्रोत) के आधार पर शब्द - भेद चार

1. तत्सम - पिता
2. तद्भव - पुत्र
3. देशज - लावारिस
- 4 विदेशी

* संकर शब्द

यदि हम तत्सम को पिता माने तो तद्भव को पुत्र मान सकते हैं क्योंकि तत्सम, तद्भव के गुण रूप आदि एक दुसरे से पिता पुत्र कि तरह मिलते हैं। कुछ अपवाद भी होते हैं। लेकिन स्वभाविक रूप से यह माना जा सकता है कि दोनों में कुछ ना कुछ एक समान होगा।

उदाहरण

निम्न में से तत्सम तद्भव का सही जोड़ा नहीं है।

1. उष्ट्र-ऊट
2. श्रृंगार-सिंगार
3. चक्षु-आंख
4. दधि-दही

उत्तर SHOW ANSWER

यहां आप आसानी से देख सकते हैं कि केवल चक्षु-आंख के जोड़े में कोई समानता नहीं है शेष तीनों जोड़े एक दुसरे से मेल रखते हैं। इसलिए सही उत्तर है चक्षु-आंख यहां चक्षु का तद्भव है- चख और आंख का तत्समक है- अक्षि।

तत्सम शब्द

संस्कृत भाषा के शब्द जिनका हिन्दी भाषा में प्रयोग करने पर रूप परिवर्तित नहीं होता वे तत्सम शब्द कहलाते हैं।

तथ्य

जैसे संस्कृत में बिल्कुल वैसे ही हिन्दी में होंगे।

संधी के प्रचलित नियमों में + से पहले व + के बाद आने वाले शब्द तत्सम कहलाते हैं।

संस्कृत के उपसर्गों से बने शब्द तत्सम होते हैं।

विसर्ग(:) तथा अनुस्वार(ँ) मुख्य रूप से तत्सम शब्दों में पाया जाता है।

जैसे - उष्ट्र, महिष, चक्रवात, वातकि, भुशुण्डी, चन्द्र, शलाका, शकट, हरिद्र।

तद्भव शब्द

संस्कृत भाषा के शब्द जिनका हिन्दी भाषा में प्रयोग करने पर रूप बदल जाता है उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।

जैसे - ऊँट, भैंस, चकवा, बैंगन, बन्दुक, चाँद, सलाई, छकड़ा, हल्दी।

तथ्य

1. संस्कृत वाले शब्दों से बनावट में मिलते-जुलते सरल शब्द तद्भव होते हैं।

2. हिन्दी के उपसर्गों से बने शब्द तद्भव होते हैं।

3. हिन्दी की क्रियाएँ पढ़ना, लिखना, खाना आदि तद्भव होते हैं।

4. अंकों को शब्दों में लिखने पर एक को छोड़ कर सभी तद्भव होते हैं।

5. अर्धअनुस्वार(ँ) अर्थात् चरम बिन्दु मुख्य रूप से तद्भव शब्दों में पाया जाता है।

जैसे - चाँद, हँसना।

अर्द्धतत्सम शब्द

संस्कृत से वर्तमान स्थाई तद्भव रूप तक पहुँचने के मध्य संस्कृत के टुटे फुटे स्वरूप का जो प्रयोग किया जाता था उसे अर्द्ध तत्सम कहा जाता है।

जैसे -अग्नि या अग्नि

यह अग्नि(तत्सम) व आग(तद्भव) के मध्य का स्वरूप है।

देशज शब्द

वे शब्द जिनकी उत्पत्ति के स्रोत अज्ञात होते हैं। उन्हें देशज शब्द कहते हैं।

संस्कृतेतर(संस्कृत से अन्य) भारतीय भाषाओं के शब्द देशज होते हैं।

क्षेत्रीय बोलियों के शब्द तथा मनघड़ंत शब्द भी देशज होते हैं।

ध्वनि आदि के अनुकरण पर रचित क्रियाएँ जिन्हें अनुक्रणात्मक क्रियाएँ भी कहते हैं देशज कहलाती हैं।

जैसे - लड़का, खिड़की, लोटा, ढम-ढम, छपाक-छपाक, भौंकना।

विदेशी शब्द

अरबी, फारसी, अंग्रेजी या अन्य किसी भी दूसरे देश की भाषा के शब्द जिनका हिन्दी भाषा में प्रयोग कर लिया जाता है उन्हें विदेशी शब्द कहते हैं।

जैसे - इरादा, इशारा, हलवाई, दीदार, चश्मा, डॉक्टर, हॉस्पिटल, इलाज, बम।

संकर शब्द

किन्हीं दो भाषाओं के शब्दों को मिलाकर जिन नये शब्दों की रचना हुई है। उन्हें संकर शब्द कहा जाता है।

जैसे - डबलरोटी (अंग्रेजी + हिन्दी), नेकचलन (फारसी + हिन्दी), टिकटघर (अंग्रेजी + हिन्दी)।

तत्सम - तद्भव List

परिवर्त के आधार पर शब्द

दो भेद

1. विकारी
2. अविकारी (अव्यय)

विकारी

वे शब्द जिनमें लिंग वचन कारक आदि के कारण परिवर्तन होता उन्हें विकारी शब्द कहते हैं

इसके चार भेद हैं-

1. संज्ञा
 2. सर्वनाम
 3. विशेषण
 4. क्रिया
- अविकारी

वे शब्द जिनमें लिंग वचन कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता उन्हें अव्यय या अविकारी शब्द कहते हैं इसके भी मुख्य रूप से चार भेद हैं-

1. क्रिया विशेषण
2. संबंध बोधक
3. समुच्चय बोधक
4. विस्मयादि बोधक

अव्यय (अविकारी शब्द)

वे शब्द जिनमें लिंग वचन कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता उन्हें अव्यय या अविकारी शब्द कहते हैं

जैसे - कैसे, कहां, कितना।

उदाहरण

निम्न में से अविकारी शब्द है-

1. कौन
2. कब
2. किसने
4. यह

उत्तर कब

क्योंकि कौन प्र.व.सर्वनाम व एक वचन कर्ता है जिस पर लिंग, कारक व वचन बदलने पर परिवर्तन होता है कब एक अव्यय है जिस पर लिंग, वचन या कारक के बदलने पर कोई प्रभाव नहीं होगा इसी प्रकार किसने प्र.व.सर्वनाम एक वचन कर्ता है और यह अ.प.सर्वनाम एक वचन कर्ता है।

अव्यय के मुख्य रूप से चार भेद होते हैं -

1. क्रिया विशेषण
2. संबंध बोधक
3. समुच्चय बोधक
4. विस्मयादि बोधक

अन्य भेदों में निपात व अव्ययीभाव समास के उदाहरण है।

1. क्रिया विशेषण

क्रिया शब्दों कि विशेषता प्रकट करने वाले शब्द क्रिया विशेषण कहलाते हैं क्रिया विशेषण के मुख्यतः चार भेद होत हैं।

1. रीति वाचक क्रि.वि - कैसे

2. स्थान वाचक क्रि.वि. - कहाँ

3. काल वाचक क्रि.वि. - कब

4. परिमाण वाचक क्रि.वि. - कितना

रीति वाचक क्रि.वि.

क्रिया से पूर्व प्रश्नवाचक अव्यय कैसे का प्रयोग करने पर जो क्रिया विशेषण उत्तर में आये उसे रिति वाचक क्रिया विशेषण माना जाता है।

जैसे - सुन्दर, अच्छा, मीठा, धीरे-धीरे, तेज।

उदाहरण - हमारे सामने शेर अचानक आ गया
यहाँ कैसे से प्रश्न करने पर शेर हमारे सामने कैसे आ गया। इसका उत्तर अचानक जो कि आ गया क्रिया की विशेषता बतलाता है अतः अचानक अव्यय है।

स्थान वाचक क्रि.वि.

क्रिया से पूर्व प्रश्नवाचक अव्यय कहाँ का प्रयोग करने पर उत्तर में जो क्रिया विशेषण शब्द आए उसे स्थान वाचक क्रिया विशेषण माना जाता है।

जैसे - यहाँ, वहाँ, सामने, ऊपर, निचे, दाएं, बाएं।

उदाहरण - आज मैं वहाँ जाऊंगा।

यहाँ कहाँ से प्रश्न करने पर आज तुम कहाँ जाओगे। इसका उत्तर वहाँ जो कि जाऊंगा

क्रिया की विशेषता बतलाता है अतः वहाँ अव्यय है।

काल वाचक क्रि.वि.

क्रिया से पहले प्रश्नवाचक अव्यय कब का प्रयोग करने पर उत्तर में जो शब्द आये वह काल वाचक क्रिया विशेषण होता है।

जैसे - कल, परसों, आज, सुबह, शाम, पहले बाद में।

उदाहरण - मोहन कल हनुमानगढ़ आयेगा।

यहाँ कब से प्रश्न करने पर मोहन कब हनुमानगढ़ जायेगा। इसका उत्तर कल जो कि जायेगा क्रिया कि विशेषता है। अतः कल अव्यय है।

परिमाण वाचक क्रि.वि.

क्रिया से पूर्व प्रश्न वाचक अव्यय कितना का प्रयोग करने पर जो शब्द उत्तर में आये उसे परिमाण वाचक क्रिया विशेषण माना जाता है।

जैसे - कम, ज्यादा, अधिक, बहुत, थोड़ा।

उदाहरण - राम ने भोजन थोड़ा खाया है।

यहाँ कितना से प्रश्न करने पर राम ने कितना भोजन खाया। इसका उत्तर थोड़ा जो कि खाया क्रिया कि विशेषता है। अतः थोड़ा अव्यय है।

तथ्य

बहुत से शब्द ऐसे हैं जिनका प्रयोग विशेषण तथा क्रिया विशेषण दोनों के लिए हो जाता है

जैसे - कम, ज्यादा, अधिक, बहुत, थोड़ा, आधा

पुरा, सुन्दर, अच्छा मिठा।

इन शब्दों का प्रयोग संज्ञा या सर्वनाम के लिए हो तो इन्हें विशेषण माना जायेगा, तथा

इनका प्रयोग क्रिया के लिए हो तो इन्हें क्रिया विशेषण माना जायेगा।

उदाहरण

मोर सुन्दर नाचा। मोर सुन्दर है।

पहले वाक्य में सुन्दर क्रिया विशेषण है जो कि नाचा क्रिया कि विशेषता बता रहा है, जबकि दूसरे वाक्य में सुन्दर विशेषण है जो कि मोर कि विशेषता बता रहा है।

जैसे वह आम कम(क्रि.वि.) खाता है। वह कम(वि.) आम खाता है।

जिस प्रकार विशेषण शब्दों की विशेषता प्रविशेषण कहलाती है उसी प्रकार क्रिया विशेषण शब्दों कि विशेषता प्रक्रियाविशेषण कहलाती है।

उदाहरण

उदाहरण मोर बहुत सुन्दर है। मोर बहुत सुन्दर नाचा।

यहां पहले वाक्य में बहुत, सुन्दर विशेषण कि विशेषत बता रहा है। अतः यह प्रविशेषण है। दूसरे वाक्य में बहुत, सुन्दर क्रियाविशेषण कि विशेषता बता रहा है। अतः यह प्रक्रियाविशेषण है।

2. संबंध बोधक अव्यय

वे अव्यय शब्द जिनका प्रयोग वाक्य में वाक्य में प्रयुक्त क्रिया या अन्य शब्दों के साथ जोड़ने के लिए किया जाता है। उन्हें संबंध बोधक कहते हैं।

बहुत से शब्दों का प्रयोग क्रिया वि. तथा संबंध बोधक दोनों में होता है। जैसे यहां, वहां, ऊपर, निचे, सामने, पहले, दायें, बाएं, बाद, कम,

ज्यादा,अधिक बहुत आदि।इन शब्दों से पहले कारक चिन्ह का,के,कि,रा,रे,री,ना,ने,नी,से आ जाये तो इन्हें संबंध बोधक अव्यय माना जायेगा। तथा इनसे पहले ये कारक चिन्ह न आये तो इन्हें क्रि.वि. माना जायेगा।

जैसे - राम बाद में जायेगा।

यहां बाद क्रिया विशेषण है।

राम भोजन के बाद जायेगा।

यहां बाद संबंध बता रहा है।

3. समुच्चय बोधक अव्यय

दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ने या उनमें अलगाव(अलग होना) दिखाने वाले अव्यय समुच्चय बोधक अव्यय कहलाते हैं।

ये मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं -

1. संयोजक

2. विभाजक

1. संयोजक - दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ने वाले अव्यय संयोजक कहलाते हैं।

जैसे - कि,और,एवं,तथा,व,इसलिए।

उदाहरण

निम्न में से भिन्न प्रकृति का समुच्चय बोधक है-

1. कि 2. क्योंकि 3. ताकि 4. परन्तु

उत्तर कि

इनमें 'कि' भिन्न है क्योंकि कि संयोजक है तथा बाकि तीनों विभाजक समुच्चय बोधक है।

2. विभाजक - दो शब्दों या दो वाक्यों में अलगाव दिखाने वाले अव्यय विभाजक कहलाते हैं।

जैसे- या, अथवा, अन्यथा, परन्तु, अपितु, जबकि, किन्तु।

4. विस्मयादि बोधक अव्यय

इसमें भाव का बोध होना जरूरी है

जैसे - भय, डर, घृणा, शोक, हर्ष, खेद, कष्ट आदि भावों की अभिव्यक्ति करने वाले शब्द विस्मयादि बोधक अव्यय कहलाते हैं।

उदाहरण

निम्न में से इच्छा वाचक विस्मयादिबोधक अव्यय है-

1. उफ! 2. वाह! 3. हाय! 4. क्या!

उत्तर हाय!

इनमें 'हाय!' इच्छा वाचक है। और इस इच्छा वाचक अव्यय का प्रयोग सामान्यतः

महिलाओं द्वारा ही किया जाता है उदाहरण के लिए 'हाय!' यह पर्स कितना अच्छा है।

यहां पर हाय! से उनकी भावना उस पर्स को पाने कि इच्छा दर्शाती है।

5. निपास

किसी सामान्य कथन को बल देकर प्रस्तुत करने के लिए निपात का प्रयोग किया जाता है।

जैसे - ही, भी तो, तक आदि।

उदाहरण

तुम तो कल जयपुर जाने वाले थे।

यहां पर 'तो' का प्रयोग वाक्य पर बल देने के लिए कहा गया है।

लिंग

लिंग शब्द का अर्थ होता है चिह्न या पहचान।

व्याकरण के अन्तर्गत लिंग उसे कहते हैं, जिसके द्वारा किसी शब्द के स्त्री या पुरुष जाति का होने का बोध होता है।

लिंग दो प्रकार के होते हैं -

1. पुल्लिंग

2. स्त्री लिंग

1. पुल्लिंग

जिसके द्वारा किसी शब्द की पुरुष जाति का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं।

जैसे - राम, काला, पहाड़, सोना।

2. स्त्रीलिंग

जिसके द्वारा किसी शब्द की स्त्री जाति का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं।

जैसे - सीमा, अध्यापिका, एकादशी, लता।

लिंग की पहचान

लिंग की पहचान शब्दों के व्यवहार से होती है।

तथ्य

जिन शब्दों के अन्त में आँ, एँ लगा सके वो स्त्री लिंग होगा। शेष सभी पुल्लिंग होंगे।

जिन शब्दों के अन्तिम व्यंजन पर बड़े ऊ व बड़ी ई कि मात्रा हो मुख्यतः स्त्री लिंग होते हैं।

पुल्लिंग

प्राणीवाचक पुल्लिंग

पुरुष, मनुष्य, लड़का, कौवा, उल्लू, खटमल, तोता, बाज, सांप, मेंढ़क, गैण्डा, कछुआ, पशु, बैल, कुत्ता।

अप्राणीवाचक पुल्लिंग

पर्वतों के नाम, महीनों के नाम, दिनों या वारों के नाम, ग्रहों के नाम, देशों के नाम, वृक्षों के

नाम, अनाजों के नाम(अपवाद ज्वार), द्रव पदार्थों के नाम, समय सुचक नाम, देवताओं के नाम, धातुओं के नाम(अपवाद चांदी), समुद्रों के नाम मुख्य रूप से पुल्लिंग में आते हैं। इनके अलावा शरीर के अंगों के नाम भी पुल्लिंग में आते हैं लेकिन कुछ अपवाद स्वरूप(ठुड़ी, कोहनी, जीभ, गर्दन, अंगुली) भी हैं।

जैसे - भारत, सूर्य, सोना, नीम, बाजरा, पीतल, सोमवार, चैत्र, जुन, हिमालय।

स्त्रीलिंग

भाषाओं, बोलियों, लिपियों, तिथियों, नदियों, देवियों, महिलाओं के नाम, लताओं के नाम मुख्य रूप से स्त्रीलिंग में आते हैं।

जैसे - गंगा, देवनागरी, हिन्दी, एकादशी, दुर्गा, सीता, अमर बेल।

वचन

जिसके द्वारा विकारी शब्द की संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।

वचन दो प्रकार के होते हैं।

1. एक वचन

2. बहुवचन

1. एकवचन

पद के जिस रूप से किसी एक संख्या का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं।

जैसे - मेरा, तुम्हारा, नदी, वधू, कमरा।

2. बहुवचन

विकारी पद के जिस रूप से किसी की एक से अधिक संख्या का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं।

जैसे - लड़के, हमारे, कमरे, नदियां, मिठाईयां।

तथ्य

किसी शब्द के अन्तिम व्यंजन पर जो मात्रा हो वही उसका कारान्तर होता है जैसे

रमा - आकारान्त

अग्नि - इकारान्त

पितृ - ऋकारान्त

(कारक-ने, को, से, में पर, ...) परसरग रहीत होने पर आकारान्त(रमा, चाचा, माता) शब्दों को छोड़ कर शेष शब्दों का एकवचन व बहुवचन समान रहेगा।

जैसे - अतिथि, हाथी, साधु, जन्तु, बालक, फूल, शेर, पति, मोती, शत्रु, भालू, आलू, चाक। हिन्दी में निम्न शब्द सदैव एक वचन में ही प्रयुक्त होते हैं-

स्टील, पानी, दूध, सोना, चाँदी, लोहा, आग, तेल, घी, सत्य, झूठ, जनता, आकाश, मिठास, प्रेम, क्रोध, क्षमा, मोह, सामान, ताश, सहायता, वर्षा, जल।

हिन्दी में निम्न शब्द सदैव बहुवचन में ही प्रयुक्त होते हैं-

होश, आँसू, आदरणीय, व्यक्ति हेतु प्रयुक्त शब्द आप, दर्शन, भाग्य, दाम, हस्ताक्षर, प्राण, समाचार, बाल, लोग, होश, हाल-चाल।

समास

परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्दों के मेल को समास कहते हैं।

जैसे - राजपुत्र, जन-गण-मन-अधिनायक।

उदाहरण

राजपुत्र - राजा का पुत्र

जन-गण-मन-अधिनायक - जन-गण-मन के अधिनायक

तथ्य

दो या अधिक पदों के मेल को समास नहीं कहते हैं।

विग्रह

समस्त सामासीक पद को अलग-2 करके उनके मध्य से लुप्त कारक चिन्ह आदि को प्रकट करके लिखना विग्रह कहलाता है।

विग्रह के लिए समस्त सामासीक पद के दो भाग किये जाते हैं।

1. पूर्वपद(पहला/प्रथम)
2. उत्तरपद(द्वितीय/दुसरा)

तथ्य

यदि सामासीक पद दो से अधिक शब्दों के मेल से बना हो तो अन्तिम शब्द उत्तर पद तथा पहले के सभी शब्द पूर्व पद माने जाते हैं। समास के मुख्यतः छः भेद होते हैं।

1. अव्ययी भाव समास(प्रथम पद का अर्थ प्रधान)
2. तत्पुरुष समास(द्वितीय पद का अर्थ प्रधान)
3. द्वन्द्व समास(दोनों पदों का अर्थ प्रधान)

4. बहुब्रीहि समास(अन्य पद का अर्थ प्रधान)

5. द्विगु समास(प्रथम पद संख्या वाचक विशेषण, दोनों पद समुह बोधक)

6. कर्मधारय(दोनों पदों में विशेषण विशेष्य या उपमान उपमेय का संबंध, द्वितीय पद का अर्थ प्रधान होने के साथ)

सामूहिक परिभाषा

जिस समास मेंलघुपरिभाषा..... हो उसेसमास.... कहते हैं।

अव्ययी भाव समास

तिन प्रकार के पद अव्ययी भाव समास में आते हैं।

1. उपसर्गों से बने पद(उपसर्ग विशेषण न हो) मुख्यतः निम्न उपसर्गों से बने पद अव्ययी भाव होंगे।

आ, निर्, प्रति, निस्, भर, खुश, बे, ला, यथा।
जैसे - आजीवन, आमरण, निर्दोष, निर्जन, प्रतिदिन, प्रत्येक, निस्तेज, निष्पाप, भरपेट, भरसक, खुशनसीब, खुशमिजाज, बेघर, बेवजह, लावारिस, लाजवाब, यथाशक्ति, यथासंभव।

उदाहरण

आजीवन(आ+जीवन) - जीवन पर्यन्त

आमरण(आ+मरण) - मृत्यु पर्यन्त

निर्दोष(निर् + दोष) - दोष रहित

प्रतिदिन(प्रति + दिन) - प्रत्येक दिन

बेघर(बे + घर) - बिना घर के

लावारिस(ला + वारिस) - बिना वारिस के

यथाशक्ति(यथा + शक्ति) - शक्ति के अनुसार

2. एक शब्द दो बार आये

जैसे - घर-घर, नगर-नगर, गांव-गांव, बार-बार।

उदाहरण

घर-घर - घर के बाद घर

नगर-नगर - नगर के बाद नगर

3. एक जैसे दो शब्दों के मध्य बिना सन्धि नियम के कोई मात्रा या व्यंजन आये तो अव्ययी भाव समास होगा।

जैसे - हाथों हाथ, दिनोंदिन, रातोंरात, बारम्बार, बागोबाग, ठीकोठीक, भागमभाग, यकायक, एकाएक।

उदाहरण

हाथोंहाथ - हाथ ही हाथ में

दिनोंदिन - दिन ही दिन में

बागोबाग - बाग ही बाग में

तत्पुरुष समास

विग्रह करने पर दोनों पद अपनी जगह रहें तथा दोनों के मध्य कोई कारक चिन्ह आ सके तो तत्पुरुष समास होगा। कर्ता तथा संबोधन कारक के चिन्ह तत्पुरुष समास में नहीं आते।

शेष 6

कारकों(कर्म,कर्ण,सम्प्रदान,अपदान,संबंध,अधिकरण) के आधार पर तत्पुरुष के छः भेद माने जाते हैं।

दोनों पदों के मध्य जिस कारक का चिन्ह आये उस कारक के नाम पर या उसके क्रमांक अंक पर तत्पुरुष का नाम रखा जाता है।

1. कर्म(द्वितीय) तत्पुरुष - कारक चिन्ह 'को' सिद्धिप्राप्त - सिद्धि को प्राप्त

नगरगत - नगर को गत

गिरहकट(गिरह-जेब) - गिरह को काटने वाला

2. कर्ण(तृतीय) तत्पुरुष - कारक चिन्ह: 'से, के द्वारा'

हस्तलिखित - हाथों से लिखित

तुलसी रचित - तुलसी के द्वारा रचित

स्वर्णसिंहासन - स्वर्ण से निर्मित

सिंहासन(सिंहासन सोने का नहीं होता है सोने से निर्मित होता है)

3. सम्प्रदान(चतुर्थी) तत्पुरुष - कारक चिन्ह 'के लिए'

रसोईघर - रसाई के लिए घर

जबखर्च - जेब के लिए खर्च

मार्गव्यय - मार्ग के लिए व्यय

4. अपदान(पंचम) तत्पुरुष - कारक चिन्ह 'से(अलग होने का भाव)'

पथभ्रष्ट - पथ से भ्रष्ट

5. संबंध(षष्ठी) तत्पुरुष - कारक चिन्ह 'का, के, की'

राजपुत्र - राजा का पुत्र

घुड़दौड़ - घोड़ों की दौड़

मृगछौना - मृग का छौना(छौना - बच्चा)

6. अधिकार(सप्तमी) तत्पुरुष - कारक चिन्ह: में पर

आपबीति - आप पर बीति

विश्व प्रसिद्ध - विश्व में प्रसिद्ध

कुछ अन्य उदाहरण

देश निकाला - देश से निकाला(अपदान)

राजमहल - राज के लिए महल(सम्प्रदान)

घुड़सवार - घोड़े पर सवार(अधिकरण)

दही बड़ा - दही में डुबा बड़ा(अधिकरण)

वनवास - वन में वास(अधिकरण)

घुड़सवारी - घोड़े पर सवारी(अधिकरण)

वनगमन - वन को गमन(कर्म)

धर्मभ्रष्ट - धर्म से भ्रष्ट(अपदान)

पदच्युत - पद से हटा हुआ(अपदान)

जलमग्न - जल में मग्न(अधिकरण)

द्वन्द्व समास

विग्रह करने पर दोनों पदों के मध्य और या

शब्द आ सके तो द्वन्द्व समास होगा।

और का प्रयोग सामान्य पदों के मध्य करते हैं

जैसे - दाल-रोटी: दाल और रोटी

या का प्रयोग प्रकृति से विलोम शब्दों के मध्य

करते हैं जैसे - सुरासुर: सुर या असुर(यहां पर

भी दो शब्दों को जोड़ा गया है परन्तु संधि

नियम से)

जैसे - माता-पिता, गाय-भैंस, दाल-रोटी,

पच्चीस, द्वैताद्वैत, धर्माधर्म, धर्माधर्म,

सुरासुर, शीतोष्ण।

उदाहरण

माता-पिता: माता और पिता(माता और पिता दोनों की प्रकृति उनका स्वभाव समान है)

गाय-भैंस: गाय और भैंस

पच्चीस: पांच और बिस

द्वैताद्वैत: द्वैत या अद्वैत(द्वैत व अद्वैत प्रकृति से एक दुसरे से भिन्न हैं)

धर्माधर्म: धर्म या अधर्म

बहुब्रीहि समास

विग्रह करने पर दोनों पदों से किसी अन्य वस्तु व्यक्ति या पदार्थ का बोध हो तो बहुब्रीहि समास होगा।

जैसे - दशानन, षडानन, पंचानन, चतुरानन,

गजानन, गजानन, चतुरानन, गजानन,

वीणापाणि, चक्रपाणि, शूलपाणी, वज्रपाणि,

द्विरद, चन्द्रशेखर, चन्द्रशेखर, चन्द्रचूड़,

चन्द्रमौली।

उदाहरण

दशानन: दस हैं आनन जिसके वह(रावण)

षडानन: छः हैं आनन जिसके वह(कांतिकेय)

चतुरानन: चार हैं आनन जिसके वह(ब्रह्मा)

चन्द्रशेखर: चन्द्र है शिखर पर जिसके(शिव)

तथ्य

यहां पर यह आवश्यक नहीं है कि जिसके दस

सिर हो वह रावण ही हो यहां पर अर्थ किसी

विशेष के लिए है अर्थात् जिसके दस सिर होंगे

वह एक विशेष व्यक्ति ही होगा।

उदाहरण

चन्द्र है शिखर पर जिसके वह विग्रह से बना

समासिक पद है -

1. शिव 2. विष्णु 3. ब्रह्मा 4. चन्द्रशेखर

उत्तर SHOW ANSWER

क्योंकि चन्द्र शिखर पर है जिसके वह से

समासिक पद बनेगा चन्द्रशेखर जिसका अर्थ

हम शिव निकालते हैं क्योंकि शिव इस के

लिए प्रसिद्ध है, लेकिन यह आवश्यक नहीं है

कि वह शिव ही हो।

द्विगु समास

विग्रह करने पर दुसरा पद बहुवचन बन जाये
तथा अन्त में का समुह आ सके तो द्विगु
समास होगा।

जैसे - सप्तर्षि, नवग्रह, नवरत्न, नवरात्र,
अष्टधातु, सप्ताह, सतसई, शताब्दी, पंचवटी,
पंचामृत, पंचपात्र, षड्स, षड्भुक्तु,
चैराहा, दुपट्टा।

उदाहरण

सप्तर्षि - सात ऋषियों का समुह
यहां दुसरा पद बहुवचन हो गया तथा का
समुह का प्रयोग हुआ है।

नवग्रह - नौ ग्रहों का समुह
सतसई - सात सौ का समुह
पंचवटी - पांच वटों का समुह
कर्म धारय

इसके लिए एक वाक्य
कर्म धारय की यह पहचान।
है जो, रूपी, के समान।।

अर्थात् विग्रह करने पर दोनों पद अपनी जगह
रहें तथा दोनों पदों के मध्य है जो, रूपी या के
समान आ सके तो कर्मधारय समास होगा।
जैसे - महापुरुष, नीलकमल, प्रवीर, उत्थान,
सुपुत्र, दुस्साहस, मनमन्दिर, विद्याधन,
नरसिंह, राजर्षि, मुखारविन्द, पिताम्बर,
सिंहपुरुष, खंजननयन, काककृष्ण।

उदाहरण

महापुरुष: महान है जो पुरुष
प्रवीर - श्रेष्ठ है जो वीर
उत्थान - ऊंचा है जो स्थान

मनमन्दिर - मन रूपी मंदिर

पिताम्बर - पिला है जो अंबर

काककृष्ण - काक के समान कृष्ण(कौवे के
समान काला)

उदाहरण

पितांबर सुख रहे है। वाक्य में पितांबर में
समास है-

1. तत्पुरुष 2. बहुब्रीहि 3. द्विगु 4. कर्मधारय
उत्तर कर्मधारय

क्योंकि यहां पितांबर केवल पिले वस्त्रों के
लिए प्रयुक्त किया जा सकता है क्योंकि हम
यहां इसका अर्थ भगवान कृष्ण नहीं ले सकते
अतः यहां पर कर्मधारय होगा।

संधि

निकट स्थित दो वर्णों के मेल से होने वाला
परिवर्तन संधि कहलाता है।

जैसे: वाक् + ईश - वागीश, रमा + ईश - रमेश
संधि के मुख्यतः तीन भेद है।

1. स्वर संधि: स्वर + स्वर
2. व्यंजन संधि: स्वर/व्यंजन +
व्यंजन/स्वर(कम से कम एक तरफ
व्यंजन जरूरी)
3. विसर्ग संधि: विसर्ग से पहले स्वर(ः)
+ स्वर/व्यंजन

उदाहरण

नि + सिद्ध

यहां 'नि' में 'न्' व्यंजन है तथा ' ि' स्वर है।

अतः नि स्वर है क्योंकि नि - न् + इ

इसी प्रकार 'सि' में 'स्' व्यंजन है तथा ' ि'
स्वर है अतः सि - स् + इ

इस प्रकार नि + सि: न् + इ + स् + इ + छः
निषिद्ध

यहां यदि 'स' से पहले 'अ, आ' से भिन्न कोई
स्वर आये तो स का ष हो जाता है।

तथ्य

+ से पहले स्वर सदैव मात्रा के रूप में पाया
जाता है अर्थात् + से पहले व्यंजन में जो मात्रा
लगी हो + से पहले वही स्वर होगा।

+ से पहले व्यंजन तभी माने जब व्यंजन के
निचे हल(्) का चिन्ह लगा हो।

जैसे: क् ख् ग्।

+ के बाद स्वर तभी माने जब स्वर अपने
वास्तविक रूप में हो।

जैसे: अ आ इ ई उ ओ।

+ के बाद यदि मात्रा लगा व्यंजन आये तो
व्यंजन ही माना जायेगा।

जैसे: क , की , कु इनमें व्यंजन क ही माना
जायेगा क्योंकि 'क' : क्+अ ।

स्वर संधि

निकट स्थित दो स्वरों के मेल से होना वाला
परिवर्तन स्वर संधि कहलाता है।

इसके पांच भेद हैं।

1. दीर्घ स्वर संधि
2. गुण स्वर संधि
3. वृद्धि स्वर संधि
4. अयादि स्वर संधि
5. यण् स्वर संधि

तथ्य

किसी भी शब्द का विच्छेद करें + से पहले
तथा + के बाद सार्थक व शुद्ध शब्द होना

अनिवार्य है। अन्यथा विच्छेद गलत होगा।

विच्छेद करने का अभिप्राय सन्धि युक्त पद
में विद्यमान शब्दों को पहचान कर उन्हें शुद्ध
रूप में लिखते हुए उनके मध्य + का निशान
लगाना(अयादि स्वर संधि को छोड़कर) है।

जैसे: महेन्द्र - महा + इन्द्र

यहां दोनों शब्द अर्थ पूर्ण है।

दीर्घ स्वर संधि

मुख्यतः ' ा', ' ी', ' ू', ' ृ' की मात्रा वाला
शब्दों में दीर्घ संधि होती है।

अ/आ + अ/आ - आ/p>

इ/ई + इ/ई - ई

उ/ऊ + उ/ऊ - ऊ

ऋ + ऋ - ऋ

महाशय - मह् अ/आ + अ/आ शय - महा +
आशय

यहां पर आपको ध्यान रखना है कि संधि
विच्छेद से बने दोनों शब्द अर्थ पूर्ण है या नहीं

गिरीश्वर - गिर इ/ई + इ/ई - गिरि + ईश्वर

इसी प्रकार

भानूदय - भानु + उदय

पितृण - पितृ + ऋण

मातृण - मातृ + ऋण

होतृकार - होतृ + ऋकार

रत्नाकर - रत्न + आकर

गीत + अंजलि - गीतांजलि

परम + अर्थ - परमार्थ

रवि + इंद्र -रवींद्र

मुनि + इंद्र - मुनीन्द्र

अभि + ईप्सा - अभीप्सा (इच्छा)

तथ्य

संधि विच्छेद में समस्या इ/ई की मात्रा में आती है कि हम संधि विच्छेद के बाद कोनसी मात्रा लगाये इसके लिए

यदि + के बाद (इ/ई) के बाद श्, श, प्स, क्ष आये तो बड़ी ई आयेगी।

जैसे: परीक्षण - परि + ईक्षण

इसके अलावा इ/ई के बाद कोई भी व्यंजन हो छोटी इ आयेगी।

जैसे: महीन्द्र - मही + इन्द्र

+ से पहले यदि शब्द स्त्री लिंग होतो बड़ी ई आयेगी।

जैसे: नदीव - नदी - इव

+ से पहले यदि पुलिङ्ग हो तो छोटी इ आयेगी।

जैसे: देवीष्ट - देव - इष्ट

यहि नियम उ/ऊ के लिए भी होते हैं।

यदि + के बाद (उ/ऊ) के बाद

ऊर्जा, ऊष्मा, ऊर्मि, ऊध्व, ऊढा, ऊरू, ऊह के अलावा कोई शब्द आये तो छोटा उ आयेगा।

जैसे: भूपरि - भू + उपरि

+ से पहले यदि शब्द स्त्री लिंग होतो बड़ा उ आयेगा।

जैसे: सरयूर्मि - सरयू + ऊर्मि

+ से पहले यदि पुलिङ्ग हो तो छोटा उ आयेगा।

जैसे: अनुदित: अनु + उदित

यहां पर कुछ उदाहरण हैं जिन्हें आप करके देखें ध्यान रहे सबसे पहले इनके टुकड़े करें।

जैसे नगारि - नग् अ/आ + अ/आ रि - नग + अरि

यहां दोनों शब्द अर्थ पूर्ण हैं नग - पहाड़, अरि - शत्रु यानि पहाड़ों का शत्रु इन्द्र

गुण स्वर संधि

मुख्यतः 'े', 'ो', 'अर्' की मात्रा वाले शब्दों में गुण स्वर संधि होती है।

अ/आ + इ/ई - ए

अ/आ + उ/ऊ - ओ

अ/आ + ऋ - अर्

महेश्वर - मह् अ/आ + इ/ई श्वर - महा + ईश्वर

नवोदय - नव् अ/आ + उ/ऊ दय - नव + उदय

सप्तर्षि - सप्त् अ/आ + ऋ षि - सप्त + ऋषि

प्राप्त + उदक (जल) - प्राप्तोदक

पर + उपकार - परोपकार

सूर्य + उदय - सूर्योदय

महा + उदय - महोदय

महा + उत्सव - महोत्सव

देव + ऋषि - देवर्षि

वृद्धि स्वर संधि

मुख्यतः 'ै', 'ौ' की मात्रा वाले शब्दों में गुण स्वर संधि होती है।

अ/आ + ए/ऐ - ऐ

अ/आ + ओ/औ - औ

मतैक्य - मत् अ/आ + ए/ ऐ क्य - मत + ऐक्य

गंगौघ - गंग् अ/आ + ओ/औ घ - गंगा + ओघ

पुत्रैषणा - पुत्र् अ/आ + ए/ऐ षणा - पुत्र +

एषणा

महौदार्य - मह् अ/आ + ओ/औ दार्य - महा + औदार्य

सदा + एव -सदैव

वसुधा + एव - वसुधैव

एक + एक - एकैक

महा + ऐश्वर्य - महैश्वर्य

तथ्य

+ के बाद वाले शब्द के अन्त में इक और य प्रत्यय आ जाये तो ऐ भी बड़ी और औ भी बड़ा अन्यता ए व ओ छोटा आयेगा। केवल एक शब्द औषधि में औ बड़ा आता है।

अयादि स्वर संधि

शब्दों में 'अय्' 'आय्' 'अव्' 'आव्' होगा।

य, व से पहले व्यंजन पर अ, आ की मात्रा होतो अयादि संधि हो सकती है। यदि और कोई विच्छेद नहीं होता हो।

+ के बाद वाले भाग को ज्यों का त्यों लिखना है चाहे शब्द जचे या न जचे।

अय् - े

आय् - ै

अव् - ो

आव् - ौ

तथ्य

अय्, आय्, अव्, आव् के बाद वाले भाग को ज्यों का त्यों लिखें।

+ से पूर्व अय् आय् अव् आव् को समाप्त करके इनकी जगह बनने वाली उपर्युक्त मात्राओं को इनसे पूर्व व्यंजन में लगाकर लिखे दें।

नयन - न् अय्(े) + अन - ने + अन

गायक - ग् + आय्(ै) + अक - गै + अक

पावन - प् + आव्(ौ) + अन - पौ + अन

गवीश - ग् + अव्(ो) + इश - गो + ईश

तथ्य

ष्, श्र, र + से पहले आये तो + के बाद ण का न हो जायेगा।

जैसे रावण - र् + आव् + अण - रौ + अन

यण् स्वर संधि

तीन प्रकार के संधि युक्त पद

1. य से पूर्व आधा व्यंजन हो
2. व से पूर्व आधा व्यंजन हो
3. शब्द में व्र हो

शर्त

य व व्र में स्वर हो उसी स्वर से सार्थक व शुब्द बने उसे + के बाद लिखें(य व व्र को समाप्त कर दें)।

विच्छेद

1. य से पूर्व आधा व्यंजन हो उसमें इ/ई की मात्रा से शुद्ध शब्द बनाकर लिखें।

मत्यनुसार - मति + अनुसार

- 2 व से पूर्व आधा व्यंजन हो उसके उ/ऊ की मात्रा से शुद्ध शब्द बनाकर लिखें।

मध्वाचमन - मधु + आचमन(पिना)

3. शब्द में व्र हो तो उसका तृ बनाकर लिखें तृ से केवल मातृ, पितृ, भातृ, होतृ में से ही कोई शब्द बनेगा।

मात्रनुमति - मातृ + अनुमति

रित्यानुसार - रिति + अनुसार

देव्यालय - देवी + आलय

तन्वंगी - तनु + अंगी

पररूप

प्र + एषक - प्रेषक

प्र + एषित - प्रेषित

प्र + एषण - प्रेषण

गुण संधि के अपवाद

प्र + ऊढ़ - प्रौढ़

अक्ष + ऊहिणी - अक्षौहिणी

स्व + ईरिणी - स्वैरिणी

व्यंजन संधि

| अघोष | | घोष | | | |
|-------|-----------|-------|--------|------|------|
| प्रथम | द्वितीय | तृतीय | चतुर्थ | पंचम | स्वर |
| क | ख | ग | घ | ङ | अ आ |
| च | छ | ज | झ | ञ | इ ई |
| ट | ठ | ड | ढ | ण | उ ऊ |
| त | थ | द | ध | न | ऋ |
| प | फ | ब | भ | म | ए ऐ |
| श ष स | य र ल व ह | | | | ओ औ |

अघोष/घोष + घोष - किसी घोष में बदलेंगे

अघोष/घोष + अघोष - किसी अघोष में बदलेंगे

नियम 1

प्रथम + पंचम को छोड़ कोई घोष वर्ण - प्रथम

अपने तृतीय में बदल जायेगा।

वाक् + दान - वाग्दान

दिक् + अम्बर - दिग्गम्बर

अप् + ज - अब्ज

वाक् + वज्र - वाग्वज्र

तत् + अर्थ - तदर्थ

षट् + आनन - षडानन

अप् + द - अब्द

उत् + अय - उदय

मृत् + अंग - मृदंग

उत् + यान - उद्यान(उद्यान)

तत् + रूप - तद्रूप(तद्रूप)

षट् + अंग - षडंग

चित् + आनन्द - चिदानन्द

वाक् + यंत्र - वाग्यंत्र

नियम 2

प्रथम + पंचम - प्रथम अपने पंचम में बदलेगा।

वाक् + मय - वाङ्मय

सत् + माग - सन्मार्ग

उत् + नापक - उन्नायक

जगत् + नाथ - जगन्नाथ

दिक् + मण्डल - दिग्मण्डल

तत् + मय - तन्मय

उत् + नति - उन्नति

प्राक् + मुख - प्राङ्मुख

षट् + मास - षण्मास

षट् + मूर्ति - षण्मूर्ति

षट् + मुख - षण्मुख

नोट - ऋ, र, ष के बाद न तो न का ण हो जाता

है। कुछ अपवाद हैं।

नियम 3

चतुर्थ + चतुर्थ - पूर्व का चतुर्थ अपने तृतीय में बदलेगा।

दुध् + ध - दुग्ध

लभ् + ध - लब्ध

बुध् + धि - बुद्धि

शुध् + ध - क्षुब्ध

शुध् + ध - शुद्ध

बुध् + ध - बुद्ध

नियम 4

द् + अघोष वर्ण - द् का त् हो जायेगा।

सद् + संग - सत्संग

उद् + कृष्ट - उत्कृष्ट

संसद् + सदस्य - संसत्सदस्य

तद् + काल - तत्काल

उद् + कल - उत्कल

उद् + पात - उत्पात

उद् + सर्ग - उद् + सर्ग

नियम 5

त् + च, छ - त् का च्

उत् + चारण - उच्चारण

सत् + चरित्र - सच्चरित्र

महत् + छत्र - महच्छत्र

उत् + छेद - उच्छेद

शरत् + चन्द्र - शरच्चन्द्र

विधुत् + छटा - विधुच्छटा

नियम 6

त्/द् + ज/झ - त्/द् का ज्

सत् + जन - सज्जन

महत् + झंकार - महज्झंकार

उत् + जैन - उज्जैन

विपद् + जाल - विपज्जाल

उत् + ज्वल - उज्ज्वल

जगत् + जननी - जगज्जननी

नियम 7

त् + ट - त् का ट्

त् + ड - त् का ड्

त् + ल - त् का ल्

तत् + टीका - तट्टीका

उत् + डयन - उड्डयन

तत् + लीन - तल्लीन

भगवत् + लीला - भगवल्लीला

बृहत् + टीका - बृहट्टीका

महत् + डमरू - महड्डमरू

सत् + टीका - सट्टीका

नियम 8

न् + ल - न् का ल् (न् अनुनासीक है तथा ल्

निरानुनासिक है इसलिए नासिकता बचाये

रखने के लिए अर्धअनुस्वार ँ)

महान् + लाभ - महल्लाभ

विद्वान् + विद्वल्लिखित

नियम 9

कोई भी स्वर + छ - बीच में च् आ जाएगा

अनु + छेद - अनुच्छेद

छत्र + छाया - छत्रच्छाया

वि + छेद - विच्छेद

परि + छेद - परिच्छेद

नियम 10

त् + श - त् का च् तथा श का छ बनेगा

सत् + शास्त्र - सच्छास्त्र

उत् + शिष्ट - उच्छिष्ट

तत् + शिव - तच्छिव

उत् + श्वसन - उच्छ्वसन

शरत् + शशि - शरच्छशि

श्रीमत् + शरत् + चन्द्र - श्रीमच्छरच्चन्द्र

नियम 11

त् + ह - त् का द् तथा ह का ध बनेगा

उत् + हरण - उद्धारण

पद् + हति - पद्धति

उत् + हत - उद्धृत

नियम 12

म् + कोई व्यंजन आये तो म् का पूर्व वर्ण पर अनुस्वार

म् + किसी वर्ग का व्यंजन - म् की जगह वर्ग वाले व्यंजन का पंचम वर्ण

सम् + कीर्तन - संकीर्तन/सङ्कीर्तन

सम् + चयन - संचयन

कम् + तक - कंटक/कण्टक

सम् + भावना - संभावना/सम्भावना

नियम 13

अ,आ भिन्न स्वर + स - तो स का ष

नि + संग - निषंग(जिसमें बाण रखे जाते हैं)

सु + सुप्त - सुषुप्त

सु + स्मिता - सुष्मिता

अभि + सेक - अभिषेक

विशे + स - विशेष

अपवाद

वि + स्मरण - विस्मरण

अनु + सार - अनुसार

नियम 14

ष् + त या थ - त का ट तथा थ का ठ

इष् + त - इष्ट

निकृष् + त - निकृष्ट

उपर्युक्त दोनों नियमों के संयुक्त उदाहरण

युधि + स्थिर - युधिष्ठिर

प्रति + स्थित - प्रतिष्ठित

प्रति + स्थान - प्रतिष्ठान

नियम 15

सम् + कृ(करना क्रिया) धातु से बना शब्द -म् का अनुस्वार पूर्व वर्ण पर तथा बीच में स् आ जायेगा

सम् + कृत - संस्कृत

सम् + कार - संस्कार

सम् + करण - संस्करण

सम् + कृति - संस्कृति

सम् + स्मरण - संस्मरण

सम् + स्मृति - संस्मृति

नियम 16

परि + कृ धातु से बना शब्द तो बीच में ष्

परि + कार - परिष्कार

परि + कृत - परिष्कृत

नियम 17

उत् + स्था से बना शब्द - शब्द के स् का लोप हो जाएगा।

उत् + स्थान - उत्थान

उत् + स्थित - उत्थित

उत् + स्थल - उत्थल

नियम 18

ऋ र ष + न - न का ण बनेगा

ऋ + न - ऋण

कृष् + न - कृष्ण

भर + न - भरण

भूष् + अन - भूषण

परि + मान - परिमाण

परि + नाम - परिमाण

दो संधियों के संयुक्त उदाहरण

राम + अयन - रामायण(दिर्घ + व्यंजन)

रौ + अन - रावण(अयादि + व्यंजन)

निः + नय - निर्णय(विसर्ग + व्यंजन)

नियम 19

अहम् + र को छोड़ कोई वर्ण आये - तो न् कार् बनेगा।

अहन् + मुख - अहर्मुख

अहन् + अह - अहरह

अहन् + निशा - अहर्निश

तथ्य

अहन् का अर्थ होता है दिन निशा का अर्थ है रात ये दोनों एक दुसरे के विलोम हैं और यदि दो विलोम शब्द एक साथ आये तो अन्तिम स्वर का लोप होता है।

जैसे - दिवा-रात्रि - दिवारात्र

अहन् + र - न् की जगह ो कि मात्रा

अहन् + रात्रि - अहोरात्र

अहन् + रवि - अहोरवि

उदाहरण

स्वर व व्यंजन दोनों का उपयोग किस विकल्प में हुआ है -

1. सावधि
2. परीक्षा
3. रामायण
4. भूपरि

उत्तर 3

विसर्ग संधि

विसर्ग(:) + से पहले मुख्यतः 'र्', 'ो', 'श्', 'ष्', 'स्' का बनेगा(: + सार्थक शब्द), यदि इनके बाद संधि युक्त पद में इनके बाद सार्थक शब्द हो।

निर्विकल्प - निः + विकल्प

निराशा - निर् + आशा - निः + आशा

दुरूह - दुः + ऊह

मनोज - मनः + ज(जन्मा)

पयोद - पयः + द(देने वाला)

दुःशासन - दुः + शासन

निष्काम - निः + काम

निस्तेज - निः + तेज

तथ्य

(:) विसर्ग + के बाद अघोष वर्ण आये तो विसर्ग का श्, ष्, स् बनेगा या विसर्ग ज्यों का त्यों रहेगा।

विसर्ग के बाद घोष वर्ण हो तो विसर्ग कि जगह 'र्' 'ो' बनेगी या: का लोप होगा।

विसर्ग किसी स्वर युक्त व्यंजन के बाद ही होता है। अतः विसर्ग से पहले व्यंजन में जिस स्वर की मात्रा हो विसर्ग से पहले वह स्वर मानें।

उदाहरण

संधि नियम का गलत प्रयोग कहाँ हुआ है।

मनः + कामना - मनोकामना

निः + का - निष्काम

निः + मम - निर्मम

ज्योतिः + मान - ज्योतिर्माण

उत्तर मनोकामना

मनः + कामना - मनःकामना होता है।

क्योंकि विसर्ग के बाद अघोष वर्ण आया है, और मनोकामना अशुद्ध शब्द है।

नियम 1

विसर्ग से पहले अ आ से भिन्न स्वर + बाद में
काई घोष वर्ण - तो विसर्ग का र् बनेगा।

निः + नय - निर्णय

दुः + अवस्था - दुरवस्था

दुः + गति - दुर्गति

आशीः + वाद - आशीर्वाद

अपवाद

अन्तः/पुनः/अधः + घोष वर्ण - का र्

अन्तः + गत - अन्तर्गत

पुनः + जन्म - पुनर्जन्म

पुनः + गमन - पुनर्गमन

अन्त + आत्मा - अन्तरात्मा

अधः + ओष्ठ - अधरोष्ठ

नियम 2

विसर्ग (:) से पहले अ + घोष व्यंजन या अ -
तो विसर्ग कि जगह ो की मात्रा बनेगी।

तथ्य

जहां विसर्ग की जगह ो कि मात्रा बने वहां
वास्तव में विसर्ग का उ बनता है तथा उ पुर्व अ
से मिलकर ओ कि मात्रा में बदल जाता है।

उदाहरण

निम्न में से विसर्ग का उ किस विकल्प में
बना है-

1. निर्जन
2. दुरूपयोग
3. मनोरथ
4. दुःख

उत्तर मनोरथ

मनः + हर - मनोहर

सरः + वर - सरोवर

पयः + धि - पयोधि

मनः + बल - मनोबल

यशः + गान - यशोगान

तमः + गुण - तमोगुण

यशः + बल - यशोबल

अधः + मुख - अधोमुख

तपः + वन - तपोवन

यशः + धरा - यशोधरा

तथ्य

अः + अ आये तो -(ः) विसर्ग कि जगह ' ो'
तथा अ की जगह 's' अवग्रह चिन्ह या अ का
लोप होता है।

मनः + अवस्था - मनोऽवस्था/मनोवस्था

यशः + अनुकूल - यशोऽनुकूल

तपः + अनुसार - तपोनुसार

नियम 3

अ(ः) + अ को छोड़ कोई भी स्वर आये तो
विसर्ग का लोप हो जाता है।

अतः + एव - अतएव

मनः + उच्छेद - मनउच्छेद

मनः + उर - मनउर

मनः + ओज - मनओज

नियम 4

इ/उ(ः) + र - विसर्ग(ः) का लोप तथा विसर्ग से
पूर्व ह्रस्व स्वर(इ का ई, उ का ऊ) दिर्घ हो जाता
है।

निः + रोग - नीरोग

दुः + राज - दुराज

निः + रन्ध्र - नीरन्ध्र

निः + रस - नीरस

दुः + रम्य - दूरम्य

नियम 5

: + च, छ, श(अघोष, तालव्य वर्ण) -: का श्

: + ट, ठ, ष(मूर्धन्य) -: का ष्

: + त, थ, स(दन्त्य) -: का स्

निः + चल - निश्चल

दुः + शासन - दुश्शासन

धनुः + टंकार - धनुष्टंकार

रामः + षष्ठ - रामषष्ठ

चतुः + टीका - चतुष्टीका

निः + तेज - निस्तेज

मनः + ताप - मनस्ताप

निः + संदेह - निस्संदेह/निःसंदेह

नियम 6

अ/आ (:) + क, ख, प, फ -: का स् याः ज्यों का
त्यो रहेगा।

नमः + कार - नमस्कार

पुरः + कृत - पुरस्कृत

तिरः + कार - तिरस्कार

अधः + पतन - अधःपतन

पयः + पान - पयःपान

तपः + पूत - तपःपूत

रजः + कण - रजःकण

यशः + कामना - यशःकामना

मनः + कामना - मनःकामना

नियम 7

अ/आ से भिन्न + क, ख, प, फ -: का ष् याः

ज्यों का त्यो रहेगा।

निः + काम - निष्काम

दुः + प्रभाव - दुष्प्रभाव

दुः + कर - दुष्कर

आविः + कृत - आविष्कृत

दुः + ख - दुःख

उपसर्ग

वे शब्दांश जो किसी शब्द से पहले जुड़कर
शब्दों का अर्थ बदल देते हैं उन्हें उपसर्ग कहते
हैं।

उदाहरण

'हार' शब्द से पूर्व कौनसा उपसर्ग जोड़ने पर
अर्थ 'द्वारपाल' बन जायेगा ?

1. प्ररि 2. द्वा 3. प्रति 4. दु

उत्तर प्रति

हार में प्रति जोड़ने पर अर्थ देता है- प्रति + हार
जिसका अर्थ है द्वारपाल।

इसी प्रकार

प्र + हार - प्रहार(चोट)

प्रति + हार - सेवक/द्वारपाल

प्रति + हार - उपाय

आ + हार - भोजन

वि + हार - भ्रमण

नि + हार - देखना

हिन्दी में तीन प्रकार के उपसर्ग पाये जाते हैं -

1. संस्कृत के उपसर्ग(तत्सम)(44)

I. संस्कृत के मूल उपसर्ग(22)

II. संस्कृत के मानक उपसर्ग(22)

2. हिन्दी के उपसर्ग(तद्भव)(22)

3. अरबी, फारसी, अंग्रजी के

उपसर्ग(विदेशी)(22)

इनके अलावा प्रत्येक शब्दांश जो एक से अधिक शब्दों से पहले आकर उनका अर्थ बदल देते हैं उपसर्ग कहलाते हैं।

जैसे यथा- यथाशक्ति।

नोट

वे उपसर्ग परीक्षा हेतु महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं। जिनका किसी सन्धि नियम के कारण रूप बदल जाता है।

जैसे

प्रति + अपर्ण - प्रत्यर्पण

दुर् + आ + चार - दुराचार

प्रति + अर्पण - प्रत्यर्पण

1. संस्कृत के उपसर्ग(तत्सम)(44)

संस्कृत के मूल उपसर्ग(22)

उपस

र्ग

अर्थ

उपसर्गयुक्त शब्द

1.

अति

अधिक/परे

अतिशय,

अतिक्रमण,

अतिवृष्टि,

अतिशीघ्र

अत्यन्त,

अत्यधिक,

अत्याचार,

अतीन्द्रिय

अत्युक्ति,

अत्युत्तम,

2.

अधि

प्रधान/श्रेष्ठ

अत्यावश्यक,

अतीव

अधिनियम,

अधिनायक,

अधिकृत,

अधिकरण,

अध्यक्ष,

अध्ययन,

अधीक्षक,

अध्यात्म,

अध्यापक

अनुचर, अनुज,

अनुकरण,

अनुकूल,

,अनुशासन,अनुना

द, अनुभव,

अनुशंसा,

अन्वय,अनुच्छेद,

अनूदित,

अन्वीक्षण,

अन्वेषण

अपयश,

अपशब्द,अपकार,

अपकीर्ति,

अपराध, अपव्यय,

अपशकुन, अपेक्षा,

3.

अनु

पीछे/समान

4.

अप

बुरा/विपरीत

| | | |
|------------------|---|---|
| 5. अभि पास/सामने | अपमान, अपहरण, अपकर्ष अभिवादन, अभिमान, अभिनव , अभिनय, अभिभाषण, अभियोग, , अभ्यर्थी, अभिषेक, अभ्यन्त र, अभीष्ट, अभिभूत, अभिभावक, अभ्युदय, अभीप्सा, अभ्यास अवगुण, अवनति, अवगति, अवशेष, अवतरण अवतार, अवसर, अवधारण, अवज्ञा, अवकाश, अवलोकन आयात, आतप, आजन्म, आहार, आगम, आमोद आशंका, आकर्षण, | आबालवृद्ध, आघात, आरक्षण, आमरण, आगमन, आजीवन, आगार उत्पत्ति, उत्कंठा, उत्पीड़न, उत्कृष्ट, उद्धार, उच्छवास, उदय, उन्नत, उल्लेख, उच्छृंखल, उद्गम, उज्ज्वल, उच्चारण उपभोग, उपवन, उपमन्त्री, उपयोग, उपनाम, उपचार, उपहार, उपसर्ग, उपभोग, उपभेद, उपयुक्त, उपेक्षा, उपाधि, उपाध्यक्ष दुर्दशा, दुराशा, दुराग्रह, दुरभिसंधि, दुर्गुण, दुराचार, दुरवस्था, दुरुपयोग, दुर्घटना, दुर्भावना, दुरुह |
| 6. अव बुरा/हीन | अवगति, अवशेष, अवतरण अवतार, अवसर, अवधारण, अवज्ञा, अवकाश, अवलोकन आयात, आतप, आजन्म, आहार, आगम, आमोद आशंका, आकर्षण, | 8. उत् ऊपर/श्रेष्ठ 9. उप पास/सहायक 10. कठिन/बुरा/विपरी |
| 7. आ तक/से | आतप, आजन्म, आहार, आगम, आमोद आशंका, आकर्षण, | दुर त दुरभिषंधि, दुर्गुण, दुराचार, दुरवस्था, दुरुपयोग, दुर्घटना, दुर्भावना, दुरुह |

| | | | | | |
|------|-----------------|---------------------|-----|-----------------|----------------------|
| | | दुश्चिन्त, | | | प्रयोग, प्रचार, |
| 11. | बुरा/विपरीत/कठि | दुश्शासन, दुष्कर, | | | प्रसार, प्रहार, |
| दुस् | न | दुष्कर्म, दुस्साहस, | | | प्रयत्न, प्रभंजन, |
| | | दुस्साध्य, | | | प्रपौत्र, प्रारम्भ, |
| | | निडर, निगम, | | | प्रोज्ज्वल, प्रेत, |
| | | निवास, निदेशक, | | | प्राचार्य, प्रायोजक, |
| | | निकर, न्यून, | | | प्रार्थी |
| 12. | बिना/विशेष | न्याय, | | | पराजय, पराभव, |
| नि | | न्यास, निषेध, | | | पराक्रम, परामर्श, |
| | | निबन्ध, निवारण, | 16. | विपरीत/पीछे/अधि | परावर्तन, |
| | | निषिद्ध | परा | क | पराविद्या, |
| | | निराकार, निरादर, | | | पराकाष्ठा |
| | | निरहंकार, | | | परिक्रमा, परिवार, |
| | | निराहार, | | | परिपूर्ण, |
| | | निरक्षर, निरामिष, | | | परिमार्जन, |
| 13. | बिना/बाहर | निर्जर, निर्धन, | | | परिहार, |
| निर् | | निर्यात, निर्दोष, | | | परिक्रमण, |
| | | निरवलम्ब, | | | परिभ्रमण, |
| | | नीरोग, नीरस, | 17. | चारों ओर | परिधान, परिहास, |
| | | निरीह, निरीक्षण | परि | | परिश्रम, परिवर्तन, |
| | | निश्चय, निश्छल, | | | परीक्षा, पर्याप्त, |
| | | निष्काम, निष्कर्म, | | | पर्यटन, परिणाम, |
| 14. | बिना/बाहर | निष्पाप, निष्फल, | | | परिमाण, |
| निस् | | निस्तेज, | | | पर्यावरण, |
| | | निस्सन्देह | | | परिच्छेद, पर्यन्त |
| 15. | प्र आगे/अधिक | प्रदान, प्रबल, | 18. | प्रत्येक/विपरीत | प्रतिदिन, प्रत्येक, |

प्रति

प्रतिकूल,

अनुपम

प्रतिहिंसा,

संस्कृत के मानक उपसर्ग(22)

प्रतिरूप,

उपसर्ग

उपसर्गयुक्त शब्द

प्रतिध्वनि,

अन्तर्गत, अन्तरात्मा, अन्तर्धान,

प्रतिनिधि,

1.

अन्तर्

अन्तर्दशा, अन्तर्राष्ट्रीय, अन्तरिक्ष,
अन्तर्देशीय

प्रतीक्षा, प्रत्युत्तर,

पुनर्जन्म, पुनरागमन, पुनरुदय,

प्रत्याशा, प्रतीति

2. पुनर्

पुनर्विवाह पुनर्मूल्यांकन,
पुनर्जागरण

विजय, विहार,

3. प्रादुर

प्रादुर्भाव, प्रादुर्भूत

विख्यात, व्याधि,

4. पूर्व

पूर्वज, पूर्वाग्रह, पूर्वाङ्ग, पूर्वाहन,
पूर्वानुमान

व्यसन, व्यवहार,

प्राक्कथन, प्राक्कलन,

व्यर्थ, व्यायाम,

5. प्राक्

प्रागैतिहासिक, प्राग्देवता, प्राङ्मुख,
प्राक्कर्म

व्यंजन, व्यूह,

6. पुरस्

पुरस्कार, पुरश्चरण, पुरस्कृत

विज्ञान,

7. बहिर्

बहिरागत, बहिर्जात, बहिर्भाव,
बहिरंग, बहिर्गमन

विदेश, विपक्ष

8. बहिस्

बहिष्कार, बहिष्कृत

सुगन्ध, , सुयश,

9.

आत्मकथा, आत्मघात, आत्मबल,
आत्म आत्मचरित, आत्मज्ञान

सुमन, सुलभ,

10. सह

सहपाठी, सहकर्मी, सहोदर, सहयोगी
सहानुभूति, सहचर

सुबोध, सुशील,

11. स्व

स्वतन्त्र, स्वदेश, स्वराज्य, स्वाधीन,
स्वरचित, स्वनिर्मित, स्वार्थ

स्वागत, स्वल्प

सन्तोष,

19.

वि

विशेष

20. सु अच्छा/सरल

21.

सम्

शुद्ध

22.

अन्

नहीं/बुरा

संगठन, संलग्न,

संकल्प, संशय,

संरक्षा, संचार

अनन्त, अनाहूत,

अनुपयोगी,

अनुपयुक्त,

अनागत, अनिष्ट,

12. पुरा पुरातन, पुरातत्त्व, पुरापथ, पुराण,
पुरावशेष

13. स्वयंभू, स्वयंवर, स्वयंसेवक,
स्वयं स्वयंपाणि, स्वयंसिद्ध

14. आविष्कार, आविष्कृत
आविस्

15. आविर्भाव, आविर्भूत
आविर्

16. प्रातः काल, प्रातः वन्दना, प्रातः
प्रातर् स्मरणीय

17. इति इतिश्री, इतिहास, इत्यादि, इतिवृत्त

18. अलंकरण, अलंकृत, अलंकार
अलम्

19. तिरस्कार, तिरस्कृत
तिरस्

20. तत् तल्लीन, तन्मय, तद्धित, तदनन्तर,
तत्काल, तत्सम, तद्भव, तद्रूप

21. अमावस्या, अमात्य
अमा

22. सत् सत्कर्म, सत्कार, सद्गति, सज्जन,
सच्चरित्र, सद्धर्म, सदाचार

2. हिन्दी के उपसर्ग(तद्भव)(22)

उपसर्ग उपसर्गयुक्त शब्द

1. अन (नहीं) अनबन, अनपढ़, अनजान,
अनहोनी, अनमोल, अनचाहा

2. अध(आधा) अधपका, अधमरा, अधजला,

3. उ अधखिला, अधनंगा, अधगला
उचक्का, उजड़ना, उछलना,
उखाड़ना, उतावला

4. उन(एक कम) उनचालीस, उन्नीस, उनतीस,
उनसठ, उन्नासी

5. औ(अब) औगुन, औगढ़, औसर, औघट,
औतार

6. कु(बुरा) कुपुत्र, कुरूप, कुख्यात, कुचक्र,
कुरीति

7. चै(चार) चैराहा, चैमासा, चैपाया, चैरंगा,
चैकन्ना, चैमुखा, चैपाल

8. पच(पाँच) पचरंगा, पचमेल, पचकूटा,
पचमढ़ी

9. पर(दूसरा) परकोटा, परदादा, परलोक,
परकाज, परोपकार

10. भर(पूरा) भरपेट, भरपूर, भरकम,
भरसक, भरमार, भरपाई

11. बिन(बिना) बिनखाया, बिनब्याहा
बिनबोया, बिन माँगा, बिन
बुलाया, बिनजाया

12. ति(तीन) तिरंगा, तिराहा, तिपाई,
तिकोन, तिमाही

13. दु(दो/बुरा) दुपहरी, दुगुना, दुलत्ती,
दुनाली, दुरंगा, दुराहा, दुकाल,

| | | | |
|--|--|--------------------------|---|
| 14. का(बुरा) | दुबला कायर, कापुरुष, काजल | 2. दर (में) | दरअसल, दरबार, दरखास्त, दरहकीकत, दरम्यान |
| 15. स(सहित) | सपूत, सफल, सबल, सगुण, सजीव, सावधान, सकर्मक | 3. बा (सहित) | बाइज्जत, बामुलायजा, बाअदब, बाकायदा |
| 16. चिर(सदैव) | चिरयौवन, चिरपरिचित, चिरकाल, चिरायु, चिरस्थायी, चिरप्रतीक्षित | 4. कम(अल्प) | कमअकल, कमउम्र, कमजोर, कम समझ, कमबख्त |
| 17. न(नहीं) | नकुल, नास्तिक, नग, नपुंसक, नगण्य, नेति | 5. ला (परे/बिना) | लाइलाज, लावारिस, लापरवाह, लापता, लाजवाब |
| 18. बहु(ज्यादा) | बहुमूल्य, बहुवचन, बहुमत, बहुभुज, बहुविवाह, बहुसंख्यक, बहुपयोगी | 6. ना(नहीं) | नापसन्द, नाकाम, नाबालिग, नाजायज, नालायक, नाराज, नादान |
| 19. आप(स्वयं) | आपकाज, आपबीती, आपकही, आपसुनी | 7. हर(प्रत्येक) | हरदम, हरवक्त, हररोज, हरहाल हर मुकाम, हर घड़ी |
| 20. नाना(विविध) | नानाजाति, नानाविकार, नानाप्रकार, नानारूप | 8. खुश (श्रेष्ठ) | खुशनुमा, खुशहाल, खुशबू, खुशखबरी खुशमिजाज |
| 21. क(बुरा) | कलंक, कपूत, कठोर | 9. बद (बुरा) | बदबू, बदचलन, बदमाश, बदमिजाज, बदनाम, बदकिस्मत |
| 22. सम(समान) | समकोण, समकक्ष, समतल, समदर्शी, समकालीन, समचतुर्भुज, समग्र | 10. सर (मुख्य/प्रधान) | सरपंच, सरदार, सरताज, सरकार |
| 3. अरबी, फारसी, अंग्रजी के उपसर्ग(विदेशी)(22) | उपसर्ग उपसर्गयुक्त शब्द | 11. ब (सहित) | बखूबी, बतौर, बशर्त, बदौलत |
| 1. बे (रहित) | बेघर, बेवफा, बेदर्द, बेसमझ, बेवजह, बेहया, बेहिसाब | 12. बिला (बिना) | बिलाकसूर, बिलावजह, बिलाकानून |

13. बेश
(अत्यधिक) बेश कीमती, बेश कीमत
14. नेक। (भला) नेकराह, नेकनाम, नेकदिल,
नेकनीयत
15. ऐन(ठीक) ऐनवक्त, ऐनजगह, ऐन
मौके
16. हम(साथ) हमराज, हमदम, हमवतन,
हमसफर, हमदर्द
17. अल
(निश्चित) अलगरज, अलविदा,
अलबत्ता, अलबेता
18. गैर (रहित
भिन्न) गैर हाजिर, गैरमर्द, गैर
वाजिब
19. हैड (प्रमुख) हैडमास्टर, हैड ऑफिस,
हैडबाँय
20. हाफ (आधा) हाफकमीज, हाफटिकट,
हाफपेन्ट, हाफशर्ट
21. सब (उप) सब रजिस्ट्रार, सबकमेटी,
सब इन्स्पेक्टर
22. को (सहित) को-आपरेटिव, को-
आपरेशन, को-एजुकेशन

दिर्घ संधि में परिवर्ति होने वाले उपसर्ग
वि - वीक्षक, वीक्षण, वीप्सा।
परि - परीक्षक, परीक्षण, परीक्षा।
अधि - अधीक्षक, अधीक्षण, अधीन।
अभि - अभीष्ट, अभिप्सा, अभीप्सित।
अति - अतीव, अतीन्द्रिय

प्रति - प्रतिक्षा
सु - सूक्त, सूक्ति।
अनु - अनूदित।
यण् संधि में उपसर्ग
इ + अन्य स्वर तो इ को धारण करने वाला
स्वर आधा हो जाता है तथा
इ + अ - य
इ + आ - या
इ + उ - यु
इ + ऊ - यू
इ + ए - ये
वि - व्यस्त, व्याप्त, व्यापक, व्यूह।
परि - पर्याप्त, पर्यन्त, पर्यंक।
अधि - अध्यादेश, अध्यक्ष, अध्यूढ़ा,
अध्यापक।
अभि - अभ्यागत, अभ्यन्तर, अभ्युक्त।
अति - अत्यल्प, अत्युत्तम, अत्याचार,
अत्यन्त।
प्रति - प्रत्यक्ष, प्रत्येक, प्रत्यावर्तन।
नि - न्यास, न्यस्त, न्यून, न्याय
उ + अन्य स्वर तो उ को धारण करने वाला
व्यंजन आधा हो जाता है तथा
उ + अ - व
उ + आ - वा
उ + इ - वि
उ + ई - वी
उ + ए - वे
सु - स्वल्प, स्वस्ति, स्वागतम्
अनु - अन्वय, अन्वेषण, अन्विति, अन्वीक्षा,
अन्वीक्षक, अन्वेषी, अन्वित, अन्वेषक।

उदाहरण

इनमें से 'अनु' उपसर्ग किसमें नहीं है।

1. अनुपयोगी 2. अनुकरण 3. अन्वेषण 4.

अनुगमन

उत्तर अनुपयोगी

अन् + उपयोगी

विसर्ग संधि में उपसर्ग

विसर्ग संधि में विच्छेद करने पर र् तथा स् का

विसर्ग(:) ही बनेगा। किन्तु किसी भी शब्दांश

को जिसके अन्त में विसर्ग हो उपसर्ग न माने।

विसर्ग संधि वाले उसर्गों के अन्त में मुख्यतः र्
तथा स् ही होगा।

उदाहरण

दुःख में उपसर्ग है।

1. दु 2. दुर् 3. दुः 4. दुस्

उत्तर दुस्

| अघोष | | घोष | | | |
|-------|-----------|-------|--------|------|------|
| प्रथम | द्वितीय | तृतीय | चतुर्थ | पंचम | स्वर |
| क | ख | ग | घ | ङ | अ आ |
| च | छ | ज | झ | ञ | इ ई |
| ट | ठ | ड | ढ | ण | उ ऊ |
| त | थ | द् | ध् | न् | ऋ |
| प् | फ | ब | भ् | म् | ए ऐ |
| श ष स | य र ल व ह | | | | ओ औ |

निः/दुः + घोष - तो उपसर्ग(निर्, दुर्, बहिर्,
आविर्)

बहिः/आवि + अघोष - तो उपसर्ग(निस्, दुस्,
बहिस्, आविस्)

उपसर्ग जिन पर घोष अघोष नियम लागू नहीं
होते।

उन्तर्, पुनर्, प्रातर्, तिरस्, पुरस्।

प्रत्यय

वे शब्दांश जो किसी शब्द के अन्त में लगकर
उस शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं, उन्हें
प्रत्यय कहते हैं।

जैसे - समाज + इक = सामाजिक, मीठा +
आस = मिठास

तथ्य

प्रत्यय लगने पर शब्द एवं शब्दांश में सन्धि
नहीं होती बल्कि शब्द के अन्तिम वर्ण में
मिलने वाले प्रत्यय के स्वर की मात्रा लग
जायेगी, व्यंजन होने पर वह यथावत रहता है
जैसे - नाटक + कार = नाटककार

हिन्दी में प्रत्यय मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं-

1. कृदन्त प्रत्यय

2. तद्धित प्रत्यय

1. कृदन्त प्रत्यय

वे प्रत्यय जो क्रिया पद के मूल रूप के साथ
लगकर नये शब्द का निर्माण करते हैं कृदन्त
(कृत) प्रत्यय कहलाते हैं। हिन्दी क्रियाओं में
अन्तिम वर्ण 'ना' का लोपकर शेष शब्द के
साथ प्रत्यय का योग किया जाता है।

कृदन्त या कृत प्रत्यय 5 प्रकार के होते हैं-

(i) कर्त्तृवाचक

वे प्रत्यय जो कर्त्तावाचक शब्द बनाते हैं

अक = लेखक, गायक, नाशक, लेखक, घातक,
वाचक, पाठक

अक्कड़ = पियक्कड़, भुलक्कड़, घुमक्कड़

आक = लड़ाक, तैराक, चलाक

आकू = लड़ाकू, पढाकू

ओड़ा = भगोड़ा

आड़ी = खिलाड़ी

आलू = झगड़ालू

इयल = मरियल, अड़ियल

एरा = लुटेरा, बसेरा

ऐया = गवैया,

वाला = पढ़न ेवाला

ता = दाता, ध्याता

हार = राखनहार,

(ii) कर्मवाचक

वे प्रत्यय जो कर्म के अर्थ को प्रकट करते हैं

औना = खिलौना, घिनौना, बिछौना

नी = सूँघनी, औढ़नी

(iii) करणवाचक

वे प्रत्यय जो क्रिया के करण(साधन) को बताते हैं

आ = झूला, ठेला, मेला

ऊ = झाड़ू

न = बेलन, बन्धन, खुरचन

नी = कतरनी, छलनी

(iv) भाववाचक

वे प्रत्यय जो क्रिया से भाववाचक संज्ञा का निर्माण करते हैं।

अ = मार, लूट, तोल, लेख

आ = पूजा

आई = लड़ाई, कटाई, चढ़ाई, सिलाई, बढ़ाई

आन = मिलान, चढ़ान, उठान, उड़ान

आप = मिलाप, विलाप

आव = चढ़ाव, घुमाव, कटाव

आवा = बुलावा

आवट = सजावट, लिखावट, मिलावट

आहट = घबराहट, चिल्लाहट

ई = बोली

औता = समझौता

औती = कटौती, मनौती

ती = बढ़ती, उठती, चलती

त = बचत, खपत, बढ़त

न = फिसलन, ऐंठन

नी = मिलनी

(v) क्रिया बोधक

वे प्रत्यय जो क्रिया का ही बोध कराते हैं

हुआ = चलता हुआ, पढ़ता हुआ, सुनता हुआ,

करता हुआ

2. तद्धित प्रत्यय

वे प्रत्यय जो क्रिया पदों के अतिरिक्त संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि शब्दों के साथ लगकर नये शब्द का निर्माण करते हैं उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं।

जैसे - देव + ई = देवी, अपना+पन =

अपनापन

तद्धित प्रत्यय 6 प्रकार के होते हैं।

(i) कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय

वे प्रत्यय जो किसी संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण शब्द के साथ जुड़कर कर्तावाचक शब्द का निर्माण करते हैं।-

आर = लुहार, सुनार, सुथार, कुम्हार

इया = मुखिया, रसिया

ई = भेदी, तले ी

एरा = घसेरा

(ii) भाववाचक तद्धित प्रत्यय

वे प्रत्यय जो संज्ञा, सर्वनाम या विशष्े ाण
क े साथ जुड़कर भाववाचक संज्ञा बनाते हैं।

आई = बुराई

आपा = बुढ़ापा

आस = खटास, मिठास

आहट = कड़वाहट

इमा = लालिमा

ई = गर्मी

ता = सुन्दरता, मूर्खता, मनुष्यता,

त्व = मनुष्यत्व, पशुत्व

पन = बचपन, लड़कपन, छुटपन

(iii) सम्बन्धवाचक तद्धित प्रत्यय

इन प्रत्ययों के लगे से सम्बन्ध वाचक
शब्दों की रचना होती है।

एरा = चचेरा, ममेरा

इक = शारीरिक

आलु = दयालु, श्रद्धालु

इत = फलित

ईला = रसीला, रंगीला

ईय = भारतीय

ऐला = विषैला

तर = कठिनतर

मान = बुद्धिमान

वत् = पुत्रवत्, मातृवत्

हरा = इकहरा

जा = भतीजा, भानजा

ओई = ननदोई

(iv) अप्रत्यवाचक तद्धित प्रत्यय

ससं कृत के प्रभाव क े कारण संज्ञा के साथ
अप्रत्यवाचक प्रत्यय लगाने से सन्तान का
बोध होता है।

अ = वासुदेव, राघव, मानव

ई = दाशरथि, वाल्मीकि, सौमित्रि

एय = कौन्तेय, गांगेय, भागिनेय

य = दैत्य, आदित्य

ई = जानकी, मैथिली, द्रोपदी, गांधारी

(v) ऊनतावाचक तद्धित प्रत्यय

सज्ञं ा, सर्वनाम या विशेषण क े साथ
प्रयुक्त होकर ये उनके लघुता सूचक शब्दों का
निर्माण करते हैं।

ओला = खटोला, संपोला

इया = खटिया, लुटिया, डिबिया

ई = मण्डली, टोकरी, पहाड़ी, घण्टी

(vi) स्त्रीबोधक तद्धित प्रत्यय

वे प्रत्यय जा े सज्ञं ा, सर्वनाम या विशेषण
के साथ लगकर उनके स्त्रीलिंग का बोध कराते
हैं।

आ = सुता, छात्रा, अनुजा

आइन = ठकुराइन, मुंशियाइन

आनी = देवरानी, सेठानी, नौकरानी

इन = बाघिन, मालिन

नी = शेरनी, मोरनी

उर्दू के प्रत्यय

गर = जादूगर, बाजीगर, कारीगर, सौदागर

ची = अफीमची, तबलची, बाबरची, तोपची

नाक = शर्मनाक, दर्दनाक
 दार = दुकानदार, मालदार, हिस्सेदार, थानेदार
 आबाद = अहमदाबाद, इलाहाबाद, हैदराबाद
 इन्दा = परिन्दा, बाशिन्दा, शर्मिन्दा, चुनिन्दा
 इश = फरमाइश, पैदाइश, रंजिश
 इस्तान = कब्रिस्तान, तुर्किस्तान,
 अफगानिस्तान
 खोर = हरामखोर, घूसखोर, जमाखोर,
 रिश्वतखोर
 गाह = ईदगाह, बंदरगाह, दरगाह, आरामगाह
 गार = मददगार, यादगार, रोजगार, गुनाहगार
 गीर = राहगीर, जहाँगीर
 गी = दीवानगी, ताजगी, सादगी
 गीरी = कुलीगीरी, मुंशीगीरी
 नवीस = नक्शानवीस, अर्जीनवीस
 नामा = अकबरनामा, सुलहनामा, इकरारनामा
 बन्द = हथियारबन्द, नजरबन्द, मोहरबन्द
 बाज = नशेबाज, चालबाज, दगाबाज
 मन्द = अकलमन्द, जरूरतमंद, ऐहसानमंद
 साज = जिल्दसाज, घड़ीसाज, जालसाज

तथ्य

कई बार प्रत्यय लगने पर मूलशब्द के आदि मध्य या अन्त में प्रयुक्त स्वरों में परिवर्तन हो जाता है।

आव = खिंचाव, घुमाव

आस = मिठास

आपा = बुढ़ापा

आर = लुहार

आई = सफाई, मिठाईआई = सफाई, मिठाई

आरी = भिखारी

आवना = लुभावना

इक = सामाजिक, ऐतिहासिक, लौकिक

इ = दाशरथि

य = दिति-दैत्य, सौन्दर्य,

एय = गंगा-गांगेय,

आइन = ठकुराइन, मुंशियाइन

इनी = हथिनी

एरा = चचेरा, लुटेरा

अक्कड़ = भुलक्कड़, पियक्कड़

ऊटा = कलूटा

इया = चुहिया, लुटिया

वाड़ी = फुलवाड़ी

वास = रनिवास

पन = छुटपन, बचपन, लड़कपन

हारा = मनिहारा

एल = नकेल

वाक्य

शब्दों का व्यवस्थित रूप जिससे मनुष्य अपने विचारों का आदान प्रदान करता है उसे वाक्य कहते हैं एक सामान्य वाक्य में क्रमशः कर्ता, कर्म और क्रिया होते हैं। वाक्य के मुख्यतः दो अंग माने गये हैं।

वाक्य के अंग

1. उद्देश्य
2. विधेय

उदाहरण

सायना ने एक सिरिज में तीन मैच जीते।

वाक्य में उद्देश्य है।

1. सायना

2. एक सिरिज

3. तीन मैच

4. जीते

उत्तर सायना

उद्देश्य

साधारण वाक्य में कर्ता तथा कर्ता के बारे में जो कुछ कहा जाये वह उद्देश्य कहलाता है।

मुख्य रूप से उद्देश्य कर्ता को कहा जाता है।

शीना भौतिक विज्ञान पढ़ती है।

विधेय

एक साधारण वाक्य में क्रिया तथा क्रिया से संबंधित पद विधेय कहलाते हैं।

विधेय मुख्य रूप से क्रिया को माना जाता है।

संदिप अंग्रेजी विधालय में भौतिक विज्ञान पढ़ाता है।

वाक्य के प्रकार

वाक्य वर्गीकरण मुख्यतः दो प्रकार से किया जाता है।

1. अर्थ के आधार पर वाक्य - आठ प्रकार

1. विधान वाचक वाक्य

2. निषेधवाचक वाक्य

3. संदेहवाचक वाक्य

4. संकेतवाचक वाक्य

5. इच्छावाचक वाक्य

6. आज्ञावाचक वाक्य

7. प्रश्नवाचक वाक्य

8. विस्मयवाचक वाक्य

2. रचना के आधार पर वाक्य - तीन भेद

1. साधारण/सरल वाक्य

2. मिश्रित वाक्य

3. संयुक्त वाक्य

अर्थ के आधार पर वाक्य

1. विधानवाचक वाक्य

जब वाक्य में क्रिया का सामान्य रूप से होना पाया जाये तो वहां विधान वाचक वाक्य होगा।

जैसे - शीना पढ़ना चाहती है।, सुरेश गांव में रहता है।

2. निषेधवाचक वाक्य

जब वाक्य में क्रिया से पहले निषेध वाचक शब्द आयें तो वहां निषेध वाचक वाक्य होता है।

जैसे - मनोज गांव नहीं जायेगा।

तथ्य

संदेह वाचक, संकेत वाचक, इच्छा वाचक, आज्ञा वाचक, प्रश्नवाचक तथा विस्मयवाचक वाक्यों की क्रियाओं से पहले न, नहीं आने पर भी वह वाक्य निषेध वाचक नहीं होगा।

3. संदेहवाचक वाक्य

जब वाक्य में क्रिया के होने या न होने में संदेह कि स्थित बनी रहे तो उसे संदेह वाचक वाक्य कहते हैं।

तथ्य

संदिग्ध भूतकाल, संभाव्य वर्तमानकाल, संदिग्ध वर्तमानकाल तथा संभाव्य भविष्यतकाल कि क्रियाएं जिन वाक्यों में आयें वे वाक्य संदेह वाचक ही होंगे।

जैसे - उसने पत्र पढ़ा होगा।

लगता है। कोई हमारी बातें सुन रहा रहा है।

संभवतः विक्रम कल आये।

हो सकता है मैं बाजार जाऊं।

4. संकेतवाचक वाक्य

जब वाक्य में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर आश्रित हो तो उसे संकेत वाचक वाक्य कहते हैं।

जैसे - जो परिश्रम करेगा वह सफल होगा।

5. इच्छावाचक वाक्य

जब वाक्य में कहने वाले कि इच्छा या कामना का बोध हो तो उसे इच्छा वाचक वाक्य कहते हैं।

जैसे - भगवान तुम्हारा भला करे।

नोट - इच्छा या कामना किसी अन्य से अपने लिए या किसी अन्य के लिए होती है। और यह आवश्यक नहीं कि इच्छा या कामना हमेशा अच्छी ही हो। बुरी इच्छा या कामना भी इच्छा वाचक ही होती है।

6. आज्ञावाचक वाक्य

जब वाक्य में आदेश या अनुमति दिये जाने का बोध हो तो वहां आज्ञा वाचक वाक्य होता है।

जैसे - तुम अब घर जा सकते हो।

7. प्रश्नवाचक वाक्य

जब वाक्यों से प्रश्न किये जाने का बोध हो तो वहां प्रश्नवाचक वाक्य होगा।

जैसे - तुम कहां रहते हो ?

8. विस्मयवाचक वाक्य

जब वाक्य में भय, घृणा, हर्ष, शोक, दुख, खेद, कष्ट, आश्चर्य आदि भावों की अभिव्यक्ति करने वाले शब्द आयें तो वहां विस्मय वाचक वाक्य होगा।

जैसे - उफ! कितनी गर्मी है।

अरे! तुम पास हो गये।

उदाहरण

निम्न में से संकेत वाचक वाक्य है-

1. पिता ने पुत्र की ओर इशारा किया।
2. विक्रम गांव जाना चाहता है।
3. रामू ने गांव की ओर इशारा किया।
4. इनमें से कोई नहीं

उत्तर 4

ये सभी वाक्य विधान वाचक हैं क्योंकि इनमें क्रिया सामान्य रूप से हो रही है।

रचना के आधार पर वाक्य

1. साधारण वाक्य

जब वाक्य में एक कर्ता तथा एक ही क्रिया शब्द हो तो उसे सरल वाक्य कहते हैं। दूसरे शब्दों में साधारण वाक्य में एक उद्देश्य तथा एक ही विधेय होता है।

जैसे - रमेश हिन्दी पढ़ता है।

नोट - कभी-2 साधारण वाक्य में उद्देश्य तथा विधेय दोनों का विस्तार इतना अधिक होता है कि साधारण वाक्य को साधारण मानने में भ्रांति उत्पन्न होती है।

जैसे - ओमप्रकारश के छोटे बेटे विक्रम सिहाग पिछले दस वर्षों से हनुमानगढ़ के नोहर तहसील के राजस्थानज्ञान में भूगोल करवा रहे हैं।

2. मिश्रित वाक्य

आश्रित उपवाक्यों से मिलकर बना वाक्य मिश्रित वाक्य कहलाता है। दूसरे शब्दों में जब एक मुख्य वाक्य के साथ एक या अधिक

आश्रित उपवाक्य जुड़े हो तो उसे मिश्रित वाक्य कहते हैं।

मिश्रित वाक्य की पहचान हेतु आश्रित उपवाक्य का बोध होना अनिवार्य है।

आश्रित उपवाक्य

जिनका स्वतंत्र अस्तित्व नहीं होता जो किसी अन्य वाक्य पर आश्रित रहते हैं उन्हें आश्रित उपवाक्य कहते हैं। इनके तीन भेद हैं -

1. संज्ञा उपवाक्य - कि
2. विशेषण उपवाक्य - जो(जैसा), जो के शब्दरूप
3. क्रिया विशेषण उपवाक्य - जब, जहां, यद्यपि क्योंकि, यदि, जितना, तब, वहां, उधर, तथापि, इसलिए, ता, उतना।
जैसे - रीना पढ़ रही थी कि जमीन हिलने लगी।

जब जागो तब सवेरा।

जहां रहता हूं वहां घर बन जाता है।

3. संयुक्त वाक्य

जब दो सरल वाक्य या दो मिश्रित वाक्य समुच्चय बोधक अव्ययों से जुड़े हो तो उन्हें संयुक्त वाक्य कहते हैं।

जैसे - राम पढ़ रहा है और सीता वनवास में है।
मैं रेलवे स्टेशन गया किन्तु रेलगाड़ी जा चुकी थी।

समुच्चय बोधक - और, अथवा या किन्तु, परन्तु लेकिन।

वाच्य के आधार पर वाक्य - 3 प्रकार के होते हैं।

1. कर्तृ वाच्य वाक्य

2. कर्म वाच्य वाक्य

3. भाव वाच्य वाक्य

कर्ता - क्रिया को करने वाला(कौन/किसने की जगह उत्तर)

कर्म - जो क्रिया से पूर्व (प्रश्नवाचक किसको/क्या की जगह आये)

किसको की जगह आने वाला गौण कर्म।

1. कर्तृ वाच्य वाक्य

जब वाक्य में प्रयुक्त कर्ता के लिंग वचन को बदलने पर क्रिया के लिंग वचन बदल जायें तो वहां कर्तृ वाच्य वाक्य होगा।

कर्ता - क्रिया

परिवर्तन - क्रिया

जैसे - रमेश आलु खाता है।

2. कर्म वाच्य वाक्य

जब वाक्य में प्रयुक्त कर्म कारक के लिंग वचन बदलने पर क्रिया के लिंग वचन बदल जाये तो वहां कर्म वाच्य वाक्य होता है।

जैसे - मनोज ने उपन्यास पढ़ा।

नोट - कर्म वाक्य में कर्ता के बाद से तथा के द्वारा भी आ जाता है।

राम के द्वारा गणित पढ़ाया गया।

3. भाव वाच्य वाक्य

जब वाक्य में प्रयुक्त कर्ता के लिंग वचन बदलने पर क्रिया के लिंग वचन न बदले तथा क्रिया अकर्मक हो तो वहां भाव वाच्य वाक्य होता है।

जैसे - राम के द्वारा हंसा गया।

कर्ता के अनुसार क्रिया बदले - कर्तृ वाच्य

कर्ता के अनुसार क्रिया न बदले (क्या की जगह उत्तर हो) - कर्म वाच्य

कर्ता के अनुसार क्रिया न बदले और क्या की जगह उत्तर न हो - भाव

नोट - ऐसा वाक्य जिसमें कर्ता न दिया हो अर्थात् क्रिया करने वाले का उल्लेख न हो तो वहां अपनी कल्पना से कर्ता बनाकर क्रिया से पहले क्या लगाये।

जैसे - पत्र पढ़ा गया - राम के द्वारा पत्र पढ़ा गया।

किसको या क्या में से एक का भी उत्तर मिले तो क्रिया - सकर्मक

पदबन्ध

जब वाक्य में कुछ शब्द मिलकर वही काम करें जो एक अकेला शब्द करता है तो वह शब्दों का समूह पदबन्ध कहलाता है।

पदबंध के मुख्यतः 5 भेद हैं-

1. संज्ञा पदबंध
2. सर्वनाम पदबंध
3. विशेषण पदबंध
4. क्रिया पदबंध
5. क्रिया विशेषण पदबंध

संज्ञा पदबंध

संज्ञा व संज्ञा के लिए प्रयुक्त शब्द संज्ञा पदबंध कहलाते हैं।

जैसे - गहरा काला कुत्ता भौंक रहा था।

सर्वनाम पदबंध

सर्वनाम व सर्वनाम के लिए प्रयुक्त विशेषण आदि पद सर्वनाम पदबन्ध कहलाते हैं।

जैसे - वह बहुत मोटा है।

विशेषण पदबंध

संज्ञा पदबंध व सर्वनाम पदबंध में से संज्ञा व सर्वनाम शब्दों को हटा दे तो बचा हुआ भाग विशेषण पदबंध कहलाता है।

विशेषण व प्रविशेषण मिलकर विशेषण पदबन्ध बनता है।

जैसे - मैंने बहुत सुन्दर हिरण देखा।

क्रिया पदबन्ध

क्रिया तथा क्रिया विशेषण मिलकर क्रिया पदबन्ध कहलाते हैं

जैसे - वह बहुत सुन्दर नाची।

क्रिया विशेषण पदबन्ध

क्रिया विशेषण के साथ प्रक्रिया विशेषण जुड़ा हो तो उसे क्रिया विशेषण पदबन्ध कहते हैं।

जैसे - वह बहुत सुन्दर नाची

क्रिया पदबन्ध में से क्रिया को हटाने पर क्रिया विशेषण पदबन्ध बनेगा।

सार

1. विशेषण + संज्ञा - संज्ञा पदबंध
2. विशेषण + सर्वनाम - सर्वनाम पदबंध
3. प्र विशेषण + विशेषण - विशेषण पदबंध
4. क्रिया विशेषण + क्रिया - क्रिया पदबंध
5. प्रक्रिया विशेषण + क्रिया विशेषण - क्रिया विशेषण पदबन्ध

QUIZ QUESTION

1. निम्नलिखित में से किससे हिन्दी की मूल उत्पत्ति हुई है?
लौकिक संस्कृत
वैदिक संस्कृत
मागधी
शौरसेनी अपभ्रंश ☐
2. निम्न शब्दों में से सही वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए?
पुँजीवाद
पूँजीवाद ☐
पुंजिवाद
पूंजिवाद
3. 'रोग पीड़ित' में प्रयुक्त हुए समास को बताइए?
कर्मधारय समास
द्वन्द्व समास
बहुव्रीहि समास
तत्पुरुष समास ☐
4. निम्नलिखित में से किसे 'रसराज' कहा जाता है?
शृंगार रस ☐
वीर रस
शांत रस
बीभत्स रस
5. हरिवंशराय बच्चन ने प्रथम बार जीवन और मानवीयता के प्रति अपने प्रौढ़ भावों की वाणी किस कृति में दी थी?
प्रणय पत्रिका ☐
आरती और अंगारे
मधुशाला
धार के इधर-उधर
6. 'नौ-दो ग्यारह होना' का सही अर्थ बताइए?
सबसे आँख बचाकर भाग जाना
नौ में जो जोड़ होना
फ़रार हो जाना ☐
धोखा देना
7. निम्नलिखित प्रत्येक चार विकल्पों में से बेमेल (असंगत) शब्द को छाँटिए?
शारीरिक
दैहिक
मानसिक
आधि ☐
8. 'सामंजस्य' का सही विलोम क्या होगा?
विवाद ☐
कलह
सन्ताप
द्वेष
9. 'जिसको प्रसन्न करना कठिन हो', इस वाक्य के लिए उचित शब्द को चुनिए?

आशुतोष

दम्भी

दुराराध्य□

क्रोधी

10. 'मैंने कहा कुछ और, उसने सुना कुछ और',
यह किस प्रकार का वाक्य है?

सरल वाक्य

संयुक्त वाक्य

मिश्र वाक्य□

इनमें से कोई नहीं

11. भारत की प्रथम देशभाषा निम्न में से कौन-
सी है?

पालि□

संस्कृत

प्राकृत

उपरोक्त में से कोई नहीं

12. निम्न शब्दों में से सही वर्तनी वाले शब्द का
चयन कीजिए?

अंतर्निहित

अंतर्निर्हित

अन्तर्निहीत□

अन्तरनिहित

13. 'प्रतिमान' शब्द में प्रयुक्त हुए समास के
प्रकार को बताइए?

कर्मधारय समास

अव्ययीभाव समास□

बहुव्रीहि समास

तत्पुरुष समास

14. "जो जग हित पर प्राण निछावर है कर पाता।
जिसका तन है किसी लोक हित में लग जाता॥"

उपरोक्त पद्यांश को समझ कर सही छन्द का
चयन कीजिए?

दोहा

रोला□

बरवै

हरिगीतिका

15. कोकिल विद्यापति की 'पदावली' कौन-सी
भाषा में रचित है?

मैथिली□

अवधी

ब्रजभाषा

बघेली

16. 'आए थे हरि भजन को ओटन लगे कपास'
का सही अर्थ स्पष्ट कीजिए?

ईश्वर की पूजा करना

प्रमुख कार्य के उद्देश्य को छोड़कर अन्य में लग
जाना□

कपास ओटना (चुनना)

व्यर्थ में समय गंवाना

17. निम्नलिखित प्रत्येक चार विकल्पों में से
बेमेल (असंगत) शब्द को छाँटिए?

घर□

प्रियजन

परिवार

बच्चे

18. 'ओजस्वी' का विलोम शब्द क्या होगा?

निराभिमानी

निडर

यशस्वी

निस्तेज□

19. 'पाप करने के बाद स्वयं दण्ड पाना', इस वाक्य के लिए उचित शब्द को चुनिए?

प्रायश्चित ☐

पश्चाताप

प्रताड़ना

इनमें से कोई नहीं

20. 'व्यवहार में वह बिल्कुल वैसा ही है जैसे उसके पिताजी', यह किस प्रकार का वाक्य है?

सरल वाक्य

संयुक्त वाक्य

मिश्र वाक्य ☐

इनमें से कोई नहीं

21. "डेल सो बनाय आय मेलत सभा के बीच, लोगन कवित्त कीबो खेल करि जानो है।" यह पंक्ति किसके द्वारा रचित है?

घनानन्द

ठाकुर ☐

देव

आलम

22. 'पीताम्बर' में प्रयुक्त समास का नाम बताइए?

तत्पुरुष

अव्ययीभाव

बहुव्रीहि ☐

द्विगु

23. निम्न में से कौन-सा सम्बन्ध कारक चिह्न है?

में, पर

के लिए

रा, री, रे ☐

से

4. "देह जैसा तीर्थ न मैंने सुना, न देखा।" यह कथन किसका है?

कबीर

सरहपा ☐

गोरखनाथ

जायसी

5. पाली को 'पाटिल' से उत्पन्न मानने वाले विद्वान का नाम क्या है?

सुकरात

प्लेटो

मैक्समूलर ☐

मिश्र बन्धु

6. 'करुण' का विलोम शब्द क्या होगा?

कठोर

निर्दय

निष्ठुर ☐

कोमल

7. भक्ति काल के किस कवि ने नायिका भेद की रचना की है?

तुलसीदास

सूरदास ☐

गंग

मीराबाई

8. 'य', 'र', 'ल', 'व' किस वर्ग के व्यंजन हैं?

तालव्य

ऊष्म

अन्तःस्थ ☐

ओष्ठ्य

9. निम्नलिखित में से कौन-सी कबीर की उक्ति नहीं है?

हरि जननी में बालक तेरा
कहो भइया अंबर कासौ लागा
न जाने तेरा साहब कैसा है
अब तो अजपा जपु मन मेरे□

10. "अहसान को न मानने वाला", इसके लिए
सही शब्द का चयन कीजिए?

कृतज्ञ
कृतघ्न□
विश्वासघाती
परोपजीवी

11. 'जहाँगीरजस चन्द्रिका' के रचनाकार कौन
थे?

तुकाराम
मतिराम
केशवदास□
चिंतामणि

12. 'चौराह' में प्रयुक्त हुए समास का नाम
बताइए?

तत्पुरुष
अव्ययीभाव
बहुव्रीहि
द्विगु□

13. निम्न में से तालव्य व्यंजन हैं-

च छ ज झ□
ट ठ ड ढ
त थ द ध
प फ ब भ

14. भक्तिकालीन हिन्दी काव्य की सर्वाधिक
प्रमुख भाषा कौन-सी थी?

पंजाबी
अवधी

ब्रज□
राजस्थानी

15. अपभ्रंश के समय बोलचाल की भाषा कौन-सी
थी?

देशभाषा□
संस्कृत
पाली
प्राकृत

16. 'ज्ञानोदय' में प्रयुक्त सन्धि का नाम
बताइए?

स्वर सन्धि□
व्यंजन सन्धि
विसर्ग सन्धि
यण सन्धि

17. किस कवि ने प्रकृति पर स्वतंत्र रूप से
रचानाएँ की थीं?

मतिराम
पद्माकर
देव
सेनापति□

18. "तन को कपड़ा न ---- को रोटी।" इस वाक्य
में रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त शब्द को
चुनिए?

खाने□
पेट
भूख
मन

19. रोला छन्द के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ
होती हैं?

14
21

34

24□

20. "राम रमापति कर धनु लेहू", इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

वक्रोक्ति

यमक

श्लेष

अनुप्रास□

1)

कौन सी ध्वनि क्लिक ध्वनि नहीं है?

कंठ □

तालु

मूर्धा

दंत

2)

*वे*तुम्हारे मित्र है मे रेखांकित पद है

निश्चयवाचक सर्वनाम□ पुरुषवाचक सर्वनाम

निजवाचक सर्वनाम

अनिश्चयवाचक सर्वनाम

3)

विलोम शब्दों की दृष्टि से कौन सा जोड़ा और

अशुद्ध है?

संत -असंत

सुगम अागम □

सौभाग्य दुर्भाग्य

उत्कर्ष अपकर्ष

4)

लड़के खंभे *टेढे* गाढ रहे हैं रेखांकित पद है

अव्यय □

विशेषण

संज्ञा

सर्वनाम

5)

वाक्य निर्माण के कितने तत्व हैं

6□

3

2

4

6)

मैंने उसे देखते ही दरवाजा बंद कर लिया वाक्य का भेद है

सरल □

संयुक्त

मिश्र

संसृष्ट

7)

हँसना से विशेषण का शुद्ध रूप कौन सा बनेगा

हसोडा

हसमुख

हंसोड़ □

हँसोड़िया

8)

शुद्ध शब्द का चयन कीजिए

पुनरावलोकन

अंतर्ध्यान

नीहारिका □

अधिशायी

9)

वह *ट्रक भर* आम लाया रेखांकित पद में

विशेषण का भेद है

निश्चित संख्या

निश्चित संख्या

निश्चित परिमाण □

अनिश्चित परिमाण

10)

निर्जन शब्द में समास है

तत्पुरुष

बहुव्रीहि □

कर्मधारय

द्वंद

11)

तिगुना में समास है

तत्पुरुष □

द्वंद

द्विगु

अव्ययी

12)

दंतोष्ठ शब्द में संधि है

गुण

वृद्धि □

दीर्घ

यण

13)

लक्ष्म्यृण शब्द में संधि है

गुण

वृद्धि

दीर्घ

यण □

14)

सुखार्त शब्द का संधि विच्छेद होगा

सुख+अर्त

सुख+आर्त

सुखा+अर्त

सुख+ऋत □

15)

बेटा का स्त्रीलिंग रूप होगा

बहन

बेटी

बहू

2 व 3 दोनो □

1. "मुनि पद कमल बंदि दोउ भाता।" *चले लोक

लोचन सुख दाता॥ *

*बालक वृन्द देखि अति सोभा। चले संग लोचन

मनु लोभा॥" *

*उपरोक्त पंक्तियों में कौन-सा छन्द है? *

दोहा

चौपाई □

सोरठा

बरवै

*2. 'मतैक्य' में कौन-सी सन्धि है? *

दीर्घ

यण

गुण

वृद्धि □

*3. "आम के आम गुठलियों के दाम", इस

लोकोक्ति का सही अर्थ क्या है? *

मनमानी करना

नकली वस्तु देना

दोहरा लाभ होना □

बहुत चतुर व्यापारी बनना

*4. निम्न में से "बीता हुआ" के लिए सही शब्द

को चुनिए? *

भूतकाल

आगत

विगत □

इनमें से कोई नहीं

*5. निम्नलिखित विकल्पों में से तद्भव शब्द का

चयन कीजिए? *

नक्रद□

कन्या

चीत्कार

माता

6. निम्न में से कौन-सा शब्द देशी शब्द नहीं है?

डगमग

रोटी

झिलमिल

इनमें से कोई नहीं□

7. "चन्दन विष व्यापत नहीं, लिपटे रहत भुजंग।" इस पंक्ति के रचयिता कौन थे?

सूरदास

कबीरदास

बिहारी

रहीम□

8. 'गृहप्रवेश' में कौन-सा समास है?

तत्पुरुष समास□

द्वन्द्व समास

अव्ययीभाव

कर्मधारय समास

9. 'तितली' नामक रचना के रचयिता कौन थे?

जयशंकर प्रसाद□

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

श्यामसुन्दर दास

महावीर प्रसाद द्विवेदी

10. 'मानस का हंस' के लेखक कौन थे?

रामनरेश त्रिपाठी

प्रेमचंद

बनारसीदास चतुर्वेदी

अमृतलाल नागर□

11. "सुन सिय सत्य असीस हमारी।

पूजहि मन कामना तुम्हारी॥"

उपरोक्त पंक्तियों में कौन-सा छन्द है?

बरवै

सोरठा

दोहा

चौपाई□

12. 'पावक' का सही सन्धि विच्छेद क्या होगा?

प + आवक

पा + अक

पो + अक

पौ + अक□

13. "राम नाम जपना, पराया माल अपना" का सही अर्थ बताइए?

दान करना

सर्वज्ञ होना

धोखे से धन कमाना□

दूसरों से सहानुभूति रखना

14. "ऐसा पुष्प जो अभी विकसित नहीं हुआ हो", इस वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द का चयन कीजिए?

कोश

बौर

मुकुल□

मंजरी

15. निम्नलिखित विकल्पों में से तद्भव शब्द का चयन कीजिए?

अमृत

सज्जन

धनुष

धुआँ

16. निम्न में से कौन-सा यौगिक शब्द है?

पंकज

पाठशाला

गणेश

जलज

17. "कवित विवेक एक नहिं मोरे।

*सत्य कहउँ लिखि कागद कोरे॥"

उपरोक्त पंक्ति के रचयिता का नाम बताइए?

कबीरदास

तुलसीदास

सूरदास

मलिक मुहम्मद जायसी

18. 'यक्षशाला' में निम्न में से कौन-सा समास होगा?

द्वन्द्व समास

तत्पुरुष समास

कर्मधारय समास

अव्ययीभाव

19. "आँसू" नामक काव्य ग्रन्थ के रचयिता कौन थे?

सुमित्रानन्दन पन्त

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

जयशंकर प्रसाद

मैथिलीशरण गुप्त

20. निम्न में से कौन-सी पुस्तक सुमित्रानन्दन पन्त द्वारा लिखित नहीं है?

ज्योत्सना

चिदम्बरा

नीरजा

युगवाणी

1. 'निर्वाह' में प्रयुक्त उपसर्ग है-

नि

निः

निर्

निरि

2. निम्नलिखित में से किसमें सही सामासिक पद है?

पुरुषधन्वी

दिवारात्रि

त्रिलोकी

मंत्रिपरिषद

3. "कार्य को नये ढंग से करने की पद्धति", इस वाक्य के लिए सही शब्द को चुनिए?

पारस्परिक

नवागतरूप

नवीनीकरण

आधुनिकीकरण

4. निम्नलिखित में से कौन-सा 'देशज' शब्द नहीं है?

ढिबरी

पुष्कर

पगड़ी

ढोर

5. निम्न में से कौन-सा शब्द जातिवाचक संज्ञा नहीं है?

जवान

बालक

सुन्दर□

मनुष्य

6. निम्न में से 'सेना' का पर्यायवाची शब्द क्या है?

अनीक□

सैनिक

अरि

अतनु

7. "टस से मस न होना" का क्या अर्थ है?

कठोर हृदय होना

अनुनय-विनय से न पसीजना□

जगह न बदलना

धैर्यपूर्वक सहन करना

8. निम्नलिखित में से किस नाटककार ने अपने नाटकों के लिए 'रंगमंच' को अनिवार्य नहीं माना?

डॉ. रामकुमार वर्मा

सेठ गोविन्ददास

लक्ष्मीनारायण मिश्र

जयशंकर प्रसाद□

9. भाषा के आधार पर भारतीय राज्यों की पुनः संरचना कब की गई थी?

1952 ई. में

1953 ई. में

1954 ई. में

1956 ई. में□

10. "टाँग अड़ाना" का क्या अर्थ है?

बदनाम करना

बिना कारण लड़ना

गलत काम करना

अवरोध उत्पन्न करना□

11. "जो जग हित पर प्राण निछावर है कर पाता। जिसका तन है किसी लोकहित में लग जाता॥"

उपरोक्त पंक्तियों में कौन-सा छन्द है?

दोहा

रोला□

बरवै

हरिगीतिका

12. 'राकेश' का सही सन्धि विच्छेद क्या है?

राके + श

राक + ईश

राका + इश

राका + ईश□

13. "मुझे विश्वास है कि आप अवश्य आएँगे।" यह किस प्रकार का वाक्य है?

मिश्र वाक्य□

संयुक्त वाक्य

सरल वाक्य

इनमें से कोई नहीं

14. "बहुत अधिक परिश्रमी व्यक्ति", इस वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द का चयन कीजिए?

अध्यवसायी

उद्यमी□

कर्मठ

लगनशील

15. निम्नलिखित विकल्पों में से तद्भव शब्द का चयन कीजिए?

विष

अनुच्छेद

स्वार्थ

सूत□

16. उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के कितने भेद होते हैं?

तीन

चार□

पाँच

छः

17. "लोग हैं लागि कवित्त बनावत, मोहिं तो मेरे कवित्त बनावत।" इस पंक्ति के रचयिता का नाम बताइए?

केशवदास

घनानन्द□

भिखारीदास

पद्माकर

18. 'नरसिंह' में कौन-सा समास है?

द्वन्द्व समास

अव्ययीभाव

कर्मधारय समास□

बहुव्रीहि समास

19. 'मृगनयनी' नामक उपन्यास के रचयिता कौन थे?

यशपाल

वृन्दावनलाल वर्मा□

जैनेन्द्र कुमार

भगवतीचरण वर्मा

20. 'ध्रुवस्वामिनी' के लेखक का नाम क्या था?

प्रेमचंद

जयशंकर प्रसाद□

रामचन्द्र शुक्ल

हज़ारीप्रसाद द्विवेदी

1. 'प्रभुजी तुम चन्दन हम पानी' किसकी पंक्ति है?

संत दादूदयाल

रैदास□

संत पीपा

संत पल्लू दास

2. 'एक भारतीय आत्मा' नाम से कविता की रचना किसने की?

मैथिलीशरण गुप्त

सोहन लाल द्विवेदी

माखन लाल चतुर्वेदी□

बालकृष्ण शर्मा नवीन

3. अज्ञेय की कौन-सी रचना यात्रा पर आधारित है?

एक बूंद सहसा उछली□

आत्मनेपद

बावरा अहेरी

जयदोल

4. इनमें से कौन भरतमुनि के रस-सूत्र का व्याख्याकार है?

मम्मट

भट्टलोल्लट□

भामह

क्षेमेन्द्र

5. 'रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून' में कौन-सा अलंकार है?

श्लेष□

यमक

भ्रांतिमान

दृष्टांत

6. निम्नलिखित में से कौन-सी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है?

गुजराती भाषा

उड़िया भाषा

मराठी भाषा ☐

सिंधी भाषा

7. इनमें संयुक्त व्यंजन कौन-सा है?

ढ

ड

ड़

ज्ञ ☐

8. सूर्य शब्द का स्त्रीलिंग क्या होगा?

सूर्याणी

सूर्यायी

सूर्या ☐

सूर्यो

9. हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल को इस नाम से भी अभिहित किया जाता है?

जीवनी काल

गद्य काल ☐

पद्य काल

संस्मरण काल

10.

मुझे तोड़ लेना वनमाली, उस पथ पर देना तुम फेंक

मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जावें वीर अनेक

प्रस्तुत पंक्ति के रचयिता हैं?

सत्यनारायण पाण्डेय

माखन लाल चतुर्वेदी ☐

सोहन लाल द्विवेदी

बालकृष्ण शर्मा नवीन

11. 'प्रसून' का पर्यायवाची क्या होगा?

वृक्ष

पुष्प ☐

चन्द्रमान

अग्नि

12. 'सम्राज्ञी' का पुल्लिंग क्या होगा?

साम्राज्य

समाज

सम्राट ☐

सम्भ्रान्त

13. इनमें से कौन-सी पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है?

कौरवी

मारवाड़ी ☐

बुंदेली

कन्नौजी

14. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए?

अधम

अध्रम

अधर्म ☐

अधृम

15. 'मनोयोग' का सही सन्धि विच्छेद क्या है?

मनो: + योग

मन: + योग ☐

मन: + आयोग

इनमें से कोई नहीं

1. वसन्ततिलका में मात्राओं की संख्या होती है-

प्रत्येक चरण में 13-11 मात्राएँ
प्रत्येक चरण में 12-13 मात्राएँ
प्रत्येक चरण में 14-14 मात्राएँ□
प्रत्येक चरण में 12-12 मात्राएँ

2. 'तुम विद्युत बन आओ पाहुन, मेरे नयनों पर
पग धर-धर'।

उपरोक्त पंक्तियाँ किसके द्वारा लिखी गईं?

महादेवी वर्मा□

मीरा

श्रीनरेश मेहता

लीलाधर जगूड़ी

3. व्यंजना शक्ति का कार्य क्या है?

मूल अर्थ को व्यक्त करना

प्रयोजन को व्यक्त करना

मुख्यार्थ की व्याख्या करना

मुख्यार्थ में छिपे अकथित अर्थ को व्यक्त
करना□

4. सातवें आलवार संत कौन थे?

काठकोय

नम्म

आण्डाल

कुलशेखर□

5. 'श्री सम्प्रदाय' के प्रथम आचार्य कौन थे?

रामानुज

राघवानंद

श्री रंगनाथ मुनि□

रामानंद

6. 'पट-पीत मानहुं तड़ित रुचि, सुचि नौमी जनक
सुतावरं' में कौन-सा अलंकार है?

उपमा

रूपक

उत्प्रेक्षा□

यमक

7. 'दाँतों तले उँगली दबाना' इस मुहावरे का सही
अर्थ होगा-

बहुत पछताना

चुप रह जाना

हैरान होना□

दर्द महसूस करना

8. निम्नलिखित में से अशुद्ध वाक्य कौन-सा है?

देखो शत्रु दौड़ रहा है□

मैंने आम खाया

लड़ाई में जीत हुई

वह जीत गया

9. 'महान' का विलोम बताइए?

क्षुद्र□

अनुचित

अल्प

नगण्य

10. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने निम्न में से किसे
प्रेमाख्यान काव्य परम्परा का प्रथम कवि माना?

मंझन

जायसी

मुल्ला दाऊद

कुतुबन□

11. मनहरण कविन्त में मात्राओं की संख्या
कितनी होती है?

क्रमशः 15 और 17 मात्राएँ

क्रमशः 16 और 15 मात्राएँ□

क्रमशः 15 और 16 मात्राएँ

क्रमशः 11 और 13 मात्राएँ

12. अपभ्रंश को 'पुरानी हिन्दी' किसने कहा है?

जॉर्ज ग्रियर्सन

श्यामसुन्दर दास

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी□

भारतेन्दु हरिश्चंद्र

13. निम्नलिखित में से कौन 'विखंडनवाद' के प्रवर्तक थे?

देरिदा□

लीविस

फूकोयामा

ग्राम्शी

14. आलवार संख्या में कितने थे?

दस

बारह□

आठ

ग्यारह

15. निम्नलिखित में से कौन-सी रामानंद की रचना नहीं है?

वैष्णव मताब्द भास्कर

श्री रामार्जुन पद्धति

रामरक्षा स्त्रोत

शृंगार रस मंडन□

16. रहिमन जो गति दीप की, कुल कपूत गति सोय।

बारे उजियारै लगै, बड़ै अंधेरो होय॥

प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

उपमा

रूपक

यमक

श्लेष□

17. 'आँखों पर चर्बी छाना' का अर्थ है-

धोखा खाना

कुछ समझ न आना

अभिमान करना□

निर्लज्ज होना

18. किसको पुकारे यहाँ रोकर अरण्य बीच,
चाहे जो करो शरण्य शरण तिहारे हैं।

प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा छन्द है?

उल्लाला

छप्पय

रोला

घनाक्षरी□

19. निम्न में से 'धनवान' का विलोम शब्द बताइए?

अकिंचन□

किंकर

कंचन

धनाढ्य

20. आदिकालीन साहित्य में वीर रस की रचनाओं में किस भाषा का प्रयोग किया गया?

पिंगल

बुन्देली

डिंगल□

प्राकृत

1. भावों और विचारों को प्रकट करने वाले मानव-मुख से निकले ध्वनि-संकेतों को क्या कहते हैं?

वर्ण

व्यंजन

भाषा□

लिपि

2. एक भाषा दूसरी भाषा से क्या लेती है?

अक्षर

ध्वनि

शब्दावली□

इनमें से कोई नहीं

3. सर्वप्रथम भाषा का प्रयोग किस रूप में हुआ?

सांकेतिक□

मौखिक

लिखित

इनमें से कोई नहीं

4. किस रस को 'रसराज' कहा जाता है?

शृंगार रस□

हास्य रस

वीर रस

शान्त रस

5. संस्कृत भाषा का प्राचीनतम रूप कहाँ दिखाई पड़ता है?

ऋग्वेद□

उपनिषद

रामायण

महाभारत

6. अपभ्रंश का वाल्मीकि किसे कहा गया है?

पुष्पदंत

विनयचन्द्र सूरि

स्वयंभू□

हरिभद्र सूरि

7. बिहारी, बंगाली, उड़िया और असमिया भाषाओं का जन्म कौन-से अपभ्रंश से हुआ है?

ब्राचड

खस

महाराष्ट्री

मागधी□

8. निम्न में से कंठ्य ध्वनियाँ कौन-सी हैं?

क, ख□

य, र

च, ज

ट, ण

9. 'क', 'ख', 'ग', और 'फ' में से कौन-सा अक्षर उर्दू से लिया गया है?

क

ख

ग

फ□

10. वर्ण के द्वितीय व चतुर्थ व्यंजन क्या कहलाते हैं?

महाप्राण□

अल्पप्राण

अंतःस्थ

ऊष्म

11. इनमें से सही शब्द कौन-सा है?

सिंगार

शृंगार

शृंगार□

शिङ्गार

12. 'पंचवटी' शब्द में कौन-सा समास है?

अव्ययीभाव

कर्मधारय

द्विगु□

तत्पुरुष

13. 'कुरुक्षेत्र' को क्या कहा जाता है।

रणक्षेत्र□

कौरवक्षेत्र

युद्धक्षेत्र

यज्ञक्षेत्र

14. हिन्दी वर्णमाला में स्वरों की संख्या कितनी है?

आठ

ग्यारह□

दस

चौदह

15. जयशंकर प्रसाद का संबंध किस काव्य-प्रवृत्ति से है?

प्रगतिवाद

छायावाद□

प्रयोगवाद

कोई नहीं

16. निम्न में से पृथ्वी का पर्यायवाची शब्द कौन-सा है?

रत्नगर्भा□

हिरण्यगर्भा

वसुमती

स्वर्णमयी

17. हिन्दी साहित्य का नौवाँ रस कौन-सा है?

भक्ति रस

वात्सल्य रस

करुण रस

शांत रस□

18. सर्वश्रेष्ठ रस किसे माना जाता है।

रौद्र रस

करुण रस

शृंगार रस□

वीर रस

19. छंद का सर्वप्रथम उल्लेख कहाँ मिलता है?

ऋग्वेद□

यजुर्वेद

सामवेद

उपनिषद

20. हिन्दी साहित्य के आरंभिक काल को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने क्या कहा है?

आदि काल

वीरगाथा काल□

चारण काल

सिद्ध-सामंत काल

1. क, ख, ग, फ में से कौन-सा शब्द उर्दू से लिया गया है?

क

ग

फ

ख□

2. 'संसार' शब्द में प्रयुक्त संधि के प्रकार को बताइए?

स्वर संधि

विसर्ग संधि

व्यंजन संधि□

उपरोक्त में से कोई नहीं

3. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द का चयन कीजिए?

हँसी

कपूर

ओज□

आम

4. "या मुरलीधर की अधरान-धरी अधरान धरौंगी।"

उपरोक्त पंक्ति में प्रयुक्त हुए अलंकार को बताइए?

रूपक

यमक ☐

उपमा

उत्प्रेक्षा

5. निम्नलिखित में से कौन मार्क्सवादी समालोचक नहीं है?

शिवदानसिंह चौहान

नंददुलारे वाजपेयी ☐

रामविलास शर्मा

नामवर सिंह

6. 'नाच न आवे आँगन टेढ़ा' का सही अर्थ बताइए?

नाचने का बहाना बनाना

आँगन टेढ़ा होना

काम न जानने पर झूठा बहाना बनाना ☐

नाचने का दिखावा करना

7. निम्न में से 'कुबेर' शब्द का पर्यायवाची क्या होगा?

किन्नरेश

कोविद

धनाधिप ☐

राज राज

8. 'उत्तेजित' का विलोम क्या होगा?

कठोर

शान्त ☐

सन्दिग्ध

उद्वेलित

9. 'जिसे न देख सकें, न सुन सकें और न छू सकें', इस वाक्य के लिए उचित शब्द को चुनिए?

निराकार

निर्गुण

अदृश्य

अगोचर ☐

10. 'रीति काल' का वह कौन-सा कवि था, जो अपनी मात्र एक कृति से हिन्दी साहित्य में अमर हो गया?

रहीम

मतिराम

बिहारी ☐

देव

11. जिन शब्दों के अन्त में 'अ' आता है, उन्हें क्या कहते हैं?

अनुस्वार

अयोगवाह

अंतःस्थ

अकारान्त ☐

12. 'तन्मय' शब्द में प्रयुक्त संधि के प्रकार को बताइए?

व्यंजन संधि ☐

विसर्ग संधि

स्वर संधि

इनमें से कोई नहीं

13. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द का चयन कीजिए?

खेत

नैहर

निर्मम ☐

कुछ

14. नीचे दिये गए अवतरण के रचयिता के नाम का चयन कीजिए? "जाकी रही भावना जैसी। प्रभु मूरत देखी तिन तैसी।"

सूरदास

मीराबाई

तुलसीदास□

गिरिधरदास

15. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक सुरेंद्र वर्मा कृत नहीं है?

छोटे सैयद, बड़े सैयद

द्रौपदी

बादशाह गुलाम बेगम□

सेतुबन्ध

16. 'अंगूठा दिखाना' का सही अर्थ बताइए?

देने से इंकार करना□

अपमान करना

हँसी उड़ाना

धोखा देना

17. निम्न में से 'रात्रि' का पर्यायवाची बताइए?

क्षपा

तमीचर

अमा

विभावरी□

18. 'रंक' का विलोम क्या होगा?

बलवान

धनवान□

किसान

मज़दूर

19. 'मज़दूर मेहनत करता है, किंतु उसके लाभ से वंचित रहता है', यह किस प्रकार का वाक्य है?

सरल वाक्य

मिश्र वाक्य

संयुक्त वाक्य□

इनमें से कोई नहीं

20. 'द्विवेदी युग' का नामकरण निम्न में से किसके नाम पर हुआ है?

शांतिप्रिय द्विवेदी

महावीर प्रसाद द्विवेदी□

हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

रामअवध द्विवेदी

1. भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान किससे होता है?

लिपि

व्याकरण□

लिखित भाषा

उपरोक्त में से कोई नहीं

2. निम्न शब्दों में से सही वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए?

षड्यन्त्र□

षढ्यन्त्र

षड्यन्त्र

षड्यन्तर

3. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द का चयन कीजिए?

चाँद

चन्द्र□

चन्दर

चन्द

4. "बीती विभावरी जाग री।

अम्बर-पनघट में डुबो रही तरा घट ऊषा-नागरी।"

उपरोक्त पंक्ति में प्रयुक्त हुए अलंकार को पहचानिए?

उत्प्रेक्षा

उपमा

रूपक□

यमक

5. 'मैं बोरिशाइल्ला' किसकी रचना है?

अनामिका

महुआ माजी□

मैत्रेयी पुष्पा

चित्रा मुद्गल

6. 'अपनी करनी पार उतरनी' का सही अर्थ बताइए?

अपने कर्म का फल स्वयं भोगना□

बेकार का परिश्रम करना

गंगा उस पार होना

स्वयं कार्य करना

7. निम्नलिखित प्रत्येक चार विकल्पों में से बेमेल (असंगत) शब्द को छाँटिए?

निगाह

दृष्टि

नेत्र□

नज़र

8. 'हर्ष' का विलोम शब्द क्या होगा?

अप्रसन्नता

शोक

विषाद□

दुःख

9. 'जो धन को व्यर्थ व्यय करता है', इस वाक्य के लिए उचित शब्द को चुनिए?

कृपण

मितव्ययी

अल्पव्ययी

अपव्ययी□

10. 'प्रथम आने की कौन कहे उससे परीक्षा पास भी नहीं की जाती', यह किस प्रकार का वाक्य है?

कर्तृवाच्य

कर्मवाच्य

भाववाच्य

संयुक्त वाच्य□

11. हिन्दी भाषा में वे ध्वनियाँ कौन-सी हैं, जो दूसरी ध्वनियों की सहायता से बोली या लिखी जाती हैं?

स्वर

व्यंजन□

वर्ण

अक्षर

12. 'कवीश्वर' शब्द में प्रयुक्त संधि के प्रकार को बताइए?

दीर्घ संधि□

गुण संधि

व्यंजन संधि

स्वर संधि

13. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम शब्द का चयन कीजिए?

छेद

डंडा

विवाह□

सींग

14. "फूले कास सकल महि छाई।

जनु बरसा रितु प्रकट बुढ़ाई॥"

उपरोक्त पंक्तियों में प्रयुक्त हुए अलंकार को पहचानिए?

उत्प्रेक्षा□

उपमा

रूपक

श्लेष

15. "मेरे राम का मुकुट भीग रहा है" निम्न में से किसके द्वारा लिखा गया निबंध है?

विद्यानिवास मिश्र□

कुबेरनाथ राय

हरिशंकर परसाई

धर्मवीर भारती

16. 'अटका बनिया देवे उधार' का सही अर्थ स्पष्ट कीजिए?

दबाव पड़ने पर सब कुछ करना□

उधार देना

गले में अटकने पर बनिया उधार देता है
उपरोक्त में से कोई नहीं

17. निम्नलिखित प्रत्येक चार विकल्पों में से बेमेल (असंगत) शब्द को छाँटिए?

समस्या

जटिलता

कठिनाई

खेद□

18. 'क्रोध' का विलोम शब्द बताइए?

कृपा□

आशीर्वाद

क्षमा

सहयोग

19. 'जो काम न करना चाहे', इस वाक्य के लिए उचित शब्द को चुनिए?

आलसी

निकम्मा

अकर्मण्य□

दुष्कर

20. मलिक मुहम्मद जायसी को 'जायसी' कहा जाता था, क्योंकि वे-

जायस गोत्र में पैदा हुए थे

जायस मत को मानने वाले थे

जायस नामक देवता की पूजा करते थे

जायस नामक स्थान के निवासी थे□

1. रोला में होती हैं-

क्रम से चार चरणों में 12-12 मात्राएँ

क्रम से चार चरणों में 11 और 13 मात्राएँ□

क्रम से चार चरणों में 12 और 14 मात्राएँ

इनमें से कोई नहीं

2. 'शब्दानुशासन' के लेखक निम्न में से कौन थे?

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

हेमचन्द्राचार्य□

सरहपाद

स्वयंभू

3. 'शिवशम्भु के चिह्ने' के लेखक कौन थे?

प्रताप नारायण मिश्र

बालकृष्ण भट्ट

श्रीनिवास दास

बालमुकुन्द गुप्त□

4. आचार्य वल्लभ ने निम्नलिखित में से किसकी रचना नहीं की थी?

प्रपन्नकल्पवल्ली□

सुबोधिनी

अणुभाष्य

तत्त्वदीप निबंध

5. 'रसिक सम्प्रदाय' का आधारभूत ग्रंथ कौन-सा है?

पांचरात्र संहिताएँ

भक्ति पावन

उपरोक्त दोनों

इनमें से कोई नहीं

6. "तीन बेर खाती थी वे तीन बेर खाती हैं" में कौन-सा अलंकार है?

अनुप्रास

श्लेष

यमक

अन्योक्ति

7. मुहावरा 'उलट-फेर होना' का सही अर्थ है-

करवट लेना

हिंसा होना

अपेक्षा के विरुद्ध काम करना

परिवर्तन होना

8. चारों चरणों में समान मात्राओं वाले छंद को क्या कहते हैं?

सम मात्रिक छंद

विषम मात्रिक छंद

अर्द्धसम मात्रिक छंद

उपरोक्त सभी

9. 'ब्रह्म' का विपरीतार्थक शब्द क्या होगा?

जीव

माया

जगत

अज्ञान

10. "वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।" इस वाक्य में 'पर' कौन-सा कारक है?

कर्म

करण

अपादान

अधिकरण

11. 'रूपमाला' में मात्राएँ होती हैं-

क्रमशः 14 और 10 मात्राएँ

क्रमशः 14 और 12 मात्राएँ

क्रमशः 11 और 13 मात्राएँ

क्रमशः 10 और 14 मात्राएँ

12. 'खालिकबारी' निम्न में से किसकी रचना है?

खालिक खलक

रहीम

अमीर खुसरो

अकबर

13. निम्नलिखित में से कौन-सा देश-विभाजन को लेकर लिखा गया उपन्यास है?

अमृत और विष

झूठा सच

अपने-अपने अजनबी

अंतराल

14. 'सिद्धांतपंचमात्रा' के रचनाकार कौन थे?

विष्णुस्वामी

आचार्य वल्लभ

राघवानन्द

रामानुज

15. 'पद्मावत' किस प्रकार का काव्य है?

अन्योक्ति

समासोक्ति

अन्योक्ति एवं समासोक्ति

अतिशयोक्ति

16. "अब अलि रही गुलाब में, अपत कटीली डार में" कौन-सा अलंकार है?

उपमा

उत्प्रेक्षा

अन्योक्ति□

अतिशयोक्ति

17. 'पेट में दाढ़ी होना' इस मुहावरे का सही अर्थ क्या है?

धूर्त प्राणी

रोगग्रसित होना

पेट तक लम्बी दाढ़ी होना

देखने में सीधा, किंतु चालाक होना□

18. निम्नलिखित में सम मात्रिक छंद का कौन-सा उदाहरण है?

दोहा

सोरठा

चौपाई□

उपरोक्त सभी

19. 'बहिरंग' का विलोम शब्द है-

अन्तरंग□

रंगारंग

जलतरंग

रागरंग

20. 'पंचवटी' में कौन-सा समास है?

द्विगु समास

बहुव्रीहि समास□

तत्पुरुष समास

अव्ययीभाव समास

Q1 रस के मूल भाव को कहते हैं?

स्थायीभाव□

विभाव

अनुभाव

संचारीभाव

Q2 करुण रस का स्थायी भाव क्या है?

विस्मय

शोक□

घृणा

निर्वेद

Q3 वर्तमान में रसों की संख्या कितनी स्वीकार की गई है?

8

9

10

11□

Q4 हा राम ! हा प्राण प्यारे |जीवित रहू किसके सहारे?

मे रस है-

भक्ति रस

करुण रस□

रौद्र रस

हास्य रस

Q5 'कलम का सिपाही'

के लेखक हैं-

शिवानी

शांतिजोशी

अमृतराय□

सत्यानंद अग्निहोत्री

Q6 परीक्षा गुरु के लेखक हैं-

श्रद्धाराम फुलवारी

अयोध्यासिंह उपाध्याय

बालकृष्ण भट्ट

श्रीनिवास. दास□

Q7 रिपोतार्ज कौनसी भाषा का शब्द है?

अरबी

फ्रांसीसी□

लेटिन

कोई नहीं

Q8 आँसू नामक काव्य के रचयिता हैं-

शिवमंगल सिंह सुमन

जयशंकर प्रसाद□

अज्ञेय

निराला

Q9

'घ' व्यंजन है

अल्पप्राण

महाप्राण□

अघोष

कोई नहीं

Q10 निम्न में से मध्य स्वर है-

अ□

आ

ओ

ए

Q11 निम्न में से गुण स्वर संधि का उदाहरण है?

बीजांकुर

देवेन्द्र□

व्यर्थ

सरयूमि

Q12 निम्न में से यण संधि का उदाहरण नहीं है-
प्रत्यपर्ण

यद्यपि

व्यर्थ

भूपरि□

Q13 निम्न में से यौगिक शब्द है-

चटनी□

अक्कड़

कहना

सोना

Q14 सज्जन में समास है-

कर्मधारय□

द्विगु

अव्ययीभाव

बहुव्रीहि

Q15 निम्न में से शुद्ध शब्द है -

गत्यावरोध

चर्मोत्कर्ष

तादात्म्य□

त्यौहार

Q1 तथैव में यंधि है?

यण

वृद्धि✓

अयादि

स्वर

Q2 अभ्यर्थी में संधि है?

वृद्धि

यण✓

स्वर

अयादि

Q3 सच्चिदानंद में संधि है?

विसर्ग

व्यंजन✓

स्वर

कोई नहीं

Q4 विश्वामित्र का संधि विच्छेद होगा?

विश्व+अमित्र

विश्व +मित्र✓

विश्वा+ अमित्र

विश्वा+मित्र

Q5 निम्न मे से मूल शब्द है?

बहुत✓

पेटू

रूपहला

आ

Q6 निम्न मे से यौगिक शब्द है-

लाडला✓

इयल

गाँव

रंग

Q7 श्रद्धापूर्वक शब्द किस समास का उदाहरण है?

द्वन्द्व

अव्ययीभाव✓

तत्पुरुष

कर्मधारय

Q8 गुरुदक्षिणा शब्द मे कौनसा समास है?

करण तत्पुरुष

संप्रदान तत्पुरुष ✓

अपादान तत्पुरुष

संबंध तत्पुरुष

Q9 संसारसागर मे समास है-

कर्मधारय✓

द्वन्द्व

बहुव्रीहि

द्विगु

Q10 उद्धत का विलोम शब्द है-

सौम्य✓

विनीत

विनयशील

विनम्र

Q11 ईश्वर का विलोम होगा-

परमात्मा

अनीश्वर✓

जातुधान

अर्धनारीश्वर

Q12 मानसिक प्रतिकूलताओ से उत्पन्न गहरा

दुःख कहलाएगा-

यातना

यंत्रणा

विषाद✓

व्यथा

Q13 जो विशेषरूप से आदर के योग्य हो-

आदरणीय

समादरणीय✓

माननीय

पूजनीय

Q14 ज्यो -ज्यो बूढे स्याम रंग'त्यो-त्यो उज्ज्वल

होय

मे अलंकार है-

उत्प्रेक्षा

यमक

विरोधाभास✓

उपमा

Q15 "पानी केरा बुदबुदा अस मानुस की जात"

मे अलंकार है-

उपमा ✓

संदेह

अनन्वय

अनुप्रास

1. Q

रस का शाब्दिक अर्थ है –

1. आभूषण

2. रोशनी

3. आनंद✓

4. इनमे से कोई नहीं

2. Q

जिस परिस्थिति को देखकर स्थाई भाव जाग्रत होते हैं वह है-

1. आलंवन

2. अनुभाव

3. संचारी भाव

4. उद्दीपन✓

3. Q

जिसके प्रति या जिसके कारण मन में भाव जगे उसे कहते हैं –

1. आश्रयालेवन

2. विषयालेवन✓

3. उद्दीपन

4. अनुभाव

4. Q

हृदय के वे भाव जो सुसुप्त अवस्था में पड़े होते हैं | विषय को देखकर आश्रय के दिल में जागृत होते हैं| कहलाते हैं –

1. स्थाई भाव✓

2. विभाव

3. अनुभाव

4. संचारी भाव

5. Q

वे भाव हमारे मन में पानी के बुलबुले की तरह बनते हैं और फूटते रहते हैं कहलाते हैं –

1. विभाव

2. संचारीभाव✓

3. अनुभाव

4. स्थाईभाव

6. Q

जब कोई व्यक्ति एक के अतिरिक्त और भी लोगों के प्रति भाव रखता है कहलाता है –

1. व्यभिचारी भाव✓

2. संचारी भाव

3. अनुभाव

4. स्थाईभाव

7. Q

‘वाक्य रसात्मकं काव्यम्’ किसका कथन है ?

1. विश्वनाथ✓

2. राजेश्वर

3. भास

4. श्री हर्ष

8.Q

हिंदी साहित्य का नौवाँ रस कौन सा है ?

1. भक्ति

2. शांत✓

3. वत्सल

4. करुण

9. Q

किस रस को रसराम कहा जाता है ?

1. हास्य रस

2. शृंगार रस✓

3. वीर रस

4. हास्य रस

10. Q

कवि विहारी मुख्यतः किस रस के कवि हैं ?

1. करुण

2. वीर

3. भक्ति

4. शृंगार✓

11. Q

संचारी भाव की संख्या है

1. 9
2. 99
3. 33✓
4. 16

12. Q

शांत रस का स्थाई भाव है -

1. निर्वेद✓
2. उत्साह
3. जुगुप्सा
4. हास

13. Q

उद्भूत रस का स्थाई भाव क्या है -

1. विस्मय
2. आश्चर्य
3. (1) व (2) दोनों✓
4. इनमे से कोई नहीं

14. Q

वीभत्स रस का स्थाई भाव है -

1. क्रोध
2. उत्साह
3. शोक
4. इनमे से कोई नहीं✓

15. Q

स्थायी भावों की कुल संख्या कितनी है ?

1. 9✓
2. 11
3. 10
4. 33

16. Q

प्रिय पति वह मेरा प्राण प्यारा कहाँ है?

दुःख-जलनिधि- डूबी का सहारा कहाँ है?

इन पंक्तियों में कौन-सा स्थाई भाव है?

1. रति

2. क्रोध

3. शोक✓

4. विस्मय

17. Q

निसदिन बरसत नयन हमारे|

सदा रहति पावस ऋतु हम पै जब ते श्याम
सिधारो -

इन पंक्तियों में कौन-सा रस है?

1. हास्य
2. भक्ति
3. श्रृंगार✓
4. करुण

18. Q

इन पंक्तियों में कौन-सा स्थायी भाव है ?

सिर पर बैठ्यो काग आँख दोउ खात निकारत |
खींचत जिभहिं स्यार अतिहि आनंद उर धारत |
गीध जांघि को खोदि-खोदि के मांस उपारत |
श्वान आंगुरिन काटि-काटि के खात विदारत ||

1. क्रोध
2. विस्मय
3. जुगुप्सा✓
4. निर्वेद

20. Q

श्री कृष्ण के सून वचन अर्जुन क्षोभ से जलने लगे
|

सब शील अपना भूल कर करतल युगल मलने
लगे ||

संसार देखे अब हमारे शत्रु रण में मृत पड़े |

करते हुए यह घोषणा वे हो गए उठ कर||

इन पंक्तियों में कौन-सा रस है -

1. शांत
2. वीभत्स

3. रौद्र✓

4. वीर

Q 1 वह *धाराप्रवाह* बोलता है मे रेखांकित पद मे समास है-

बहुव्रीहि

तत्पुरुष

अव्ययीभाव □

द्वन्द्व

Q2 आशातीत मे समास का भेद है-

करण तत्पुरुष

अपादान तत्पुरुष

कर्म तत्पुरुष □

संप्रदान तत्पुरुष

Q3 मनोल्लास शब्द मे संधि है-

व्यंजन

विसर्ग

स्वर □

पररूप

Q4 प्राप्तोदक मे समास का भेद कौनसा है?

द्वन्द्व

कर्मधारय

बहुव्रीहि □

तत्पुरुष

Q5 चंद्रमुखी मे समास का भेद कौनसा है?

द्वन्द्व

कर्मधारय

तत्पुरुष

बहुव्रीहि □

Q6 शुद्ध शब्द का चयन कीजिए-

अधिशायी

पुनरावलोकन

शरदुत्सव □

प्राणीशास्त्र

Q7 अशुद्ध शब्द का चयन कीजिए-

शृंगार

दम्पती

एरावत

पक्षीराज □

Q8 वैश्या-वैश्य का क्रमशः अर्थ होगा-

गणिका- महाजन

वैश्य की पत्नी-महाजन □

गणिका-वैश्य की पत्नी

वैश्या का घर -पंडित

Q9 अंधकूप मे समास का भेद कौनसा है?

द्वन्द्व

कर्मधारय □

तत्पुरुष

बहुव्रीहि

Q10 "अपराधी को पेश किया जाए" मे क्रिया का वाच्य कौनसा है?

कर्तृवाच्य

कर्मवाच्य □

भाववाच्य

कर्तृ प्रयोग

Q11 "गाडी का पहिया घिस गया" क्रिया का भेद कौनसा है?

अकर्मक □

सकर्मक

रंजक

आज्ञार्थक

Q12 "बहू सास को भजन सुना रही है" क्रिया का भेद है!

एककर्मक

द्विकर्मक□

अकर्मक

प्रेरणार्थक

Q13 वनैला शब्द में प्रत्यय है-

एला

ऐला□

ऐला

अला

Q14 पृथक शब्द का चयन करिए जिसमें प्रत्यय का प्रयोग हुआ है -

खुशहाल

बदहाल

बेहाल

ननिहाल□

Q15" यह नेहरू जी की नौवीं जेल यात्रा थी *आपने* जेल में रहते हुए "भारत की खोज" नामक पुस्तक लिखी "रेखांकित शब्द में सर्वनाम है-

मध्यम पुरुष

अन्य पुरुष□

प्रथम पुरुष

निजवाचक सर्वनाम

Q)1 कौनसी संज्ञा निरर्थक है?

a)व्यक्तिवाचक□

b)जातिवाचक

c)भाववाचक

d)कोई नहीं

Q)2व्युत्पत्ति के आधार पर संज्ञा के कितने भेद हैं-

a)3□

b)4

c)5

d)6

Q)3 "सत्य बोलो, लोग ऐसा कहते हैं"-वाक्य का भेद है-

A)संयुक्त

B)साधारण

C)मिश्र□

D)संसृष्ट

Q)4"पेड़ से फल झड़ रहे हैं"।क्रिया का भेद है-

A)अकर्मक□

B)सकर्मक

C)क्रियार्थक

D)संयोजी

Q)5 वह ऊँचा सुनता है"।क्रियाविशेषण का भेद है?

A)रीतिवाचक□

B)परिमाणवाचक

C)स्थानवाचक

D)कालवाचक

Q)6 "मैं विद्यालय तक गया"अव्यय का भेद है?

A)क्रियाविशेषण

B)संबंधबोधक□

C)समुच्चयबोधक

D)विस्मयादिबोधक

Q)7 "घोड़ा *तेजी* से निकला"रेखांकित पद है?

A)संज्ञा

B)सर्वनाम

C)विशेषण

D)अव्यय□

Q)8 घोड़ा-गाड़ी में समास है?

A)द्वन्द्व□

B)तत्तपुरुष

C)कर्मधारय

D)बहुव्रीहि

Q)9 सपरिवार मे समास है?

A)बहुव्रीहि

B)तत्तपुरुष

C)कर्मधारय

D)द्वन्द्व

Q)10 ऐतिहासिक श्रोतों के आधार पर शब्द के कितने भेद हैं?

A)2

B)4

C)6

D)5

Q)11 अदालत किस भाषा का शब्द है?

A)फारसी

B)पुर्तगाली

C)अरबी

D)उर्दू

Q)12 "तुम्हें किस छात्र ने पीटा" रेखांकित शब्द है ?

A)संज्ञा

B)सर्वनाम

C)विशेषण

D)प्रश्नवाचक विशेषण

Q)13 कौनसी भाववाचक संज्ञा नहीं है?

A)चढ़ाई

B)चतुरता

C)बुराईयाँ

D)प्रार्थना

Q)14 "आज समाज को *सीता-सावित्री* की जरूरत है" रेखांकित पद में संज्ञा है?

A)व्यक्तिवाचक

B)भाववाचक

C)जातिवाचक

D)समूहवाचक

Q)15

नेताजी ने आजाद हिन्द फौज का गठन किया"

रेखांकित शब्द है?

A)जातिवाचक

B)भाववाचक

C)समूहवाचक

D)व्यक्तिवाचक

(1): निम्नांकित में से "प्रत्यय" युक्त शब्द का चयन कीजिये -

[A] इकहरा

[B] आजन्म

[C] परामर्श

[D] खुशबू

(2): निम्नांकित में से कौन सा शब्द "विदेशज" है?

[A] औरत

[B] आग

[C] खेत

[D] पगड़ी

(3): निम्नांकित में से व्याकरण की दृष्टि से "अशुद्ध वाक्य" को चुनिये -

[A] श्रीमद्भागवत की कथा पंद्रह दिनों में समाप्त हुई

[B] यूनान गहरे आर्थिक संकट से घिरा हुआ है

[C] पृथ्वी का कोई भी देश कम्प्यूटर क्रांति के प्रभाव से अछूता नहीं रहा

[D] अभी देश में सर्वत्र शांति है

(4): निम्नांकित में से "अव्ययीभाव समास" का उदाहरण चुनिये -

[A] रक्तपुष्प

[B] गंगाजल

[C] सीताराम

[D] निस्संदेह✓

(5): "क्ष", "त्र", "ज्ञ" इनमें से किस वर्ग में है ?

[A] संयुक्त व्यंजन✓

[B] दीर्घ व्यंजन

[C] स्वर

[D] व्यंजन

(6): 'इ' और 'ई' किस प्रकार के वर्ण है ?

[A] कण्ठ्य

[B] दन्त्य

[C] दन्तोष्ठ्य

[D] तालव्य✓

(7): जहाँ विरोध न होते हुये भी विरोध का आभास किया जाता है वहाँ कौन सा "अलंकार" होता है ?

[A] अतिशयोक्ति

[B] विरोधाभास✓

[C] श्लेष

[D] यमक

(8): "छन्दशास्त्र" का दूसरा नाम है -

[A] राजनीतिशास्त्र

[B] रसायनशास्त्र

[C] पिंगलशास्त्र✓

[D] दर्शनशास्त्र

(9): पाणिनी ने "य्", "र्", "ल्", "व्" को संक्षेप में क्या कहा गया है ?

[A] यलव

[B] यरलव

[C] गण

[D] यण✓

(10): "शृंगार रस" का "स्थायी भाव" क्या है -

[A] शोक

[B] हास्य

[C] रति✓

[D] विस्मय

(11): अति + उत्तम = "अत्युत्तम"

में निहित संधि का प्रकार बताईये -

[A] गुण स्वर संधि

[B] वृद्धि स्वर संधि

[C] यण स्वर संधि✓

[D] अयादि स्वर संधि

(12): "जो माँस खाता है" के लिये उपयुक्त शब्द है -

[A] निरामिष

[B] सामिष✓

[C] सर्वभक्षी

[D] हिंसाचारी

(13): "प" वर्ग का अंतिम व्यंजन है -

[A] फ

[B] ब

[C] म

[D] न

(14): निम्नांकित में से "क्रिया विशेषण" को चुनिये-

[A] गोलाकार

[B] विद्वतापूर्वक

[C] दूना✓

[D] निर्दय

(15): सामासिक पद "भेड़-बकरी" में प्रयुक्त समाज है -

[A] तत्पुरुष समास

[B] अव्ययीभाव समास

[C] द्वंद्व समास✓

[D] कर्मधारय समास

(16): निम्नालिखित में से कौन सा शब्द “आ” उपसर्ग से निर्मित नहीं है -

[A] आजन्म

[B] अवज्ञा✓

[C] आमरण

[D] आगमन

(17): व्याकरणिक दृष्टि से “अशुद्ध वाक्य” है -

[A] यक्ष ने युधिष्ठिर से पहला प्रश्न पूछा

[B] गोपियाँ कृष्ण से प्रेम करती हैं

[C] सभागृह का निर्माण कार्य सम्पन्न हुआ✓

[D] विदूषक को देखकर उसे सहसा हँसी आ गयी

(18): “सपेरा” नामक शब्द रूप से प्रत्यय को अलग कर मूल शब्द को लिखिये -

[A] एरा

[B] सांप✓

[C] पेरा

[D] उपर्युक्त सभी मूल रूप हैं

(19): निम्नांकित में से “भाववाचक संज्ञा” के उदाहरण को चुनिये -

[A] रेगिस्तान

[B] हिमालय

[C] एकता✓

[D] भारतवर्ष

(20): निम्नांकित में से “देशज” शब्द को चुनिये -

[A] करम

[B] परिवार

[C] गड़बड़✓

[D] किशन

(1) : “शब्द” सार्थक तभी कहे जाएँगे जब :-*

[A] उनका निश्चित अर्थ हो ✓

[B] वे बोलने में सरल हो

[C] वे वाक्य में प्रयुक्त हो

[D] वे भाषा में प्रयोग किये गये हो

(2) : “ऋजु” का विलोम शब्द कौन सा है-

[A] ऋतु

[B] मुदु

[C] वक्र ✓

[D] अधः

(3) : “आँख” लगाना” मुहावरे को सही अर्थ है:-

[A] आसक्त होना

[B] नींद आना ✓

[C] गहरी नींद में सोना

[D] आँखों का चिपक जाना

(4) : “तपोवन” में प्रयुक्त संधि का नाम है -

[A] स्वर संधि

[B] विसर्ग संधि ✓

[C] व्यंजन संधि

[D] इनमें से कोई नहीं

(5) : किन व्यंजनों को अर्धस्वर कहा जाता है -

[A] न, ण

[B] स, श

[C] व, य ✓

[D] इनमें से कोई नहीं

(6) : सही वर्तनी चुनिये -

[A] अंतर्गत

[B] अन्तरर्गत

[C] अंतर्गत ✓

[D] उपरोक्त में कोई नहीं

* (7) : कौन सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है ? *

[A] पानी ✓

[B] बाल्टी

[C] चूड़ी

[D] इमली

* (8) : इनमें से द्वन्द्व समास का उदाहरण है - *

[A] पीताम्बर

[B] नेत्रहीन

[C] चैराहा

[D] रूपया -पैसा ✓

* (9) : फेरीवाला, मिठाई, लगाव इन शब्दों में प्रयोग हुआ है - *

[A] उपसर्ग

[B] प्रत्यय ✓

[C] शब्द-विन्यास

[D] अप्रत्यय

* (10) : अर्थ के विचार से संज्ञा कितने प्रकार की होती है ? *

[A] चार [4]

[B] पाँच [5] ✓

[C] छः [6]

[D] सात [7]

* (11) कौनसा शब्द संज्ञा से बना हुआ विशेषण है *

A. सुखी ✓

B. प्रसन्न

C. कटु

D. सुन्दर

* (12) कौनसा शब्द संज्ञा से बना हुआ विशेषण नहीं है *

A. फेनिल

B. धूमिल

C. लौकिक

D. प्राथमिक ✓

* (13) कौनसा शब्द संज्ञा से बना हुआ विशेषण नहीं है *

A. भयंकर

B. शुभंकर ✓

C. रुचिकर

D. लाभकर

* (14) इनमें से किस शब्द में स्वर (मात्रा) संबंधी अशुद्धि है *

A. सरोजिनी

B. गृहिणी

C. अहल्या

D. प्रदर्शिनी ✓

* (15) इनमें से किस शब्द में व्यंजन संबंधी अशुद्धि है *

A. अभीष्ट

B. विशिष्ट

C. स्वादिष्ट ✓

D. गरिष्ठ

Que (1) : निम्न में से शुद्ध वर्तनी पहचानिये-

[A] आशीवाद

[B] आशीर्वाद □

[C] आर्शिवाद

[D] आशिरवाद

Que (2) : “कुआ” शब्द है -

[A] तत्सम

[B] तद्भव □

[C] विदेशी

[D] इनमें से कोई नहीं

Que (3): “यह किताब मेज पर रख दो” किस वाक्य का बोध कराता है -

- [A] स्थान एवं दिशा बोधक ☐
- [B] अनुक्रम
- [C] संबंध बोधक
- [D] विनम्रता बोधक

Que (4): जो-सो, में कौन सा सर्वनाम है-

- [A] प्रश्नवाचक
- [B] निश्चयवाचक
- [C] सम्बन्धवाचक ☐
- [D] इनमें से कोई नहीं

Que (5): निम्न “परिग्रह” में कौन सा उपसर्ग है -

- [A] परि ☐
- [B] प्र
- [C] प्रति
- [D] परा

Que (6): “डाढ़” शब्द है -

- [A] पुल्लिंग
- [B] स्त्रीलिंग ☐
- [C] नपुंसकलिंग
- [D] इनमें से कोई नहीं

Que (7): “गंगा जल” में कौन सा समास है -

- [A] द्विगु समास
- [B] द्वन्द्व समास
- [C] कर्मधारय समास
- [D] तत्पुरुष समास ☐

Que (8): “तिरस्कार” का सन्धि विच्छेद होगा -

- [A] तिरस + कार
- [B] तिरः + कार ☐
- [C] तिः + कार
- [D] तिर् + कार

Que (9): “अभिजात” का विलोम शब्द कौन सा होगा -

- [A] कुलीन
- [B] सामान्य
- [C] अकुलीन ☐
- [D] वंचित

Que (10): “बहुत दान देने वाले” को क्या कहा जाता है ?

- [A] दानी
- [B] औढरदानी ☐
- [C] दीनदयाल
- [D] दानवीर

Que (11): ऐसा कवि जो विषयानुसार तत्काल रचना कर दे, इसके लिये उपयुक्त शब्द होगा-

- [A] महाकवि
- [B] आशुकवि ☐
- [C] कवीश
- [D] कविराज

Que (12): “निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य मानक है -

- [A] यह गाय का असली दूध है ☐
- [B] यह असली गाय का दूध है
- [C] यही दूध गाय का असली है
- [D] दूध असली गाय की यही है

Que (13): निम्न में कौन सा हिन्दी का अपना उपसर्ग है-

- [A] अति
- [B] उन ☐
- [C] हेड
- [D] गैर

Que (14): हिन्दी में व्यंजन वर्णों की संख्या क्या है ?

- [A] 20
- [B] 25
- [C] 30
- [D] 33□

Que (15): “कहा जा सकता है” किस प्रकार का पदबन्ध है ?

- [A] विशेषण पदबन्ध
- [B] सर्वनाम पदबन्ध
- [C] क्रिया पदबन्ध□
- [D] क्रिया विशेषण पदबन्ध

Que (16): “तद्भव” शब्द का चयन कीजिये -

- [A] हास
- [B] लोग□
- [C] हस्ती
- [D] सूर्य

Que (17): “नील गगन” शब्द से समास है-

- [A] द्विगु समास
- [B] अव्ययीभाव समास
- [C] कर्मधारय समास□
- [D] तीनों में से कोई नहीं

Que (18): “सदाचार” में कौन सी संधि है ?

- [A] व्यंजन संधि□
- [B] स्वर संधि
- [C] विसर्ग संधि
- [D] कोई नहीं

Que (19): “किरण” का पर्यायवाची शब्द कौन सा है ?

- [A] रश्मि
- [B] मयूख
- [C] मरीचि
- [D] ये सभी□

Que (20): “गागर में सागर भरना” का अर्थ क्या है ?

- [A] अधिक में थोड़ा कहना
- [B] थोड़े शब्दों में बहुत कुछ कहना□
- [C] गागर में से मटका भरना
- [D] साधनों की सदुपयोग करना

Que (1): इनमें से कौन सा “स्वर दीर्घ संधि” है

- [A] ई□
- [B] औ
- [C] ए
- [D] आँ

Que (2): “उसने यह घटना आँख से देखी” वाक्य में कौन सा कारक प्रयुक्त है -

- [A] करण कारक□
- [B] अपादान कारक
- [C] अधिकरण कारक
- [D] सम्प्रदान कारक

Que (3): “कमल” शब्द का पर्यायवाची शब्द कौन सा है ?

- [A] सरोज□
- [B] रक्त पुरुष
- [C] नील पुरुष
- [D] सुमन

Que (4): निम्नलिखित में कौन “जातिवाचक संज्ञा” है -

- [A] हिमालय
- [B] लड़का□
- [C] गंगी
- [D] राधा

Que (5): “देशगत” में कौन सा समास है -

- [A] करण तत्पुरुष
- [B] सम्बन्ध तत्पुरुषतत्पुरुष
- [C] कर्म तत्पुरुष□
- [D] अपादान

Que (6): “मृत्यु + उपरांत” में संधि करने से निर्मित शब्द होगा -

- [A] मृत्योपरांत
- [B] मृत्युपर्यन्त
- [C] मृत्योपरांत
- [D] मृत्यूपरांत ☐

Que (7): निम्नलिखित में से कौन सा "वाक्य अशुद्ध" है ?

- [A] अध्यापक से हिन्दी पढ़ाई
- [B] अध्यापक से हिन्दी पढ़ी है
- [C] अध्यापक ने हिन्दी पढ़ायी है ☐
- [D] अध्यापक से हिन्दी पढ़वाई है

Que (8): "चतुराई" शब्द में कौन सा प्रत्यय है ?

- [A] ई
- [B] आई ☐
- [C] इ
- [D] आही

Que (9): “आँख” शब्द में कौन सा तत्सम रूप है?

- [A] नेत्र
- [B] लोचन
- [C] चक्षु
- [D] अक्षि ☐

Que (10): रिक्त स्थान की पूर्ति के लिये उपर्युक्त "लोकोक्ति" का चयन कीजिये -
“आपके इस विश्वविद्यालय के छात्र हैं !
आपके प्रार्थना पत्र में इतकी अशुद्धियाँ !!
सच है कि !

- [A] कहाँ राम-राम, कहाँ टांय-टांय
- [B] गाँठ का पूरा आँख का अंधा
- [C] काबुल में क्या गंधे नहीं मिलते ☐

[D] एक गंदी मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है

Que (11): "शब्दार्थ, उच्चारण तथा वर्तनी" की दृष्टि से निम्नांकित में से कौन सा शब्द त्रुटिपूर्ण है?

- [A] पूज्य
- [B] पुज्यनीय ☐
- [C] पूजनीय
- [D] पूजित

Que (12): "शुद्ध वाक्य" का चयन कीजिये -

- [A] गीता अच्छी पुस्तक है ☐
- [B] गीता अच्छा पुस्तक है
- [C] गीता अच्छा पुस्तकें है
- [D] अ और ब दोनों शुद्ध है

Que (13): “जिसे देखो, वही खुश है” वाक्य में ‘जिसे’ और ‘वही’ है -

- [A] निश्चयवाचक सर्वनाम
- [B] अनिश्चयवाचक सर्वनाम
- [C] सम्बन्ध वाचक सर्वनाम ☐
- [D] निजवाचक सर्वनाम

Que (14): "समास" किसे कहते हैं ?

- [A] शब्दों के मेल को ☐
- [B] अक्षर के मेल को
- [C] स्वर से स्वर के मेल को
- [D] स्वर के साथ व्यंजन के मेल को

Que (15): निम्नलिखित में से किसमें “यण” संधि है ?

- [A] यद्यपि ☐
- [B] भवति
- [C] गणेश
- [D] अत्रैक

Que (16): "शुद्ध वाक्य" का चयन कीजिये -

- [A] वह दण्ड पाने योग्य है
- [B] वह दण्ड लेने योग्य है
- [C] वह दण्ड के योग्य है□
- [D] वह दण्ड देने योग्य है

Que (17): निम्नलिखित में "प्रत्यय" युक्त शब्द बताईये -

- [A] करणीय□
- [B] मानव□
- [C] लाल
- [D] अनुकरण

Que (18): "उत्कर्ष" का विलोम शब्द है ?

- [A] विकर्ष
- [B] निष्कर्ष
- [C] अकर्ष
- [D] अपकर्ष□

Que (19): "अंगुली" का तद्भव रूप कौन सा है ?

- [A] अंगुल
- [B] अंगुटी
- [C] उंगली□
- [D] उपर्युक्त में से कोई नहीं

Que (20): "गाला बजाना" मुहावरे के अर्थ के लिये सही विकल्प का चयन कीजिये -

- [A] क्रोधित होना
- [B] पिटाई करना
- [C] डींग हाँकना□
- [D] गाली देना

Que (1): निम्न में से शुद्ध वर्तनी पहचानिये-

- [A] आर्शीवाद
- [B] आशीर्वाद□
- [C] आर्शिवाद
- [D] आशिरवाद

Que (2): "कुआ" शब्द है -

- [A] तत्सम
- [B] तद्भव□
- [C] विदेशी
- [D] इनमें से कोई नहीं

Que (3): "यह किताब मेज पर रख दो" किस वाक्य का बोध कराता है -

- [A] स्थान एवं दिशा बोधक□
- [B] अनुक्रम
- [C] संबंध बोधक
- [D] विनमता बोधक

Que (4): जो-सो, में कौन सा सर्वनाम है-

- [A] प्रश्नवाचक
- [B] निश्चयवाचक
- [C] सम्बन्धवाचक□
- [D] इनमें से कोई नहीं

Que (5): निम्न "परिग्रह" में कौन सा उपसर्ग है -

- [A] परि□
- [B] प्र
- [C] प्रति
- [D] परा

Que (6): "डाढ़" शब्द है -

- [A] पुल्लिङ्ग
- [B] स्त्रीलिङ्ग□
- [C] नपुंसकलिङ्ग
- [D] इनमें से कोई नहीं

Que (7): "गंगा जल" में कौन सा समास है -

- [A] द्विगु समास
- [B] द्वन्द्व समास
- [C] कर्मधारय समास
- [D] तत्पुरुष समास□

Que (8): “तिरस्कार” का सन्धि विच्छेद होगा -

- [A] तिरस + कार
- [B] तिरः + कार
- [C] तिः + कार
- [D] तिर् + कार

Que (9): “ अभिजात” का विलोम शब्द कौन सा होगा -

- [A] कुलीन
- [B] सामान्य
- [C] अकुलीन
- [D] वंचित

Que (10): “बहुत दान देने वाले” को क्या कहा जाता है ?

- [A] दानी
- [B] औढरदानी
- [C] दीनदयाल
- [D] दानवीर

Que (11): ऐसा कवि जो विषयानुसार तत्काल रचना कर दे, इसके लिये उपयुक्त शब्द होगा-

- [A] महाकवि
- [B] आशुकवि
- [C] कवीश
- [D] कविराज

Que (12): “निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य मानक है -

- [A] यह गाय का असली दूध है
- [B] यह असली गाय का दूध है
- [C] यही दूध गाय का असली है
- [D] दूध असली गाय की यही है

Que (13): निम्न में कौन सा हिन्दी का अपना उपसर्ग है-

- [A] अति

[B] उन

[C] हेड

[D] गैर

Que (14): हिन्दी में व्यंजन वर्णों की संख्या क्या है ?

- [A] 20
- [B] 25
- [C] 30
- [D] 33

Que (15): “कहा जा सकता है” किस प्रकार का पदबन्ध है ?

- [A] विशेषण पदबन्ध
- [B] सर्वनाम पदबन्ध
- [C] क्रिया पदबन्ध
- [D] क्रिया विशेषण पदबन्ध

Que (16): “तद्भव” शब्द का चयन कीजिये -

- [A] हास
- [B] लोग
- [C] हस्ती
- [D] सूर्य

Que (17): “नील गगन” शब्द से समास है-

- [A] द्विगु समास
- [B] अव्ययीभाव समास
- [C] कर्मधारय समास
- [D] तीनों में से कोई नहीं

Que (18): “सदाचार” में कौन सी संधि है ?

- [A] व्यंजन संधि
- [B] स्वर संधि
- [C] विसर्ग संधि
- [D] कोई नहीं

Que (19): “किरण” का पर्यायवाची शब्द कौन सा है ?

- [A] रश्मि

- [B] मयूख
[C] मरीचि
[D] ये सभी ☐

Que (20): “गागर में सागर भरना” का अर्थ क्या है ?

- [A] अधिक में थोड़ा कहना
[B] थोड़े शब्दों में बहुत कुछ कहना ☐
[C] गागर में से मटका भरना
[D] साधनों की सदुपयोग करना

1. किस विकल्प में पूर्वकालिक क्रिया का प्रयोग नहीं हुआ है

- अ. वह हाथ धोकर भोजन करता है
ब. राम बैठकर भोजन करता है ☐
स. मोहन नहा कर पूजा करता है
द. सभी में प्रयोग हुआ है

2. मुझसे ये बोझ उठाया नहीं जाता ! क्रिया का वाच्य है

- अ. कर्तवाच्य ब. कर्मवाच्य ☐
स. भाववाच्य द. भावात्मक

3. *लिखना* भी एक कला है। गहरा रेखांकित पद है

- अ. संज्ञा ☐ ब. क्रिया
स. सर्वनाम द. विशेषण

4. लड़के खभे *टेढ़े* गाड़ रहा है रेखांकित पद है

- अ. संज्ञा ब. अव्यय ☐
स. सर्वनाम द. विशेषण

5. न जाने *कौन* जिये, (कौन) मरे। रेखांकित पद है

- अ. निश्चयवाचक सर्वनाम
ब. अनिश्चयवाचक सर्वनाम ☐

- स. प्रश्नवाचक सर्वनाम
द. सम्बन्धवाचक सर्वनाम

6. सोहन ने मोहन से पुस्तक ली ! क्रिया का रूप है

- अ. द्विकर्मक
ब. अकर्मक
स. एककर्मक ☐
द. प्रेरणार्थक

7. राम ने रावण को बाण से मारा। क्रिया का रूप है

- अ. द्विकर्मक
ब. अकर्मक
स. एककर्मक ☐
द. प्रेरणार्थक

8. यज्ञोपवीत का संधि विच्छेद होगा

- अ. यज्ञ + ऊपवीत
ब. यज्ञा + उपवीत
स. यज्ञ + उपवीत ☐
द. यज्ञा + ऊपवीत

9. *सब* चले गए ! रेखांकित शब्द में सर्वनाम का भेद है-

- अ. अन्यपुरुष
ब. श्रोतसापेक्ष
स. साकल्यवाचक ☐
द. मध्यम पुरुष

10. *वे* तुम्हारे मित्र हैं रेखांकित पद है-

- अ. निश्चयवाचक सर्वनाम ☐
ब. संकेतवाचक सर्वनाम
स. अन्यपुरुष सर्वनाम
द. सक्तयवाचक सर्वनाम

11. मेरा घाव पक चूका है ।

क्रिया का रूप है-

अ. क्रियार्थक

ब. अकर्मक

स. सकर्मक

द. यौगिक

12. राजा ने ब्राह्मण को गाय दी । क्रिया का रूप है-

अ. द्विकर्मक

ब. अकर्मक

स. एककर्मक

द. संयोजी

13 पैसा पानी की तरह बहाया जा रहा है । क्रिया का वाच्य है-

अ. कर्तवाच्य ब. कर्मवाच्य

स. भाववाच्य द. क्रियावाच्य

14. कौनसा शब्द अशुद्ध है -

अ. नीहारिका ब. न्योछावर

स. निर्दयी द. पुनरवलोकन

15. कौनसा शब्द शुद्ध है -

अ. पडौसी ब. पित्रानुमती

स. पाशविक द. चमत्कारिक

16. प्रत्यय की दृष्टि से भिन्न है-

अ. शेरनी ब. मोरनी

स. हिरनी द. चाँदनी

17. बुहारी शब्द में प्रत्यय है!

अ. ई ब. आरी

स. अरी द. हारी

18. किस विकल्प में भाववाचक संज्ञा का प्रयोग हुआ है-

अ. कृपण ब. वार्धक्य

स. ऐतिहासिक द. नमकीन

19. मैंने कई *सभाओं*में भाषण दिए। रेखांकित पद में संज्ञा है-

अ. व्यक्तिवाचक

ब. जातिवाचक

स. भाववाचक

द. समुदायवाचक

20. आजकल शहर में चोरियाँ बढ़ गई हैं चोरियाँ शब्द में संज्ञा है-

अ. व्यक्तिवाचक

ब. जातिवाचक

स. भाववाचक

द. द्रव्यवाचक

1. वर्णमूलक समास कौनसा होता है

अ. अव्ययीभाव ब. तत्पुरुष

स. द्वंद्व द. दिगु

अ

2. स्फोटित वर्णों की संख्या कितनी होती है

अ. 25 ब. 33 स. 44 द. 11

अ

3. उच्चारण शक्ति के आधार पर व्यंजनों को कितने भागों में बाटा गया है

अ. 3 ब. 4 स. 2 द. 6

अ

4. प्रयत्न के आधार पर व्यंजनों को कितने भागों में बाटा गया है

अ. 8 ब. 2 स. 4 द. 6

अ

5. स का उच्चारण स्थान मुख्य रूप से कौनसा है

अ. दंत ब. तालव्य

स. मूर्धा द. वत्सर्य

द □

6. जिह्वामुलीय वर्ण कोनसा है

अ. ज ब. ट स. क द. ज़

स □

7. श्रुतिमुलक व्यंजन है

अ. ट ब. र स. ल द. य

द □

8. कोमल तालव्य वर्ग कोनसा है

अ. च वर्ग ब. ट वर्ग

स. प वर्ग द. क वर्ग

द □

9. दंत तातल्य वर्ण कोनसा है

अ. क ब. ख स. ज़ द. फ

स □

10. संधि व्यंजन में आते हैं

अ. अल्पप्राण ब. सघोष

स. महाप्राण द. अघोष

स □

प्रश्न 1 वह किताब पढ़ो। वाक्य में विशेषण है -

(अ) गुणवाचक

(ब) निश्चयवाचक

(स) अनिश्चयवाचक

(द) संकेतवाचक □

प्रश्न 2 प्रविशेषण का प्रयोग किस वाक्य में हुआ है -

(अ) पक्षी बहुत मिठा बोलते हैं।

(ब) वह बहुत सुन्दर लिखता है।

(स) उसने सुन्दर-सुन्दर लिखा।

(द) वह बहुत अच्छा लड़का है। □

प्रश्न 3 निम्न में से विशेषण का उदाहरण नहीं है -

(अ) हरी

(ब) सुन्दर

(स) कड़वाहट □

(द) दोहरा

प्रश्न 4 विशेषण की उत्तमावस्था किस विकल्प में है -

(अ) राम रीना से ज्यादा पढ़ता है।

(ब) रमेश बहुत सुन्दर है।

(स) शीना सबसे सुन्दर है। □

प्रश्न 5 इनमें से गुण वाचक विशेषण कौन-सा है-

(अ) चैगुना

(ब) दोहरा

(स) नया □

(द) कुछ

प्रश्न 6 आलस्य शब्द का विशेषण है -

(अ) आलस

(ब) अलस

(स) आलसी □

(द) आलसीपन

प्रश्न 7 विशेषण की अवस्थाएं होती हैं -

(अ) एक

(ब) दो

(स) तीन □

(द) चार

प्रश्न 8 परिमाण वाचक विशेषण का प्रयोग किस विकल्प में हुआ है -

(अ) तुम दस रूपये लाओ

(ब) वह कम रोटियां खाता है।

(स) कुछ आदमी कुछ पक्षी लाए

(द) उसने कुछ पानी पीया। □

प्रश्न 9 उद्देश्य विशेषण का प्रयोग किस वाक्य में हुआ है -

(अ) वह सुन्दर लिखना चाहता है।

(ब) वह सुन्दर है

(स) उसने मिठा आम खाया।□

(द) वह आदमी अच्छा नहीं है।

प्रश्न 10 बेचारी वह तो फेल हो गई। वाक्य में विशेषण है -

(अ) बेचारी□

(ब) वह

(स) फेल

(द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 11 सुन्दर किस वाक्य में विशेषण है -

(अ) सुन्दर अच्छा है।

(ब) सीमा सुन्दर नाची।

(स) वह सुन्दर-सुन्दर लिखता है।

(द) शिना बहुत सुन्दर है।□

प्रश्न 12 रमेश दोहरे चरित्र का व्यक्ति है, वाक्य में विशेषण है -

(अ) गुणवाचक

(ब) परिमाण वाचक

(स) संख्यावाचक□

(द) संकेतवाचक

प्रश्न 13 किस वाक्य में क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है -

(अ) शिना गाना गाती है।

(ब) पेड़ पर पक्षी बैठा है।

(स) मोहन सुन्दर लिखता है।□

(द) राम अच्छा लड़का है।

प्रश्न 14 निम्न शब्दों में कौन-सा शब्द विशेषण है -

(अ) सच्चा□

(ब) शीतलता

(स) क्रोध

(द) खुशी

Que (1): "कवियत्री" का संशोधित रूप है ?

[A] कवीइत्री

[B] कवियत्री

[C] कवयत्री

[D] कवयित्री□

Que (2): शुद्ध वाक्य का चयन कीजिये -

[A] चार आदमी के लिये खाना बना दो

[B] चार आदमियों के लिये खाना बना दो□

[C] चार आदमी का खाना बना दो

[D] (अ) व (ब) दोनों

Que (3): "सीता को गाना चाहिये" यह वाक्य है -

[A] विधि सूचक□

[B] निषेध सूचक

[C] आन्ता सूचक

[D] विनम्रता सूचक

Que (4): "गाड़ी धीरे-धीरे चलती है"

इस वाक्य में धीरे-धीरे कौन सा समास है -

[A] अव्ययवी भाव समास□

[B] कर्मधारय समास

[C] तत्पुरुष समास

[D] बहुब्रीहि समास

Que (5): "सदैव" शब्द में कौन सी सन्धि है -

[A] गुण स्वर संधि

[B] वृद्धि स्वर संधि□

[C] अयादि स्वर संधि

[D] यण स्वर संधि

Que (6): सही उपसर्ग चुनकर लिखिये -
“अभिलाषा”

- [A] अब
- [B] अधि
- [C] अभि□
- [D] अप

Que (7): “पोखर” का तत्सम रूप क्या है -

- [A] पुष्कर□
- [B] प्रखर
- [C] पोषक
- [D] प्रकर

Que (8): व्याकरणिक रूप से शुद्ध वाक्य है -

- [A] डॉक्टर साहब आपको बुलाए हैं
- [B] डॉक्टर साहब ने आपको बुलाया है□
- [C] आपको डॉक्टर साहब बुलाए हैं
- [D] डॉक्टर साहब ने बुलाया है, आपको

Que (9): “इहलोक” का विपरीत तार्थक शब्द है -

- [A] उपकार
- [B] पाताल
- [C] आदि
- [D] परलोक□

Que (10): “खटाई में पड़ना” मुहावरे का अर्थ है -

- [A] धोखे में आ जाना
- [B] घबराकर गलती करना
- [C] लटक जाना□
- [D] खरा साबित होना

Que (11): निम्न में शुद्ध का चयन कीजिये-

- [A] सन्यासी
- [B] संयासी

- [C] सैन्यासी
- [D] संन्यासी□

Que (12): “गत माह हम ताज महल देखने जायेंगे”

इस वाक्य में अशुद्धि है -

- [A] लिंग संबंधी
- [B] वचन संबंधी
- [C] काल संबंधी□
- [D] सर्वनाम संबंधी

Que (13): मध्यम पुरुष सर्वनाम का उदाहरण है -

- [A] यह
- [B] वे
- [C] आप□
- [D] मैं

Que (14): “यथाशक्ति” में कौन सा समास है -

- [A] बहुब्रीहि समास
- [B] अव्ययीभाव समास□
- [C] करण तत्पुरुष समास
- [D] द्वन्द्व समास

Que (15): “उज्ज्वल” का संधि विच्छेद होगा -

- [A] उद् + जल
- [B] उद् + ज्वल
- [C] उद् + जल
- [D] उत् + ज्वल□

Que (16): व्याकरणिक रूप से शुद्ध वाक्य है-

- [A] उन्हें एक पुत्र है
- [B] उनको एक पुत्र है
- [C] उनके एक पुत्र है
- [D] उनका एक पुत्र है□

Que (17): “चिल्लाहट” शब्द में प्रत्यय चुनिये -

[A] त

[B] हय

[C] आहट □

[D] तव्य

Que (18): “कूपन” शब्द है-

[A] फ्रेंच शब्द □

[B] अंग्रेजी शब्द

[C] पुर्तगाली शब्द

[D] डच शब्द

Que (19): “गणेश” का पर्यायवाची शब्द क्या है

-

[A] सुधांशु

[B] कुबेर

[C] एकदंत □

[D] सुधाकर

Que (20): “जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हुआ हो” के लिये शब्द है -

[A] स्कन्दगुप्त

[B] अजातशत्रु □

[C] अजानबाहु

[D] अजेय

(1): निम्नांकित में से “प्रत्यय” युक्त शब्द का चयन कीजिये -

[A] इकहरा □

[B] आजन्म

[C] परामर्श

[D] खुशबू

(2): निम्नांकित में से कौन सा शब्द “विदेशज” है?

[A] औरत □

[B] आग

[C] खेत

[D] पगड़ी

(3): निम्नांकित में से व्याकरण की दृष्टि से “अशुद्ध वाक्य” को चुनिये -

[A] श्रीमद्भागवत की कथा पंद्रह दिनों में समाप्त हुई

[B] यूनान गहरे आर्थिक संकट से घिरा हुआ है □

[C] पृथ्वी का कोई भी देश कम्प्यूटर क्रांति के प्रभाव से अछूता नहीं रहा

[D] अभी देश में सर्वत्र शांति है

(4): निम्नांकित में से “अव्ययव्रीहिव समास” का उदाहरण चुनिये -

[A] रक्तपुष्प

[B] गंगाजल

[C] सीताराम

[D] निस्संदेह □

(5): “क्ष”, “त्र”, “ज्ञ” इनमें से किस वर्ग में है ?

[A] संयुक्त व्यंजन □

[B] दीर्घ व्यंजन

[C] स्वर

[D] व्यंजन

(6): ‘इ’ और ‘ई’ किस प्रकार के वर्ण हैं ?

[A] कण्ठ्य

[B] दन्त्य

[C] दन्तोष्ठ्य

[D] तालव्य □

(7): जहाँ विरोध न होते हुये भी विरोध का आभास किया जाता है वहाँ कौन सा “अलंकार” होता है ?

[A] अतिशयोक्ति

[B] विरोधाभास □

[C] श्लेष

[D] यमक

(8): "छन्दशास्त्र" का दूसरा नाम है -

[A] राजनीतिशास्त्र

[B] रसायनशास्त्र

[C] पिंगलशास्त्र□

[D] दर्शनशास्त्र

(9): पाणिनी ने "य्", "र्", "ल्", "व्" को संक्षेप में क्या कहा गया है ?

[A] यलव

[B] यरलव

[C] गण

[D] यण□

(10): "शृंगार रस" का "स्थायी भाव" क्या है -

[A] शोक

[B] हास्य

[C] रति□

[D] विस्मय

(11): अति + उत्तम = "अत्युत्तम" में निहित संधि का प्रकार बताईये -

[A] गुण स्वर संधि

[B] वृद्धि स्वर संधि

[C] यण स्वर संधि□

[D] अयादि स्वर संधि

(12): "जो माँस खाता है" के लिये उपयुक्त शब्द है -

[A] निरामिष

[B] सामिष□

[C] सर्वभक्षी

[D] हिंसाचारी

(13): "प" वर्ग का अंतिम व्यंजन है -

[A] फ

[B] ब

[C] म□

[D] न

(14): निम्नांकित में से "क्रिया विशेषण" को चुनिये-

[A] गोलाकार

[B] विद्वतापूर्वक

[C] दूना□

[D] निर्दय

(15): सामासिक पद "भेड़-बकरी" में प्रयुक्त समाज है -

[A] तत्पुरुष समास

[B] अव्ययीभाव समास

[C] द्वंद्व समास□

[D] कर्मधारय समास

(16): निम्नालिखित में से कौन सा शब्द "आ" उपसर्ग से निर्मित नहीं है -

[A] आजन्म

[B] अवज्ञा□

[C] आमरण

[D] आगमन

(17): व्याकरणिक दृष्टि से "अशुद वाक्य" है -

[A] यक्ष ने युधिष्ठिर से पहला प्रश्न पूछा

[B] गोपियाँ कृष्ण से प्रेम करती हैं

[C] सभागृह का निर्माण कार्य सम्पन्न हुआ□

[D] विदूषक को देखकर उसे सहसा हँसी आ गयी

(18): "सपेरा" नामक शब्द रूप से प्रत्यय को अलग कर मूल रूप को लिखिये -

[A] एरा□

[B] स

[C] पेरा

[D] उपर्युक्त सभी मूल रूप हैं

(19): निम्नांकित में से “भाववाचक संज्ञा” के उदाहरण को चुनिये -

[A] रेगिस्तान

[B] हिमालय

[C] एकता□

[D] भारतवर्ष

(20): निम्नांकित में से “देशज” शब्द को चुनिये -

[A] करम

[B] परिवार

[C] गड़बड़□

[D] किशन

1. 'विद्यार्थी' शब्द में कौन-सी सन्धि है?

दीर्घ□

गुण

अयादी

यण

2. 'रामायण' का सन्धि-विच्छेद क्या होगा?

राम+आयन

राम+अयन□

राम+यन

रमा+आयन

3. 'परमौषध' का सन्धि-विच्छेद क्या है?

पर+औषध

परम+ओषध

परम+औषध□

परम+षौ

4. 'सुरेन्द्र' में कौन-सी सन्धि है?

दीर्घ

गुण□

वृद्धी

यण

5. 'सन्मार्ग' का सन्धि-विच्छेद क्या होगा?

सत्+मार्ग□

सन+मार्ग

सत्य+मार्ग

सनत+मार्ग

6. 'अभ्युदय' का सन्धि-विच्छेद क्या होगा?

अभि+दय

अभि+उदय□

अभिः+उदय

अभिः+दय

7. 'पवन' में कौन-सी सन्धि है?

दीर्घ

गुण

यण

अयादी□

8. 'पवित्र' का सन्धि-विच्छेद क्या होगा?

पो+वित्र

पो+इत्र□

पिव+इत्र

पोः+इत्र

9. 'निर्गुण' का सन्धि-विच्छेद है

निः+गुण□

नि+गुण

नि+गण

नी+गुण

10. 'अध्ययन' में कौन-सी सन्धि है?

दीर्घ

गुण

वृद्धी

यण□

11. 'प्रत्येक' का सन्धि-विच्छेद है

प्रति+इक

प्रति+एक□

प्रति+यक

प्रत+येक

12. राजर्षि का सन्धि-विच्छेद है

राज+ऋषि□

रज+ऋषि

राजः+ऋषि

रा+ऋषि

13. 'अभ्यर्थी' में कौन-सी सन्धि है?

दीर्घ

यण□

अयादी

गुण

14. 'पर्यावरण' में है

दीर्घ सन्धि

यण सन्धि□

अयादी सन्धि

वृद्धी सन्धि

15. 'गिरीश' में कौन-सी सन्धि है?

गुण

वृद्धी

दीर्घ□

अयादी

16. 'अत्यन्त' का सन्धि-विच्छेद है?

अति+आन्त

अति+अन्त□

अत+अ अन्त

अतः+अनत्

17. 'जगदीश' में कौन-सी सन्धि है?

स्वर

व्यंजन□

विसर्ग

इनमें से कोई नहीं

18. 'नीरोग' में कौन-सी सन्धि है?

विसर्ग□

स्वर

व्यंजन

इनमें से कोई नहीं

19. 'प्रत्युपकार' का सन्धि-विच्छेद होगा

प्रति+उपकार□

प्रति+पकार

प्रति+अपकार

प्रति+उकार

20. 'सूक्ति' का सही सन्धि-विच्छेद क्या है?

सू+उक्ति

सु+उक्ति:

सु+उक्ति□

सूः+उक्ति

Que (1): निम्न अक्षर “ख” व्यंजन का

उच्चारण स्थान कौन सा है ?

[A] कंठ्य□

[B] तालू

[C] दन्त्य

[D] ओष्ठ्य

Que (2): साधु का स्त्रीलिंग क्या होगा -

[A] साधुनी

[B] साधवी

[C] साधवी□

[D] इनमें से कोई नहीं

Que (3): “मातृत्व” शब्द है -

[A] व्यक्तिवाचक शब्द

[B] जातिवाचक शब्द

[C] भाववाचक शब्द□

[D] द्रव्यवाचक शब्द

Que (4): “त्रिलोक” शब्द में कौन सा समास है -

[A] कर्मधारय समास

[B] बहुब्रीहि समास

[C] द्विगु समास□

[D] तत्पुरुष समास

Que (5): निम्नलिखित में से कौन सा

विपरीतार्थी शब्द सही नहीं है -

[A] आदि - अन्त

[B] अतिवृष्टि - अनावृष्टि

[C] अपमान - उपमान□

[D] आहूत - अनाहूत

Que (6): “जिसमें बुढ़ापा न आए” के लिये एक शब्द है -

[A] युवा

[B] युवक

[C] अजर□

[D] अमर

Que (7): “अन्धों में काना राजा” का क्या

अभिप्राय है -

[A] एक आँख वाला

[B] अल्पज्ञ की पूजा

[C] अज्ञानियों में अल्पज्ञों की मान्यता होना□

[D] काने को राजा बनाना

Que (8): “व्यष्टि” का विलोम है -

[A] भीड़

[B] व्यक्ति

[C] समष्टि□

[D] समाज

Que (9): “दृश्चरित्र” की सन्धि है-

[A] दुः + चरित्र□

[B] दुश + चरित्र

[C] दुशः + चरित्र

[D] दुसः + चरित्र

Que (10): “बेईमान” में प्रयुक्त उपसर्ग है -

[A] न

[B] बे□

[C] बेई

[D] मान

Que (11): निम्नलिखित में से कौन सा शब्द

उच्चारण की दृष्टि से शुद्ध है -

[A] धोका

[B] धोखा□

[C] तखत

[D] अत्यधिक□

Que (12): “मैंने तीन कुर्सी खरीदी” में अशुद्धि है -

[A] वचन संबंधी□

[B] लिंग संबंधी

[C] संज्ञा संबंधी

[D] विशेषण संबंधी

Que (13): “बच्चा” की भाववाचक संज्ञा होगी -

[A] बालकपन

[B] बालपन

[C] बचपना

[D] बचपन□

Que (14): कर्मधारय समास का उदाहरण है-

- [A] राजपुरुष
- [B] प्रतिदिन
- [C] चन्द्रमुख □
- [D] दाल रोटी

Que (15): निम्नलिखित में से एक शब्द स्वर संधि का उदाहरण है -

- [A] पुरुषार्थ □
- [B] वागीश
- [C] निर्जल
- [D] मनोहर

Que (16): निम्नलिखित में से एक वाक्य मानक है -

- [A] मैंने नहीं की
- [B] मैंने नहीं किया □
- [C] मैंने नहीं करी
- [D] मैंने नहीं करा

Que (17): “रमणीय” में प्रत्यय है -

- [A] रम
- [B] णीय
- [C] ईय □
- [D] अनीय

Que (18): निम्नलिखित में से तत्सम शब्द है -

- [A] हिया
- [B] हलका
- [C] हीरा
- [D] हीरक □

Que (19): निम्नलिखित में से कौन सा शब्द “बादल” का पर्यायवाची शब्द नहीं है -

- [A] जलद
- [B] वारिद

[C] वारिज □

[D] जीमूत

Que (20): “उपकार को याद रखने वाला”

व्यक्ति कहलाता है -

- [A] कृतज्ञ □
- [B] कृतघ्न
- [C] कर्मठ
- [D] कृतकृत्य

प्र१: 'निराकार' शब्द का विलोम है

- (क) आकार
- (ख) साकार □
- (ग) प्रकार
- (घ) विकार

प्र२: 'अजेय' शब्द का विलोम है

- (क) विजित
- (ख) जेय □
- (ग) परास्त
- (घ) पराजित

प्र३: 'कर्कश' शब्द का विलोम नहीं है

- (क) मधुर
- (ख) मधु
- (ग) मीठा
- (घ) कठोर □

प्र४: 'आस्तिक' शब्द का विलोम शब्द है

- (क) अन्धविश्वासी
- (ख) अनीश्वरवादी
- (ग) नास्तिक □
- (घ) रुढ़िवादी

प्र५: 'भ्रम' शब्द का विलोम शब्द है

(क) निश्चित

(ख) संशयहीन

(ग) निश्चय □

(घ) निःसंशय

प्र६: 'हँसना' शब्द का विलोम शब्द है

(क) रोना □

(ख) मौन रहना

(ग) मुस्कराना

(घ) चिल्लाना

प्र७: 'जड़' शब्द के सही विलोम शब्द का चयन कीजिये

(क) जड़हीन

(ख) चेतन □

(ग) स्थूल

(घ) सचल

प्र८: 'उग्र' शब्द का विलोम शब्द है

(क) शान्त □

(ख) अग्र

(ग) अशांत

(घ) क्रोधी

प्र९: 'इर्ष्या' शब्द के सही विलोम शब्द का चयन कीजिये

(क) शीतलता

(ख) जलन

(ग) स्नेह □

(घ) प्रसन्नता

प्र१०: 'आज्ञा' शब्द का विलोम शब्द है

(क) हुक्म

(ख) आदेश

(ग) अवज्ञा □

(घ) अरविन्द

प्र११: 'स्वाधीनता' शब्द का विलोम शब्द है

(क) गुलामी

(ख) स्वतंत्रता

(ग) पराधीनता □

(घ) परतंत्रता

प्र१२: 'धनवान' शब्द के सही विलोम शब्द का चयन कीजिये

(क) भिखारी

(ख) निर्धन □

(ग) गरीब

(घ) फकीर

प्र१३: 'संक्षिप्त' शब्द का विलोम शब्द है

(क) संक्षेप

(ख) व्यापक

(ग) विस्तार

(घ) विस्तृत □

प्र१४: 'लौकिक' शब्द का विलोम शब्द है

(क) अध्यात्मिक

(ख) सांसारिक

(ग) अलौकिक □

(घ) स्वर्गिक

प्र१५: 'कटु' शब्द का विलोम रूप है

(क) मीठा

(ख) मिठाई

(ग) मधु □

(घ) मिष्टान्न